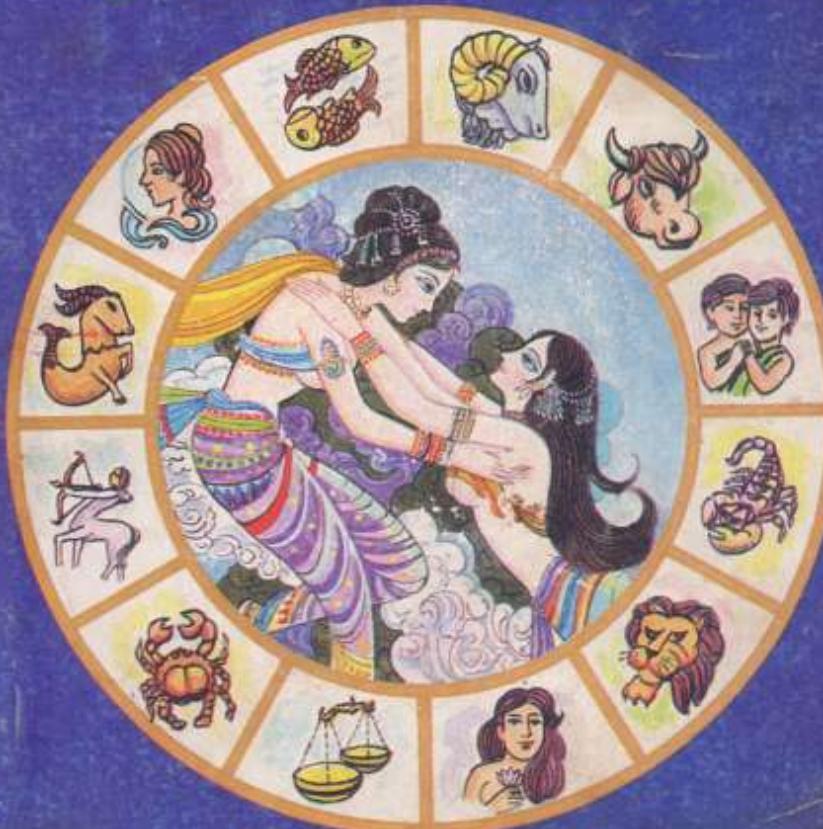


डॉ. नारायणदत्त श्रीमाली

सुबोध
स्वप्न ज्योतिष





COLLECTION OF VARIOUS

- HINDUISM SCRIPTURES
- HINDU COMICS
- AYURVEDA
- MAGZINES

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

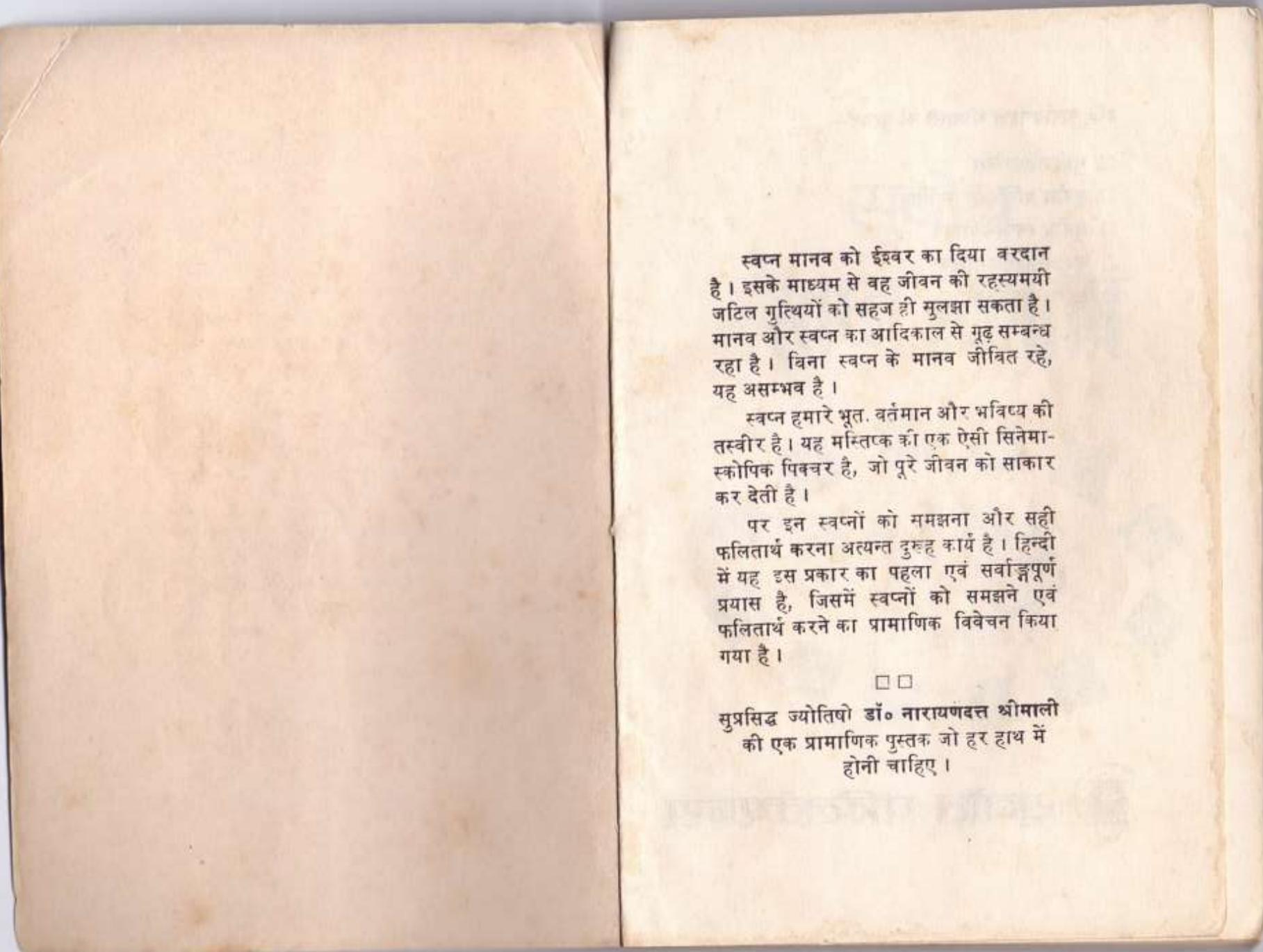
Made with



By

Avinash/Shashi

I creator of
hinduism
server



स्वप्न मानव को ईश्वर का दिया वरदान है। इसके माध्यम से वह जीवन की रहस्यमयी जटिल गुत्थियों को सहज ही मुलझा सकता है। मानव और स्वप्न का आदिकाल से गूढ़ सम्बन्ध रहा है। विना स्वप्न के मानव जीवित रहे, यह असम्भव है।

स्वप्न हमारे भूत, वर्तमान और भविष्य की तस्वीर है। यह मन्त्रिक की एक ऐसी सिनेमास्कोपिक पिक्चर है, जो पूरे जीवन को साकार कर देती है।

पर इन स्वप्नों को समझना और सही फलितार्थ करना अत्यन्त दुर्लभ कार्य है। हिन्दी में यह इस प्रकार का पहला एवं सर्वाङ्गपूर्ण प्रयास है, जिसमें स्वप्नों को समझने एवं फलितार्थ करने का प्रामाणिक विवेचन किया गया है।

□ □

सुप्रसिद्ध ज्योतिषी डॉ० नारायणदत्त श्रीमाली की एक प्रामाणिक पुस्तक जो हर हाथ में होनी चाहिए।

डॉ. नारायणदत्त श्रीमाली की पुस्तकों—

- सुबोध हस्तरेखा
- सुबोध प्रारम्भिक ज्योतिष
- सुबोध स्वप्न ज्योतिष
- सुबोध मुहूर्त ज्योतिष
- सुबोध अंक विद्या

सुबोध स्वप्न ज्योतिष



सुबोध पब्लिकेशन्स

डॉ. नारायणदत्त श्रीमाली

प्रकाशक : सुबोध पब्लिकेशन्स, २/३ बी, अंसारी रोड, नई दिल्ली-११०००२
संस्करण : १९९९ / मुद्रक : जयमाया ऑफसेट, शाहदरा, दिल्ली-११००३२

SUBODH SWAPNA JYOTISH by Dr. Narain Dutt Shrimali

विषय-सूची

स्वप्न क्या है ?	२१		
स्वप्नों के भेद	२२		
मनोविज्ञान और स्वप्न	२३		
स्वप्नों के प्रतीक	२४		
मविष्यसूचक स्वप्न	२४		
सोसायटी फॉर साइण्टीफिकल रिसर्च आँक ड्रीम्स	२८		
स्वप्नेश्वरी देवी	३३		
स्वप्नेश्वरी देवी का मंत्र	३३		
स्वप्न-ध्यान	३४		
शुभ स्वप्न	३४		
शशुभ स्वप्न	३५		
शशुभ स्वप्न-परिहार	३६		
विशेष ज्ञातव्य	३६		
भारतीय दर्शन और स्वप्न	३७		
पाइचात्य देशों में स्वप्न-विवेचन	३८		
अंक	४०	अंगराग	४१
अंकुष	४०	अंगीठी	४१
अंग	४०	अंगूठी	४१
अंगन	४०	अंजन	४१
अंगमंज	४१	अंत्येष्टि	४१

अंधकृप	४१	उच्च न्यायालय	४७	कुसुम	५१	ग्राम	५४
अंधा	४२	उत्तीर्ण	४७	केदार नाथ	५१	म्बाला	५४
अकाल	४२	ऊंट	४७	केसर	५१	घडियाल	५४
अनि	४२	ऋषि	४७	कौलाशपति	५१	घाटी	५४
अग्निशाला	४२	कंगन	४७	कोद्दी	५२	घाव	५५
अग्रज	४२	कंगाल	४७	कोयल	५२	चण्डी	५५
अचरण	४३	कंकूस	४७	कूर कर्म	५२	चण्डूबाज	५५
अट्टालिका	४३	कथा	४८	क्षत्रिय	५२	चन्द्रमा	५५
अणुबम	४३	कदम्ब	४८	खग	५२	चन्दन	५५
अतिथि	४३	कन्याप्रहण	४८	खच्चर	५२	चढ़ाव	५५
अदालत	४३	कपि	४८	खिताब	५२	चपरासी	५५
अधिकारी	४३	कपोत	४८	खून	५२	चरागाह	५५
अध्यापक	४३	कविस्तान	४८	खिलौना	५२	खंडकार	५५
अनायालय	४४	कमल	४९	गंगा	५३	चाबुक	५५
अन्न	४४	कमला	४९	गंगाजल	५३	चिधाह	५६
अपमान	४४	कलम	५०	गगरी	५३	चिराग	५६
अपराधी	४४	कस्तूरी	५०	गर्दम	५३	चीता	५६
अभिनन्दन	४४	काँच	५०	गीदह	५३	चूड़ी	५६
अभिषेक	४५	कामिनी	५०	गर्भपात	५३	चैचक	५६
अवतार	४५	कारागार	५०	गाली-गुफातार	५३	चौमार्ग	५६
अश्वारोही	४५	कार्यालय	५०	गीता	५३	छिनाल	५६
अभिसारिका	४६	किताब	५०	गीत	५३	झुरी	५६
अष्टमुजा	४६	किश्ती	५०	गुह	५३	छैला	५७
अस्त्र-शस्त्र	४६	कुंजर	५१	गोताखोर	५४	जंगल	५७
आकाशगामी	४६	कुन्दन	५१	गोदान	५४	जगन्नाथपुरी	५७
आशीर्वचन	४६	कुधाँ	५१	गोबर	५४	जटाघारी	५७
आश्रम	४६	कुत्ता	५१	ग्रहण	५४	जननी	५७
इन्द्रधनुष	४७	कुकुट	५१	ग्रामीण	५४	जयमाल	५७

जलप्लावित	५७	ठाकुर	६०	तराजू	६३	तेलमदंन	६७
जलज	५७	ठग	६०	तरु	६४	तोप	६७
जलद	५७	ठाकुरदारा	६०	तक्षण	६४	तोरणमाल	६७
जवान	५८	ठुँठ	६०	तरुणी	६४	तोहीन	६७
जहर	५८	ठुमरी	६१	तर्पण	६४	त्यागपत्र	६८
जहाज	५८	ठैसना	६१	तलबार	६४	त्पौहार	६८
जाह्यर	५८	डाकखाना	६१	तस्कर	६४	त्रिपुरारी	६८
जामाता	५८	डाकगाड़ी	६१	तलाक	६४	विशूल	६८
जल	५८	डाक्टर	६१	ताम्बा	६४	थानेदार	६८
जुझा	५८	डाका	६१	ताजमहल	६५	यंत्री	६८
जेबकट	५८	डेरा	६१	ताम्रपत्र	६५	दंगल	६८
जेवर	५८	डूबना	६२	तारे	६५	दंड	६९
जेल	५९	ड्योढी	६२	ताला	६५	दम्पति	६९
जोपी	५९	डाल	६२	तावीज	६५	दतौन	६९
जौहरी	५९	डोल	६२	तितली	६५	दक्षिणा	६९
ज्योतिथी	५९	तंडुल	६२	तिमंजिसी	६५	दरबार	६९
ज्वाला	५९	ताम्बूल	६२	तिरंगा	६५	दरिद्र	६९
झंडा	५९	तकिया	६२	तिरस्कार	६५	दर्जी	६९
झगड़ा	५९	तक्षक	६२	तिल	६६	दर्द	६९
झरना	५९	तस्त	६२	तोरण	६६	दर्पण	७०
झूला	५९	तड़ाग	६३	तीर्थ	६६	दर्वाजाना	७०
टकसाल	६०	तपस्वी	६३	तुरंग	६६	दशकंठ	७०
टटू	६०	तपस्त्री	६३	तुलसी	६६	दान	७०
टहनी	६०	तबेला	६३	तूफान	६६	दामिनी	७०
टाल	६०	तम्बाकू	६३	तृण	६६	दास	७०
टिहू	६०	तमचा	६३	तेजाब	६७	दाहुङ्गा	७१
मीका	६०	तरकारी	६३	तेल	६७		
टोपी	६०	तरबूज	६३	तैराक	६७		

दिनकर	७३	घनुष	७७
दिवाला	७३	घमाघ्यक	७७
दीक्षान्त	७४	घर्मोपदेशक	७७
दीपक	७४	घूप	७७
दीपावली	७४	घूम	७७
दीवार	७४	घृतं	७७
दुकान	७४	घोखा	७८
दुर्घ	७४	घोखेबाज	७८
दुर्ग	७४	घोती	७८
दुर्गा	७५	घोबी	७८
दुर्घटना	७५	नंगा	७८
कुर्मवहार	७५	ननदोई	७८
दुष्ट	७५	नकटा	७८
दूध	७५	नकशा	७८
दूरबीन	७५	नक्षत्र	७८
दूरदर्शक	७५	नस	७९
देवता	७५	नगपति	७९
देवस्थान	७५	नग्न	७९
देवर	७६	नट	७९
देवरानी	७६	नटिनी	७९
देवी	७६	नदी	७९
दैत्य	७६	नम	७९
देववाणी	७६	नमक	७९
दौड़	७६	नरक	८०
दिज	७६	नरसिंह	८०
द्वीप	७६	नरपति	८०
घक्का	७७	नतंकी	८०
घन	७७	नवाब	८०

नशेबाज	८०	नौटंकी	८३
नाखून	८०	नौबतखाना	८३
नागपाश	८०	नौलखाहार	८३
नाटक	८०	न्यायाधीश	८३
नामि	८१	पंक	८३
नायिका	८१	पंकज	८३
नारी	८१	पंख	८४
नाद	८१	पंगत	८४
नासूर	८१	पंगु	८४
नास्तिक	८१	पंचनद	८४
निद्रा	८१	पंच	८४
निधि	८१	पंचमुखी	८४
निर्जन	८१	पंचवटी	८४
निर्वाचन	८२	पंचाग्नि	८४
निलाम	८२	पंचांग	८४
निशाचर	८२	पंजर	८४
निष्कासन	८२	पंचायत	८४
निशानाथ	८२	पंडित	८५
निस्तव्यता	८२	पंडाल	८५
नीङ	८२	पंसारी	८५
नीलकंठ	८२	पंथी	८५
नूपुर	८२	पक्षाधात	८५
नरपति	८२	पगड़ी	८५
नरसिंह	८३	पठार	८५
नेत्र	८३	पतंग	८५
नौकर	८३	पत्थर	८६
नौका	८३	पत्र	८६
नौशमन	८३	पथिक	८६

पदक	८६	पावन ज्वनि	८६
पन्दुमी	८६	पिक	८६
पर्दा	८६	पिता	८६
परदेशी	८६	पिला	८६
परमहंस	८६	पिस्तील	८६
परराष्ट्र	८६	पिजरा	८०
परान्त	८७	पीटना	८०
परिचित	८७	पीताम्बर	८०
परिवार	८७	पुत्र	८०
परिश्रम	८७	पुत्रवधू	८०
परीक्षा	८७	पुनर्वासि	८०
परोपकार	८७	पुनर्विवाह	८०
पर्वटक	८७	पुराण	८१
पर्वं	८८	पुलिस	८१
पर्वत	८८	पुष्कर	८१
पलंग	८८	पुस्तक	८१
पलटन	८८	पूजा	८१
पबनचक्की	८८	पृथक्	८१
पवित्रात्मा	८८	पूर्यवी	८१
पहरा	८८	पेटी	८१
पहाड़	८८	पेशाब	८१
पहेली	८८	प्रकाश	८१
पाकशाला	८८	प्रकाशन	८१
पाक्षाना	८८	प्रचार	८२
पाणिप्रहृण	८८	प्रणय	८२
पान	८८	प्रतीक्षा	८२
पायजेव	८८	प्रतिशोध	८२
पार्वती	८८	प्रतिमा	८२

प्रतिरोध	८२	बर्फ	८५
प्रदर्शन	८२	बलात्कार	८६
प्रपितामह	८२	बलिदान	८६
प्रपात	८२	बबंदर	८६
प्रलयकर	८३	बसन्त	८६
प्रशस्ति	८३	बहिन	८६
प्राणप्रिय	८३	बहू	८६
प्रियतम	८३	बहेलिया	८६
प्रेत	८३	बौझ	८६
फकीर	८३	बौमुरी	८६
फणघर	८३	बाजार	८७
फफोला	८३	बाजीगर	८७
फल	८४	बाढ़	८७
फासीघर	८४	बाण	८७
फुटबाल	८४	बादल	८७
फुहारा	८४	बारिश	८७
फूलकार	८४	बालक व बालिका	८७
बंजर	८५	बावड़ी	८७
बंदूक	८५	बालू	८८
बकरा	८५	बिदी	८८
बच्चा	८५	बिजली	८८
बजरंग	८५	बिल्ली	८८
बटेर	८५	बिल्वपत्र	८८
बदनाम	८५	बीड़ा	८८
बदिकाश्रम	८५	बीमा	८८
बधिक	८५	बुखार	८८
बधिर	८५	बुढ़िया	८८
बर्षा	८५	बुद्ध	८१

दुरका	६६	मछली	१०१
वैरिस्टर	६६	मजदूर	१०२
बोतल	६६	मजिस्ट्रेट	१०२
गहाण्ड	६६	माणिक्य	१०२
बहुचारी	६६	मतपेटी	१०२
ब्राह्मण	६६	मधु	१०२
भंवरा	६६	मनीशाङ्कर	१०२
भण्डार	६६	महस्यल	१०२
भक्त	६६	मलयानिल	१०२
भगवान	६६	मल्ल	१०२
भोडा	६६	मवेशी	१०३
भयंकर	१००	मस्जिद	१०३
भवन	१००	मसिपात्र	१०३
भस्म	१००	मसूरी	१०३
भाई	१००	मंहदी	१०३
भागीदार	१००	महन्त	१०३
भाट	१००	महमान	१०३
भानु	१००	महथि	१०३
भिक्षा	१००	महाजन	१०३
भिक्षुक	१००	महाभारत	१०४
भुजंग	१०१	महात्मा	१०४
भूत	१०१	महारानी	१०४
भूमि	१०१	महायज्ञ	१०४
भोगविलास	१०१	महायत	१०४
भंगल कलश	१०१	महावीर	१०४
मंच	१०१	मांस	१०४
मंत्र	१०१	मालन	१०४
मवरमच्छ	१०१	माता	१०४

मानचित्र	१०४	युवराज	१०७
मानहानि	१०४	योगी	१०७
मामा	१०५	योगिनी	१०७
मिट्टी	१०५	युवती	१०८
मित्र	१०५	रंक	१०८
मिनिस्टर	१०५	रंगमंच	१०८
मीठा	१०५	रंगरूट	१०८
मुकलावा	१०५	रंडी	१०८
मुकुट	१०५	रक्त	१०८
मुखेबाज	१०५	रक्त चंदन	१०८
मूँग	१०५	रवि	१०८
मूँछ	१०६	रक्खाबंधन	१०८
मूत्र	१०६	रखेल	१०८
मूर्ति	१०६	रजनीकर	१०८
मृत्यु	१०६	रजिस्ट्री	१०८
मेरु	१०६	रण	१०८
मेहरिया	१०६	रनिवास	१०८
मैदान	१०६	रत्न	१०८
मोती	१०६	रथ	१०८
मोदक	१०६	रबड़	१०८
यंत्र	१०६	रबड़ी	१०८
यजमान	१०७	रसिक	१०८
यमुना	१०७	राख	१०९
यवन	१०७	राग	११०
यजुवेद	१०७	राघव	११०
यज्ञ	१०७	राजा	११०
यात्रा	१०७	राजदूत	११०
युद्ध	१०७	राजनीतिज्ञ	११०

राजमहल	११०	लड्डू	११३
राजपि	११०	लता	११३
राजसमा	११२	लॉकेट	११३
राजसिंहासन	११०	लॉटरी	११३
राज्याभियेक	११०	लालची	११३
राजीनामा	११०	लिपिबद्ध	११३
राज्यचयुत	१११	लुंगी	११३
रात्रि	१११	लुहार	११४
रामदूत	१११	लूटना	११४
राशन	१११	लेनदेन	११४
राष्ट्र	१११	लेपिटनेट	११४
रिपु	१११	लोटा	११४
रिषबत	१११	लोरी	११४
कद्र	१११	लौडी	११४
कई	१११	वंदना	११४
रेडियो	१११	वकालत	११४
रोकड़बही	११२	वकृता	११४
रोगी	११२	वचन	११५
रोजगार	११२	वज्र	११५
रोटी	११२	वजीर	११५
रोना	११२	वध	११५
रोद्र	११२	वधु	११५
लंगड़ा	११२	वनवास	११५
लंयर	११२	वन्य जीव	११५
लंगोट	११२	वाचनालय	११५
लक्ष्मी	११३	वादक	११५
लज्जिला	११३	वानर	११६
लठत	११३	वानप्रस्थ	११६

वायुयान	११६	व्याघ्र	११८
वारुणि	११६	व्यापार	११८
विकराल	११६	व्योमचारी	११८
विच्छेद	११६	वांख	११८
विजया	११६	शंभु	११८
वित्त	११६	शठ	११८
विप्र	११६	शत्रु	११८
विष्वव	११६	शरणगृह	११९
विभाजन	११६	शरावचर	११९
विमान	११६	शरीरान्त	११९
विश्वकर्मा	११७	शबदाह	११९
विष	११७	शशक	११९
विष्णु	११७	शति	११९
विस्फोट	११७	शास्त्र	११९
विहंग	११७	शहर	११९
बीणा	११७	शामिदं	११९
वृन्दावन	११७	शामियाना	११९
वृथा	११७	शाला	१२०
वृद्ध	११७	शासक	१२०
वृष्यम	११७	शास्त्र	१२०
वृश्चिक	११७	शिकार	१२०
वेदपाठी	११७	शिक्षा	१२०
वेदी	११७	शिलालेख	१२०
वेधशाला	११८	शिल्पी	१२०
वेद्या	११८	शिव	१२०
वैद्य	११८	शिष्य	१२०
व्यामिच्चारिणी	११८	शीशमहल	१२०
व्यास्पान	११८	सुक	१२१

शूद्र	१२१	सम्मोहन	१२३
शुभंगार	१२१	सरस्वती	१२३
षेर	१२१	सरकस	१२३
शैतान	१२१	सर्प	१२४
शैल	१२१	सत्यर्थिनी	१२४
शोक	१२१	स्वाँग	१२४
इमशान	१२१	सागर	१२४
श्रमिक	१२१	साज	१२४
आद्व	१२१	साफा	१२४
श्री	१२२	सामंत	१२४
षोडवी	१२२	सिहासन	१२४
संकीर्तन	१२२	सिद्धूर	१२४
संतान	१२२	सिह	१२४
संचि	१२२	सिद्ध	१२४
संन्यासी	१२२	सिपाही	१२४
सम-रति	१२२	सिवका	१२५
संबंधी	१२२	सुगन्ध	१२५
संमार	१२२	सुधार	१२५
सखा	१२२	सुनार	१२५
मचिव	१२२	स्वर्ण	१२५
सती	१२२	सुमुखी	१२५
सहोदर	१२२	सुलोचनी	१२५
सत्संगत	१२३	सूप	१२५
सद्गुपदेश	१२३	सूर्य	१२५
सप्तधानु	१२३	सूली	१२५
सफेद	१२३	सेज	१२६
समापति	१२३	सैनिक	१२६
समाधि	१२३	सुपारी	१२६

स्नान	१२६	दृरजाई	१२७
स्वर्ण	१२६	हवाई जहाज	१२७
स्वेच्छाचारी	१२६	हाथी	१२७
हंस	१२६	हवालात	१२७
हजामत	१२६	हीरा	१२७
हज	१२६	होम	१२७
हठियाँ	१२६	होता	१२७
हड्डताल	१२६		

स्वप्न क्या है ?

स्वप्न, मानव-जीवन को ईश्वर का सर्वथेष्ठ एवं सर्वोत्तम वरदान है। यह दैवी वरदान चराचर जगत् में केवल मनुष्य को ही मिला है, जो कि उसके मानव-जीवन की सर्वोत्तम निधि कही जा सकती है।

कोई मनुष्य बिना स्वप्नों के जीवित नहीं रह सकता। यदि वह जीवित है, सक्रिय है, तो यह निश्चित है कि वह स्वप्न देखता है। अंग्रेजी में यह कहावत ही है कि "A man who does not dream does not live." शेक्सपियर ने भी एक स्थान पर कहा है कि "Dreams are such stuff as we are made of."

हम स्वस्थ हों, तो स्वप्न में हम उसी प्रकार भाग लेते हैं, जिस प्रकार से वास्तविक जीवन में हमारा क्रियाकलाप होता है। स्वप्न मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं—१. जाग्रतावस्था स्वप्न और २. निद्रावस्था स्वप्न। पहले प्रकार का स्वप्न कवियों, दार्शनिकों एवं प्रेमी-प्रेमिकाओं का होता है। प्रेमी जाग्रतावस्था में अपनी प्रेमिका के बारे में सोचता है, और फिर कुछ क्षणों में वह उसके सामने साकार-सी हो जाती है। तन्मयता के उन क्षणों में वह उसके एक-एक हाव-भाव, एक-एक चेष्टा को देखता है; वह कब अर्थ भपकाती है, कब इवास लेती है या निःवास छोड़ती है, उसे स्पष्ट दिखाई देता है।

लगभग इसी प्रकार के स्वप्न कौलेज के छात्र-छात्राओं के होते हैं—जीवन में मैं क्या बनूँगा, निश्चय ही मैं ऐसा बनूँगा, यह करूँगा, ऐसे करूँगा...आदि-आदि। ऐसा ही स्वप्न अविवाहिता का होता है,

कि ऐसा सुन्दर पति होगा, घर को इस प्रकार सजाऊंगी, उनके दफ्तर से आने का समय होगा, तब मैं इस प्रकार प्रतीक्षा करऊंगी, वे मुझे यह कहेंगे, मैं यह जवाब दूँगी... और ऐसे मधुर स्वप्न उसके सामने जाग्रतावस्था में भी साकार होते चले जाते हैं। लेखकों, कवियों दार्शनिकों आदि को भी इसी श्रेणी में गिना जा सकता है।

दूसरे प्रकार का स्वप्न है निद्रावस्था स्वप्न। जब हम शरीर को शिथिल छोड़कर पूर्ण विश्राम की स्थिति में होते हैं, तब भी स्वप्न आते हैं, कभी तो वे स्वप्न हमारे साकार जगत् के होते हैं, कभी वे अद्भुत और अनोखे होते हैं। इन स्वप्नों को भी मुश्यतः तीन भागों में बांट सकते हैं।

स्वप्न के भेद : १—वास्तविक जीवन के स्वप्न

२—अद्भुत अपूर्व स्वप्न

३—भविष्यसूचक स्वप्न

१. वास्तविक जीवन के स्वप्न—मनोवैज्ञानिकों के अनुसार हम जीवन में चतुर्दिक् बंधे हैं। सामाजिक, नैतिक, राष्ट्रीय व कई नियम-उपनियम हैं, जिनसे बंधकर हम अपना जीवन व्यतीत करते हैं। फल स्वरूप व्यक्ति की वे इच्छाएँ, जिन्हें वह पूर्ण करना चाहता है, वास्तविक जीवन में पूर्ण नहीं होतीं। ऐसी स्थिति में उसकी वे इच्छाएँ, उसकी स्वप्नावस्था में पूर्ण होती हैं। उदाहरणार्थ एक दरिद्री निर्धन व्यक्ति जब वास्तविक जीवन में अत्यन्त विपन्नावस्था में होता है, और वह चारों तरफ ऊँची झटालिकाएँ, चमचमाती कारें एवं घना सेठों को देखता है तो वह स्वयं चाहता है कि वह सेठ बने, वैसी कारों में धूमे, पर वास्तविक जीवन में यह नितान्त असम्भव है।

तब स्वप्नावस्था में वह देखता है कि उसकी अचानक लॉटरी खुल गई है, वह चमचमाती कार में बैठा है, और उस सेठ को या तो कुचलकर आगे निकल जाता है, या उसकी जानी हुई कार से अपनी कार फराटे से आगे बढ़ा ले जाता है।

उसके वास्तविक जीवन की असंभवता इस प्रकार स्वप्न-जगत्

में पूर्ण हो जाती है। एक फेल छात्र अपने-आपको प्रथम श्रेणी में पास हुआ देखता है; वडी उम्र की अविवाहित लड़की शादी के फेरे खाती है, निर्धन व्यक्ति कार में फराट भरता है, ये सब उनके वास्तविक जीवन की न्यूनता को पूर्णता देने का प्रयास है।

२. अद्भुत-अपूर्व स्वप्न—दूसरे प्रकार के स्वप्न इस रूप में विलक्षण हैं कि वास्तविक जीवन में वैसा संभव नहीं होता; उदाहरणार्थ कभी ऐसा स्वप्न आता है कि मैं उड़ रहा हूँ—मकानों के ऊपर से, नदियों के ऊपर से... पहाड़ों के ऊपर से...। कभी क्या देखता हूँ कि कोई अद्भुत जानवर मेरे पीछे दौड़ता चला आ रहा है, जिसके तीन सिर हैं, आठ आँखें हैं, सोलह पैर हैं, आदि।

मनोवैज्ञान और स्वप्न :

मनोवैज्ञानिक काफी समय से इस गुरुत्वी को सुलझाने में लगे हैं कि आखिर स्वप्न है क्या? इसका विश्लेषण कैसे किया जाय? अमृक प्रकार का स्वप्न आने के पीछे क्या परिस्थितियाँ थीं? पर वे इस कार्य में सफल—पूर्ण सफल—नहीं हो सके। वे सिर पटककर रह गये कि इस प्रकार के अद्भुत विलक्षण स्वप्न आने के क्या रहस्य हैं? इनका क्या तात्पर्य है?

स्वप्नों के प्रतीक : डॉ० फ्रायड ने अपने प्रसिद्ध ग्रन्थ Dreams में स्वप्नों का आधार काम-भावना स्थिर की है। उनके अनुसार वास्तविक जीवन में जितने भी उपकरण हैं, वे दो भागों में बांटि जा सकते हैं। एक तो पुरुषोचित प्रतीक (Male Sex) और दूसरे स्त्रियोचित (Female Sex)। अस्त्र-शस्त्र पुरुष-वस्त्र, मशीन, नकशा, मुल, चाबी, लकड़ी, पेड़, सन्दूक, छाता, चाकू आदि पुरुषोचित प्रतीक हैं, इसके विपरीत दरवाजे, ताला, मुफा, टोकरी, कपड़ों के भंडार, बत्तन, मशीन का पिस्टन आदि स्त्रियोचित प्रतीक हैं।

यह सही है कि संभोग या 'सेक्स' जीवन का एक महत्वपूर्ण भाग है पर यही जीवन का मूलाधार है, ऐसा मैं नहीं मानता। डॉ० फ्रायड का दृष्टिकोण एकांगी है। वह समग्र मानव-बिन्दुओं को छूते

हुए नहीं चल सके हैं ।

मनोवैज्ञानिकों के साथ ही साथ, बल्कि इससे भी काफी मूर्च्छ से ज्योतिविज्ञान इस गृह्यत्वी को सुलझाने में व्यस्त रहा है । स्वप्न क्यों प्राप्त है, इसपर ज्यादा जोर न देकर 'स्वप्न क्या है' इसपर ज्यादा ध्यान ज्योतिविज्ञानी ने दिया है । कल्टपटीग स्वप्नों का हेतु भी उन्होंने कहा है, और उन्होंने अपने अनुभव, जान तथा ऋचिप्रणीति ज्योतिष-सूत्रों के माध्यम से जो निष्कर्ष प्रस्तुत किए हैं, वे सत्यता के पूर्ण सन्निकट हैं, इसमें कोई सन्देह नहीं ।

३. भविष्यसूचक स्वप्न—आदिकाल से ही व्यक्ति इन स्वप्नों के प्रति आकर्षण रखता आया है, तथा व्यक्ति के बत्तमान संदर्भों को ध्यान में रखते हुए इसके फलितार्थों पर भी विचार करता आया है । पर कई बार भविष्यसूचक स्वप्न इस प्रकार से सही उपरते हैं कि आश्चर्य होता है । संसार का इतिहास ऐसे भविष्यसूचक स्वप्नों से भरा पड़ा है । वे केवल संयोग नहीं हो सकते, अपितु इनके पीछे ठोक कारण है, जीवन की सही व्याख्या है, भविष्य का कोई सूत्र नुमिक्त है ।

अमेरिका के भूतपूर्व राष्ट्रपति लिंकन अपने कार्यों के फलस्वरूप विश्वविलयात थे । उनके जीवनी-लेखक वार्ड वैमन के शब्दों में—

"एक दिन प्रातःकाल ज्यों ही मैं 'सुप्रभात' कहने लिंकन के पास गया, तो वह और दिनों की- अपेक्षा सुस्त और बुझे-बुझे से थे । चेहरे पर आजस्विता में कुछ धूमिलता-सी प्रतीत हो रही थी । बोले— 'बैठिए मिस्टर वार्ड !' आज मैंने एक अनोखा स्वप्न देखा,—मैंने देखा कि मैं ह्लाइट हाउस (राष्ट्रपति भवन) में इधर-उधर धूम रहा हूँ, चारों तरफ लोग हाथ बांधे लड़े हैं, चेहरों पर दुःख और आँखों में आँसू हैं । मैं थोड़ा और आगे बढ़ता हूँ कि मेरे कानों में शोकाकुल ध्वनियाँ मुनाई पड़ती हैं, और मैं ज़म्मी से पूर्वी कक्ष की ओर चल पड़ता हूँ । जैसे ही मैं आगे कदम बढ़ाता हूँ कि एक कमरे में मुझे लाश रखी दिखाई देती है, जो सफेद चादर से ढकी हूँह है । मैं अपने पास खड़े व्यक्ति से पूछता हूँ कि यह लाश किसकी है ? तो उत्तर

मिलता है, हमारे राष्ट्रपति की.....हमारे राष्ट्रपति की हत्या हो गई है ।'

वार्ड वैमन ने कहा—सर, ऐसा होगा नहीं, प्रभु ऐसा नहीं करेंगे । पर आश्चर्य तब हुआ, जब कुछ ही दिनों बाद यह स्वप्न घक्करशः सत्य हो गया । राष्ट्रपति लिंकन की हत्या हो गई, और वार्ड वैमन ने कहा—ठीक वैसा ही दृश्य पूर्वी कक्ष की ओर नजर आ रहा था, जैसा लिंकन ने वर्णन किया था ।

और यह घटना इतिहास का अमिट लेख बन गई ।

अभी उस दिन परमहंस स्वामी आत्मानन्द जी भेरी भोजड़ी में पधारे । स्वामी जी शतायु से अधिक हैं, फिर भी चेहरे पर वही सौम्यता, स्तिन्धता, बालसुलभ चंचलता एवं मनोहर मुस्कराहट थी । जीवन के सत्तर वर्षों से भी अधिक काल तक उन्होंने एकान्त तपस्या की है, तपस्वी जीवन व्यतीत किया है । चार-पाँच वर्ष पूर्व जब मैं मन्त्र-साधना हेतु हरिद्वार से बहुत आगे उनकी पण्डिकुटी पर अचानक पहुँचा था तो मुझे यह आभास नहीं था कि अचानक ऐसी दिव्य विभूति से साक्षात्कार हो जायगा । मन्त्र-साधना के निष्णात योगी आत्मानन्द जी के यहाँ उस वियावान सुरम्य जंगल में लगभग पन्द्रह दिनों तक रहा था, जहाँ मैंने ज्योतिष-ज्ञान का परिचय दिया था । वहाँ उनसे ग्रन्थभूत मन्त्र सीखे थे, दुर्लभ मन्त्र-साधना-ज्ञान मिला था । उन्हीं दिनों मैंने उन्हें अपने घर आने का निमन्त्रण दिया तो उत्तर में बोले थे—पिछले पचास वर्षों में किसी गृहस्थ के घर न तो गया हूँ और न हाथ ही पसारा है, पर देहावसान से पूर्व तुम्हारे घर आऊँगा—यह बादा करता हूँ । मेरे लिये उनकी यह यसीम कृपा थी ।

आश्चर्य इस बात का था कि वे सीधे मेरे घर पहुँचे, बोले— तात ! जब मैं चला, उससे एक रात पूर्व ही मुझे स्वप्न प्राया, जैसे मैं जोधपुर पहुँच गया हूँ, और तुम्हें आश्चर्य होगा, ठीक यही घर, घर की यही स्थिति, घर तक का यही रास्ता हूँ-ब-हूँ इसी रूप में स्वप्न में साकार हुआ था, जब कि जीवन में पहली बार जोधपुर आया हूँ,

और पत्तास-पत्तपन वर्षों बाद बाहन में याचा करनी पड़ी है।

मैंने कहा—प्रभु ! सम्मव है, मैं बाहर होता, जोधपुर से प्रवास पर होता...

तुरन्त बोले—ऐसा ही ही नहीं सकता था। स्वप्न में तुम्हारा घर देखा है, तुम्हारे लज्जों में मिला है, वह को आशीर्वाद दिया है, तुमसे बातें की हैं... और तुमसे मिलना इसलिए आवश्यक हो गया था कि मैं बादा कर चुका था कि देहावसान से पूर्व तुमसे मिलूँगा।

मैं उनकी बाणी को समझ रहा था... मैं समझ गया था—अधिपूत की बाणी असत्य नहीं होती... यह जो सामने तपस्वी शरीर है, कुछ दिनों तक का ही है... और यह सोचकर मन भारी-भारी हो गया।

काफी बातें हुईं। भोजन छोड़ रखा था, कुएं का जल केवल दो बार लेते थे, और कुछ नहीं। आतिथ्य-सत्कार क्या करता? लज्जों से बातें कीं, हँसी... पत्नी के सिर पर हाथ रखा... ऐसा लगा जैसे घबल कीति मेरे घर मुखरित हो गई हो! हिमालय की पावनता, स्तिंघनता मेरे घर आ गई हो! सौ सबा सौ बैं तक का तपस्वी... पर पूरे दौंत भौजूद, शरीर में ओज, निमंल हँसी, शान्त, भोले, पवित्र... जैसे बालक हों।

रात्रि को जीवन की घरोहर—अमूल्य दुर्लभ मन्त्रों का ज्ञान दिया, उनकी साधना-विविध समझाई, मेरे सामने बैठकर बताया... बताते गये... समझाते गये... सिखाते गये... कब प्रात् हुआ पता ही नहीं चला। कितना अक्षय अपार भण्डार था ज्ञान का, सिद्धि का उनमें!

दूसरे ही दिन वे चले गये। और कुछ ही दिनों पूर्व जब उनके बहालीन होने का समाचार सुना तो एकबारगी ऐसा लगा, जैसे मैं छिन गया हूँ... पृथिवी की एक अमूल्य मणि खो गई है... अस्तु।

पर स्वप्न कितना सटीक था कि बिना मेरा घर देखे, स्वप्न में

ही काफी दिन वहले उन्होंने वही घर, सड़क तथा मार्ग देख लिया था, जैसे वास्तविक रूप में देखा हो। इस प्रकार हम इन भविष्यसूचक या भविष्यदर्शी स्वप्नों से इन्कार नहीं कर सकते।

सीजर रोम का महान् सेनानी और सज्जाद् था। उस समय उसकी दीरता के चारों तरफ ढंके बज रहे थे। रोमन साम्राज्य के इतिहास-लेखक 'ज्यूटाक' के अनुसार, उसकी पत्नी कार्नेलिया ने एक रात स्वप्न देखा कि उसके पति सीजर की हत्या हो गई है, तथा विरोधियों का घड़यन्त्र सफल हो गया है।

सज्जाजी जब दूसरे दिन उठी, तो वह बड़ी चिन्तित थी। उसने रात के स्वप्न को ज्यों-का-त्यों पति को मुना दिया, और प्रायंना की कि वह आज दरवार न जाय, पायद कुछ न कुछ असंभव्य न घट जाय; पर सीजर ने अपनी पत्नी की बात को हँसी में उड़ा दिया, और दरवार में गया। आश्चर्य यह कि उसी दिन सीजर की हत्या हो गई, और हत्या ठीक उसी प्रकार हुई, जिस प्रकार सीजर की पत्नी ने स्वप्न में देखा था। शेक्सपियर ने अपने नाटक 'जूलियस सीजर' में इसी घटना को ज्यों-का-त्यों दिया है।

दिल्ली के रमेश उपाध्याय अपने व्यक्तिगत कार्य से विदेश यात्रा जानेवाले थे। ठीक एक दिन पहले उनकी पत्नी को भयंकर स्वप्न आया, देखा कि जिस वायुयान में उसके पति सफर करनेवाले हैं— वह वायुयान उड़ने के कुछ ही समय बाद ही टकराकर गिर गया है, और उसमें जितने यात्री हैं, लगभग सभी का देहान्त हो गया है। उपाध्याय की पत्नी रोती-बिलखती घटनास्थल पर पहुँचती है, और लाश पहचानने का प्रयत्न होता है, पर उसे अपने पति का शव कहीं नहीं मिलता, और उसकी आँख खुल जाती है।

सारी रात उपाध्याय की पत्नी ने जागते बिताई। प्रात् होने पर उसने स्वप्न की घटना ज्यों-की-त्यों रमेश उपाध्याय को सुनाई। रमेश ने इसे अन्धविश्वास कहकर बात हँसी में उड़ा दी।

पत्नी की शादी नई-नई हुई थी। मुश्किल से आठ-नौ महीने हुए

होंगे। उसने रो-रोकर घर ऊँचा उठा लिया। अन्त में हारकर रमेश ने यात्रा एक सप्ताह के लिए स्वीकृति कर ली।

पर आश्चर्य कि उसी दिन वह बायुयान 'कैश' हो गया, और उसमें से एक भी सवार बच न सका। कितनी प्रसन्नता, आश्चर्य और आह्वान हुआ होगा उस उपाध्याय-इम्प्रिटि को!

इस प्रकार के भविष्यसूचक स्वप्नों के गम्भीर अध्ययन एवं परीक्षण के लिए "मार्टीय ज्योतिष अध्ययन अनुसन्धान केन्द्र" (सी/एफ १५ हाईकोट कॉलोनी, जोधपुर, राजस्थान) के धनतर्गत "सोसाइटी फॉर साइन्टीफिकल रिसर्च ऑफ ड्रीम्स" शाखा खोली गयी, जिसमें भविष्यसूचक स्वप्नों की जानकारी इकट्ठी करना, उनके तथ्यात्मक का पता लगाना, उनका वर्गीकरण एवं विश्लेषण करना, तथा उन्हें वैज्ञानिक कसौटी पर कसकर, सत्यासत्य का पता लगाना उद्देश्य रखा गया। इस शाखा के कार्यकर्ताओं ने काफी अच्छा कार्य किया। हजारों स्वप्नों का विवरण इकट्ठा किया। आज भी देश के प्रत्येक भाग से इससे सम्बन्धित पत्र आते हैं, जिनमें स्वप्न, स्वप्न-विवरण, स्वप्न आने की तारीख व समय व स्वप्नानुसार घटित घटना के समय आदि का विवरण रहता है।

इस प्रकार के प्राप्त विवरणों से कई रोचक तथ्य सौमने आये हैं। एक-दो उदाहरण द्रष्टव्य हैं—

बम्बई की एक प्राति। मैं एक सज्जन व्यक्ति के घर ढहरा था। वे घुड़दौड़, डर्भा, लॉटरी आदि के सहृत खिलाफ हैं और इसपर व्यय करना परले दर्जे की बेबूझी और किजूलखर्जी समझते हैं।

प्रातः लगभग सात बजे उठे। मैं सन्ध्योपासनादि से निवृत्त हुआ ही था कि मेरे पास आकर बोले—पंचित जी! आज मैंने स्वप्न में नोटों से लदे ऊंट देखे, जो मरण में छः थे, और सबके गले में उनकी गिनती के अंक-लगे तरते गटक रहे थे। ऊंटों के गले में लगे तस्तों पर कम इस प्रकार था; और उसने पहले ऊंट का नम्बर, किर दूसरे, इस प्रकार छहों ऊंटों पर लगे नम्बर सुना दिये

२८

मैंने कहा—हो सकता है, तुम्हारे माय में राजस्थान लॉटरी का कोई पुरस्कार हो, यह नम्बर यदि उपलब्ध हो तो खरीद लो।

वे बोले—मेरे माय में कहाँ? और दूसरे कार्य में लग गए।

आश्चर्य कि उसी दिन जो राजस्थान लॉटरी का ड्रॉ निकला, उसके प्रथम पुरस्कार के बही नम्बर थे, जो उन्होंने स्वप्न में देखे थे।

कुछ समय पूर्व बम्बई से ही आए एक सज्जन से आश्चर्यजनक स्वप्न-विवरण सुनते को मिला, उनके अनुसार—

एक विश्वात व्यक्ति एक दिन स्वप्न में टेलीविजन देख रहा था। उसने देखा कि एक नृत्य-कार्यक्रम बीच में रुक गया है, तथा घुड़दौड़ प्रारम्भ हो गई है। घुड़दौड़ में जीतनेवाले घोड़ों को भी वे स्पष्ट देख रहे थे।

दूसरे दिन उठते ही उन्होंने यह स्वप्न-समाचार अपनी पत्नी को सुनाया। यद्यपि पत्नी घुड़दौड़ में लच्चे की व्यर्थ समझती और यदा-कदा पति को मना ही करती, पर उस दिन उसने स्वयं आग्रह कर पति को रेस में भेजा, और उन्हीं नम्बरों के घोड़ों पर भारी रकम लगाने को कहा।

और आश्चर्य! महा आश्चर्य! उस दिन वे ही घोड़े जीते, और कई लाख की रकम उस सौभाग्यशाली व्यक्ति को मिली।

क्या ये स्वप्न भविष्यदर्शक नहीं? क्या इन स्वप्नों को मुठला सकते हैं? ये भविष्यसूचक स्वप्न कई बार व्यक्ति की जीवनघारा को बदल देने में समर्थ हुए हैं।

सिलाई मशीन का आविष्कर्ता कई दिनों से परेशान था। उसने मशीन का मॉडल ठीक बनाया था; काम भी ठीक करने की स्थिति में थी, पर सुई से जिस रूप में सिलाई होनी चाहिए थी वह नहीं हो पा रही थी। सुई का छेद कहाँ पर हो, जिससे दोहरी सिलाई थीज्ज एवं मजबूत हो। सोचते-सोचते वह थककर बहीं सो गया।

स्वप्न में उसने देखा कि एक खूब्खार व्यक्ति भाला लिये आता है, और जोरों से उसके सिर में छेद कर देता है एवं हड्डी में

२९

उसकी आंख खुल जाती है !

जगते ही उसके सामने मधीन होती है, और उसे विचार आता है कि सुई के सिर में लेद किया जाना चाहिए। उसने ऐसा ही किया, और वह आश्चर्यजनक रूप से अपने कार्य में सफल रहा।

गत भारत-पाक युद्ध के बाद की बात है। एक सैन्य अधिकारी मेरे घर पधारे बोले—पंडितजी ! क्या स्वप्न भी इस कदर सच होते हैं ?

मैंने पूछा—क्यों ? क्या कोई ऐसा स्वर्ज आपने देखा है, जो आपके लिए सहायक रहा ?

वह बोले—मैं इन्हीं दिनों का किस्सा सुनाता हूँ। मैं पश्चिमी सैन्यटर में एक महत्वपूर्ण स्थान पर तैनात था। युद्ध के बीच कुछ ही क्षणों की भूमिकी में मैंने देखा कि मेरे एक ओर पाकिस्तानी टुकड़ी धीरे-धीरे साक्षात्तानी से आगे बढ़ रही है, तथा वह हमारी जल-व्यवस्था एवं सप्लाई कार्ट डालने का उद्देश्य रखती है...

मेरी आंख खुल गई। उस दिशा की ओर दूसरी ओर से समर्क साधा तो ऐसी कोई बात नजर नहीं आई। फिर भी मैंने स्वप्न को परखने के लिए उस अंतर कायंवाही हेतु सचेत करने के साथ-साथ आक्रमणात्मक कायंवाही का आदेश दे दिया।

पंडित जी ! आप विश्वास नहीं करेंगे, जहाँ एक चिडिया का पूत होने का गुमान नहीं था, वहाँ तीन सौ से अधिक पाक सैनिक अन्तिम आक्रमण की तैयारी किये बठेथे, पर हमारे आक्रमणिक एवं अप्रत्याशित हमले से वे भीचके ही नहीं रह गये, सुध-बुध भी मुला बैठे, और इस प्रकार उस दो लाज के स्वप्न ने मेरों सम्मानित कठिनाइयों को आतानियों में बदल दिया।

लगभग सालमर पहल की बात है, एक इंजीनियर मिस्टर...मेरे पास आये, बदहवास-से, जेहरे का रंग उड़ा हुआ, परशान दुखी। आते ही बोले—पंडित जी ! मेरे लड़के का एक्सीडेंट हो गया क्या ?

उनका लड़का अमेरिका में पढ़ रहा था प्रश्नन्त मधाबी... योग्य...होनहार...

मैंने पूछा—क्या कोई दुःखद समाचार आया ?

वह लोले—नहीं पंडित जी, दोपहर को मैं भरकी ले रहा था, कि छोटा-सा स्वप्न आया। मैंने देखा कि एक कार-एक्सीडेंट में लड़के की मृत्यु हो गई है, वह कार में पिस-सा गया है।

कहकर वे फफक-फफककर रो पड़े।

मैंने पूछा—स्वप्न कब घटित हुआ ?

वह बोले—दो पैतालिस-सैतालीस के लगभग, सीधा उठकर यहीं आ रहा हूँ।

मैंने उन्हें बैंयं बैंधाया, और दृढ़ चित्त बनाये रखने की तसल्ली दी। पर...उसी दिन रात को नौ-दस के बीच टेलीफोन पर संदेश मिला कि दोपहर दो-पैतालीस पर उनके लड़के की मृत्यु कार-एक्सीडेंट में हो गई। टेलीफोन किसी मिज ने भेजा था।

वे अमेरिका गये, पर फिर क्या हो सकता था ?

पर उस स्वप्न को याद कर आज भी मेरे रोगटे खड़े हो जाते हैं, हृदय भर आता है।

लगभग दो-दोई बरस पहले की बात है, मेरी पूज्य माता जी ने प्रातः छः बजे के करीब मुझे आकर कहा—'नन्हा' बीमार है, मुझे आज ही गाड़ी से भेज दो।

मैं हतप्रभ ! मैंने कहा—ऐसा तो कोई पत्र नहीं, समाचार नहीं...

उन्होंने कहा—कुछ ऐसा ही स्वप्न आया है कि 'नन्हा' (मेरा छोटा भाई) बीमार है, मैं उसके सिरहाने बैठी हूँ।

मैंने अपने पुत्र के साथ माँ को भेज दिया और आश्चर्य इस बात का कि सचमुच नन्हा काफी बीमार था, और माँ के आने की प्रतीक्षा कर रहा था।

ये घटनाएँ और ऐसी कई घटनाएँ मेरे जीवन में घटित हुईं। उन व्यक्तियों के सम्बन्ध में आया है जिनके जीवन में घटित हुई थीं, और वे उच्चपदस्थ प्रतिष्ठित सज्जन हैं। उन्होंने स्वप्न को ठीक-ठीक सही पाया है। तब ऐसा नहीं कहा जा सकता कि स्वप्न मात्रभ्रम

है, या स्वप्न व्यर्थ है।

अमेरिका के भूतपूर्व राष्ट्रपति कैनेडी को अपने साथ होनेवाली हुंडीना का आभास स्वप्न द्वारा एक दिन पूर्व ही हो गया था, और उन्होंने अपने मित्रों को स्वप्न के बारे में बताया भी था, जिसके आधार पर उनके मित्रों तथा उनकी पत्नी ने यात्रा स्थगित करने का बार-बार अनुरोध किया था, पर हीनी को कोन ठाल सकता है! वे टेक्नास की यात्रा पर गये, और गोली लग जाने के फलस्वरूप इहलीला समाप्त कर देनी पड़ी।

कहते हैं, गांधी जी को भी अपनी मृत्यु का पूर्वाभास हो गया था।

भविष्यसूचक स्वप्न कभी तो अत्यन्त स्पष्ट होते हैं, पर कभी-कभी ये मूँह एवं रहस्यपूर्ण भी, जिन्हें मुलझाकर समझना आसान बात नहीं।

एक प्रसिद्ध एवं प्रतिष्ठित राजधानी की राजमाता ने अनुरोधपूर्वक मुझे बुलाया, और थोंदे दिन पूर्व आये स्वप्न का विवरण दिया। उन्होंने बताया कि स्वप्न में मैंने देखा कि मैं कार में चीढ़ गति से जा रही हूँ। कार में स्वयं 'ड्राइव' कर रही थी। मैंने देखा कि कुछ लोग एक मुर्दे के ताबूत को ला रहे हैं, जिस पर मुर्दा लेटा है। मैं कार को एक किनारे सड़ी कर, कार के बाहर निकल आई। मुर्दा मेरे पास से जब निकला, तो मुझे देखकर मुस्कराया। इसी प्रकार इक्कीस ताबूत निकल, सभी पर मुर्दे लेटे थे। सभी मेरे पास से गुजरते समय मुस्करा रहे थे।

मैं विनय से स्वाडी रही। जब सभी ताबूत निकल गये तो मैं कार में बैठ आगे चल दी। कुछ ही लांपों बाद मैं गन्तव्य स्थान पर पहुँच गई। उमी समय आँख भी खुल गई।

जब से मैंने स्वप्न देखा है, तभी से परेशान हूँ कि इस स्वप्न का क्या तात्पर्य है? क्या अर्थ है?

स्वप्न-विज्ञान के अनुसार घर से बाहर मुर्दे को देखना, 'शुभ

भविष्य' का सकेतक है, तथा 'मुर्दे का मुस्कराना' विजय का चिह्न माना जाता है।

मैंने पूछा—क्या आप कोई मुकदमा लड़ रही हैं?

उत्तर मिला—नहीं।

पूछा—क्या निकट समय में होने वाले चुनावों में भाग लेने की इच्छा है?

उत्तर मिला—अभी पक्का नहीं।

मैंने कहा—स्वप्न का फलित यही कह रहा है कि निकट-भविष्य में आप चुनाव लड़ेंगी, तथा अत्यन्त तीव्रगति से विरोधियों को परास्त करती हुई इक्कीस सौ या इक्कीस हजार से विजयी होकर लक्ष्य तक पहुँच सकेंगी।

दो महीने बाद हुए चुनाव में ही यह बात ज्यों-त्यों सत्य सिद्ध हुई।

स्वप्न को समझना और उसके मूल में जाकर सही व्याख्या प्रस्तुत करना अत्यन्त दुष्कर कार्य है। स्वप्न की व्याख्या करते समय व्यक्ति की मनःस्थिति, परिवारिक आधार आदि का भी विचार कर लेना आवश्यक होता है।

एक प्रश्न और उठता है कि क्या हम किसी कार्य की शुभाशुभता का ज्ञान स्वप्न द्वारा कर सकते हैं? या यों कहा जाये कि जब चाहें तब स्वप्न से कुछ भविष्य ज्ञात किया जा सकता है?

इसके लिये प्राचीन ग्रन्थों में बहुमूल्य विधान है।

सर्वप्रथम जब कोई ऐसी समस्या सामने आ जाये कि अमुक कार्य कर्हे या न कर्हे, अथवा अमुक कार्य का अन्तिम फल क्या होगा? इसकी जानकारी के लिये उस प्रश्न को एक सफेद स्वच्छ काशज पर साफ-साफ अक्षरों में लिख लें, फिर शाम को पवित्र जल से स्नान कर, शुद्ध वस्त्र पहनकर पूजा-स्थान या घर में किसी शुद्ध स्थान पर ऊन का या कुश का आसन बिछाकर बैठ जायें, तथा 'स्वप्नेश्वरी देवी' का ध्यान करें। सामने प्रामाणिक 'स्वप्नेश्वरी देवी'

का चित्र हो ।

ध्यान के पश्चात् निम्न मन्त्र का जप कर—

स्वप्नेश्वरी नमस्तुभ्यं फलाय वरदाय च ।

मम सिद्धिमसिद्धि वा स्वप्ने सर्वं प्रदर्शयः ॥

जप करते-करते जब सोने का जी चाहे अथवा आँखें भारी हो जायें, तब प्रश्न-लिखा कागज सिर के नीचे रखकर सो जायें। निश्चय ही उस प्रश्न का सही, प्रामाणिक एवं अचूक उत्तर स्वप्न में जात होगा ।

मैंने, और मेरे बताने पर कई व्यक्तियों ने इसका परीक्षण किया है, और उनके कथनानुसार स्वप्न में जो भविष्यकल जात हुआ है, वह अक्षरतः सत्य सिद्ध हुआ है ।

स्वप्न-अवधि

रात्रि के पहले पहर में यदि स्वप्न दिखाई दे, तो उसका फल एक वर्ष पश्चात्, दूसरे प्रहर में देखे स्वप्न का फल छः महीनों बाद, तीसरे प्रहर में दृष्ट स्वप्न का फल तीन मास में तथा अन्तिम प्रहर में देखे स्वप्न का फल एक मास के भीतर भीतर मिलता है ।

सूर्योदय से कुछ पूर्व देखे स्वप्न का फल तत्काल समझना चाहिए । सूर्योदय के बाद देखे स्वप्न का फल दस दिनों के भीतर मिलता है ।

यशस्पि आगे के पृष्ठों में मैं प्रत्येक वस्तु के बारे में शुभा-शुभता का परिचय देंगा, पर यहाँ कुछ शुभ एवं शुभ स्वप्नों को स्पष्ट कर रहा हूँ—

शुभ स्वप्न

गाय, हाथी, रुई, सफेद वस्तुएँ, सफेद पुष्प, राजा, राज-परिवार का कोई सदस्य, शाहूण, ज्योतिषी, सुहागिन स्त्री, गुरु, पुष्प लिये हुए व्यक्ति, चाँदी के बर्तन, दही, चावल, दूसरों को मिठान खिलाना, फल, द्वेष वस्त्र, छवजा, छवजायुक्त रथ,

कमल, विवाह, स्त्री से प्रेम व्यक्त करना, घनप्राप्ति, समृद्ध-स्नान, तैरना, शिव मन्दिर, देवमूर्ति, मुर्दा, बालक-बालिकाएँ, बैल, ऊँचा मन्दिर, राज्यसिंहासन, चन्द्र-दर्शन, तारे चमकना, दुष्ट को दण्ड देना, शब्दुदमन, खङ्ग प्राप्त होना, सर्प, परी, अप्सरा या गन्धर्व दिखना, संगीत-मण्डली, फलद्वार वृक्ष, शब्दं पीना या पिलाना, तोरण, तीर्थयात्रा, गंगा-स्नान, धार्मिक स्थानों पर जाना, बन्धन-मुक्ति, शरीर का बड़ना, सिर पर छाता रखना, शेर, दुर्घटन ब्रत, पहाड़ को उढ़ते हुए देखना, पहाड़ पर चढ़ना, रोना, रोते हुए व्यक्ति को देखना, कुटुम्बी की मृत्यु, विशाल भीड़, भीड़ में भाषण देना, सवारी चढ़ना, अश्वारोहण, किला फतह करना, पुस्तक, ग्रन्थ-रचना, महात्मा के दर्शन आदि शुभ स्वप्न कहे जाते हैं ।

अशुभ स्वप्न

जलती हुई चिता, राक्षस, दुष्ट व्यक्ति का मिलना, तिरस्कृत या अपमानित होना, राख, सूखा पेड़, काँ पेड़, बीयाबान जंगल, फौसी लगना, घबराना, पसीने-पसीने होना, धी लेना, मीठी चीज खाना, बन्दर, जंगली जानवर पर चढ़ना, भैस या भैसा, शरीर पर कीचड़ लगना, एकसीडेंट, केश गिरना, बाँत टूटना, खाली बर्तन लेकर भटकना, लाल वस्त्र या काले वस्त्र पहनना, परदेश गए पुरुष या स्त्री की मृत्यु की सूचना, गुड़ खाना, मलिन वस्त्र धारण कर भटकना, सौंपों से श्रीड़ा, सौंप का पेट में चुसना, हवा में उड़ना, आँधी आना, प्रलय, बाड़ में बहना, दक्षिण दिशा की यात्रा, जलाशय सूखना, दलदल में फँसना, किसी स्त्री या पुरुष से जबरदस्ती लिपटना, चोरी करना या घर में चोरी होना, ग्रहण, उल्लू-दर्शन, भूत-प्रेत व पिशाचों से साक्षात्कार, शिखर गिरना, पहाड़ टूटना, कोलाहल आदि अशुभ स्वप्न कहे जा सकते हैं ।

अशुभ स्वप्न-परिहार

- (१) अशुभ स्वप्न आने पर व्यक्ति को चाहिए कि वह जगने पर पुनः सो जाय, और एक बार पुनः नींद ले ले।
- (२) सूर्योदय में जगने पर भी यदि दुःस्वप्न स्मरण हो तो पुनः सोने और नींद लेने में कोई आपत्ति नहीं है।
- (३) अशुभ स्वप्न को ज्यादा-से-ज्यादा लोगों को, परिचितों एवं मित्रों को सुनाना चाहिए।
- (४) किसी योग्य ब्राह्मण, गुरु या परिवार के बृद्ध को दुःस्वप्न सुनाकर शुभाशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए।
- (५) दुःस्वप्न देख लेने पर प्रातः शुद्ध जल से स्नान कर स्वस्ति-वाचन अथवा महामृत्युजय जप कराना चाहिए।
- (६) नायों को घास, पक्षियों को दाना अपने हाथों से डालना चाहिए।
- (७) रामायण या महाभारत का अवण करना चाहिए।
- (८) प्रातः उठकर धूतिल से १०८ आहुतियाँ गायत्री मन्त्र से देनी चाहिए।
- (९) घर में मंगल वाद्य, मंगलध्वनि या प्रभुकीर्तन करना या कराना चाहिए।

विशेष

कोई भी अशुभ स्वप्न आने पर तुरन्त क्या-क्या कार्य करने से उसकी अशुद्धता धूमिल अथवा नष्ट हो जाती है, इसका संक्षेप में वर्णन किया है; पर इसके साथ यदि शुभ स्वप्न आ जाय, और शुभ-स्वप्न देखने के बाद तुरन्त आख खुल जाय, तो उस व्यक्ति को चाहिए कि वह पुनः शयन न करे, अपितु शेष रात्रि जागकर व्यतीत कर देनी चाहिए। इस सम्बन्ध में एक रोचक, पर कसीटी पर पूर्ण खरा उत्तरा एक अनुभव है, जो पाठकों की त्रिज्ञासा-तृप्ति हेतु यहाँ देने का लोग संवरण नहीं कर सकता।

राजस्थान के एक सामान्य व्यक्ति विना व्यापार-व्यवसाय के

दुखी थे। घर में पूंजी नहीं थी। परिवार का सहारा नहीं था। हाँ, सौमाय से पत्नी उन्हें भली, सच्चरित्र एवं विदुषी मिली थी।

एक रात उन्होंने स्वप्न देखा कि वे उत्तर दिशा की ओर व्यवसाय हेतु जा रहे हैं। मार्ग में थककर विश्राम हेतु एक पेड़ के नीचे सोये तो नींद-सी आ गई। उसी समय एक सर्प आया, और अपने सिर पर लादकर बहुमूल्य रत्नों के सन्दूक उन्हें देता रहा। उनके चारों तरफ रूपये, रत्न, हीरे-जवाहरात का ढेर लग गया। जब उनकी आँख खुली तो उन्होंने देखा कि सर्पराज उनके सिर पर फैल ताने छाया कर रहा है।

वे नींद से जागकर उठ बैठे, और पास सोई पत्नी को सारा स्वप्न सुना दिया। पत्नी समझ गई कि यह स्वप्न भावयोदयकारक है, फलस्वरूप पति को जबरदस्ती बिछाने से उठाकर स्नान करवाया, और सारी रात प्रभु के आगे पूजन-सेवा करते रहे।

दूसरे दिन वे सज्जन उत्तर की ओर व्यवसाय हेतु रवाना हो गये। आज उनके पुत्र-पीत्र भारत के प्रमुख व्यवसायियों में से हैं, तथा उनकी कीर्ति भारत से बाहर भी सर्वत्र व्याप्त है।

यह घटना उसी घराने के एक अत्यन्त जिम्मेदार व्यक्ति ने मुझे सुनाई थी, जिसकी सत्यासत्यता पर रत्ती मात्र भी सन्देह नहीं किया जा सकता।

जैसा कि मैं ऊपर कह चुका हूँ, स्वप्न को मात्र भ्रम या कपोल-कल्पित कहकर टाला नहीं जा सकता। केन्द्र से सम्बन्धित “सोसाइटी फॉर साइण्टीफिकल रिसर्चस ऑफ ड्रीम्स” के अन्तर्गत प्राप्त जब स्वप्नों के परीक्षण किये, तथा स्वप्नों के रहस्य की गुत्थियाँ सुलझाईं, तो यह देखकर आश्चर्यचकित रह जाना पड़ा कि यह केवल ‘मन की छाया’ या गत दिन के कायों का प्रतिविम्ब ही नहीं है, अपितु इसके पीछे एक निश्चित वैज्ञानिक आधार है।

भारतीय दर्शन इस बारे में बिल्कुल स्पष्ट है कि भ्रूल, बर्तमान और भविष्य का सूक्ष्म आकार हर समय वायुमण्डल में व्याप्त रहता

है। जिस व्यक्ति की साधना इतनी उच्च होती है कि वह जाग्रता-वस्था में भी इस सूक्ष्माकार से सम्पर्क स्थापित कर ले, वह भविष्य-द्रष्टा अथवा योगी कहलाता है और भूत, बतंभान, भविष्य को जान सकता है। अन्यथा जब व्यक्ति निद्रावस्था में होता है, तब उसका व्यक्तित्व स्वयं सूक्ष्माकार में होकर उन आकारों से सम्पर्क स्थापित करता है। यही सम्पर्क स्वप्न का माध्यम है अथवा स्वप्न आने का आधार है।

फलस्वरूप जब हम केत्र चा सूक्ष्माकार, भविष्य के सूक्ष्माकार से सम्पर्क स्थापित करता है तो उसका भविष्य स्वप्न के माध्यम से स्पष्ट हो जाता है।

इस सम्बन्ध में पाइवाट्य देशों में भी काफी खोज हुई है, तथा मात्र स्वप्न-भविष्य एवं स्वप्न-रहस्य को समझने के लिए कई संस्थाएँ खड़ी हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस आदि देशों में इस प्रकार के व्यापक परीक्षण हुए हैं। स्वप्न-सिद्धान्त के प्रमुख अधिकारी विद्वान् जिम-रिचर्ड से मिलने और घटों इसके बारे में विचार-विमर्श करने का अवसर मुझे मिला है। उनके अनुसार बायुमण्डल में कोई 'ऐस्ट्रा सेन्सुअरी परसेप्सन' (१० एस० पी०) नामक शक्ति है, जो मनुष्य के भीतर गुरुत मार्ग से प्रवेश करती है, एवं उसे भविष्य का बोध करा देती है।

उनके कहने का तात्पर्य यह है कि मानव की पांच ज्ञानेन्द्रियों के अतिरिक्त भी कोई एक ऐसा मार्ग है, जिससे यह शक्ति शरीर में प्रवेश करती है, तथा मस्तिष्क से टकराती है। यह शक्ति मूल रूप से भविष्यसूचक है, अतः भविष्य-सम्बन्धी घटनाएँ स्वप्नों के माध्यम से आसानी से ज्ञात हो जाती हैं।

न्यूयॉर्क की प्रसिद्ध 'स्वप्न प्रयोगशाला' में एक परीक्षण किया गया। एक व्यक्ति को अन्य किसी कमरे में मूला दिया गया, तथा उसके मस्तिष्क पर (सिर पर) 'इलेक्ट्रो एन्सैफालोग्राफ' लगा दिया गया। इस यन्त्र से यह ज्ञात हो जाता है कि क्या व्यक्ति गहरी नींद

में है और स्वप्न देख रहा है?

जब 'इलेक्ट्रो एन्सैफालोग्राफ' से पता चला कि व्यक्ति स्वप्न-लोक में विचरण कर रहा है, तो किसी-दूसरे व्यक्ति की एक विशेष कहानी या घटना 'मस्तिष्क तंरगों' के माध्यम से उस व्यक्ति के मस्तिष्क में उतारी गई, और उसे तुरन्त जगा दिया गया। जगने पर उस व्यक्ति ने वही घटना (जो उसके लिए संवेद्य अपरिचित थी) जो स्वप्न में देखी थी, ठीक-ठीक सुना दी।

इससे यह स्पष्ट हो गया कि स्वप्नों के पीछे निश्चित आधार है, तथा बायुमण्डल में व्याप्त अणुओं के संघर्षण से स्वप्नों का प्रादुर्भाव होता है।

भविष्यसूचक स्वप्नों के बारे में रूस की प्रसिद्ध संस्था 'कर्ट' ने "काफी सफल प्रयोग किये हैं तथा यह सिद्ध कर दिया है कि किसी-किसी मनुष्य के मस्तिष्क की बनावट ही ऐसी होती है कि वह भविष्य-सूचक अणुओं से तुरन्त स्पन्दित हो जाता है, और स्वप्न में देखकर जो घटनाएँ बताता है, वे पूर्णतः सत्य सिद्ध होती हैं।

इस प्रकार के व्यक्तियों में पश्चिम जर्मनी की सुप्रसिद्ध अभिनेत्री 'किस्टाइन माइलस' का नाम काफी विस्त्रित है। उसने स्वप्नों में देखकर जितनी भी घटनाएँ बताई हैं, वे भविष्य में पूर्णतः सही उतारी हैं। उसने इस प्रकार के लगभग १२०० स्वप्न देखे, जो किसी-न-किसी व्यक्ति के भविष्य से सम्बन्धित थे, और कालान्तर में वे घटनाएँ ज्यों-की-त्यों सही उतारी।

भविष्य को देखने या समझने के लिए 'टेलीपैथी' का प्रयोग किया जाता है। 'टेलीपैथी' का सीधा-सादा रहस्य ही यह है कि छठी ज्ञानेन्द्रिय पर विजय प्राप्त कर ली जाय। इस छोटी-सी पुस्तक में 'टेलीपैथी' पर विस्तार से लिखना सम्भव नहीं। समय मिला तो मैं अवश्य पाठकों के हितार्थ इस विषय पर स्वतन्त्र रूप से पुस्तक लिखूँगा।

छठी ज्ञानेन्द्रिय को जाग्रत करना अथवा विकसित करना

कोई कठिन कार्य नहीं; आवश्यकता है मन को एकाग्र करने की शक्ति, तथा इन सूक्ष्म तरंगों को पहचानने एवं ग्रहण करने की की साधना को। जब इस स्तर तक व्यक्ति पहुँच जाता है, तब भविष्य-दर्शन उसके लिए कोई अजूबा नहीं रहता।

पीछे के पृष्ठों में शास्त्रीय तथा विज्ञान की दृष्टि से स्वप्नों का विवेचन किया गया है। अब आगे के पृष्ठों में अकारादि क्रम से मैं तालिका, तथा स्वप्न में दिखाई देने पर उसके अद्भुत फल के बारे में विवेचन कर रहा हूँ।

अंक

यदि स्वप्न में अंक दिखाई दें, तो ये शुभ एवं विजय का प्रतीक हैं। यदि अंकों से बनी कोई संख्या दिखाई दे, तो वह किसी ऐसे, लॉटरी या ऐसा ही कोई भाग्यविद्यायक प्रतीक हो सकती है।

अंकुश

हाथी पर महावत द्वारा अंकुश लगाते हुए, या यों ही अंकुश दिखाई दे, तो यह जीवन की शिथिलता का प्रतीक है। हमें चाहिए कि हम स्वयं को टटोले, तथा अपने-प्राप पर नियन्त्रण रखने का प्रयत्न करें।

अंग

यदि स्वप्न में शरीर का कोई अंग अतिरिक्त जुड़ता हुआ दिखे तो यह रोग का संकेत है, तथा निकट भविष्य में ही रोग-ग्रस्त होना पड़ेगा, ऐसा संकेत है। यदि शरीर का कोई अंग कटकर अलग होता दिखाई दे तो घर में कोई नया प्राणी आएगा, या पुत्र-जन्म होगा, ऐसा विचारना चाहिए।

अँगन

स्वप्न में यदि अपने घर का अँगन दिखे, तो यह अशुभ-सूचक है, पर यदि दूसरे घर का अँगन दृष्टिगोचर हो तो शुभ समझना चाहिए।

अंगभंग

स्वयं का अंगभंग होता दिखाई देना इस बात का प्रतीक है कि शीघ्र ही अनुकूल एवं शुभ समाचार प्राप्त होगे, तथा इन दिनों जो विचार या योजना मस्तिष्क में है, वह पूर्ण होगी।

पर यदि किसी अन्य व्यक्ति या परिवार का अंगभंग होता नजर आवे, तो यह एक्सीडेंट अथवा दुर्घटना का सूचक है।

अंगराग

यदि शरीर पर वेशकीमती वस्त्र, गहने, फूल-मालाएं आदि दिखाई दें, तो स्वयं की मृत्यु या परिवार के किसी निकटस्थ सदस्य की मृत्यु समझनी चाहिए।

अंगीठी

कोयलों से दहकती अंगीठी कीति एवं शुभता का प्रतीक है, तथा शीघ्र ही उन्नति होगी ऐसा समझना चाहिए।

अंगूठी

यदि स्वप्न में अंगूठी दिखाई दे, तो शीघ्र ही सगाई या शादी होगी, ऐसा समझना चाहिए।

अंजन

काजल, सुरमा या इसी प्रकार का कोई धौल का अंजन देखता या लगाता हुआ दिखाई दे, तो उसे दो महीने के भीतर-भीतर आकस्मिक धन प्राप्त होगा, या विशेष लाभ होगा, ऐसा विचार करना चाहिए।

अन्त्येष्टि

यदि स्वप्न में प्रपने को मुर्दा देखे तथा इमशान में अन्त्येष्टि देखे तो विशेष शुभ समझना चाहिए, तथा शीघ्र ही मनो-वाचित कार्य-सिद्धि होगी, या मुकद्दमा-चुनाव आदि में पूर्ण विजय प्राप्त होगी।

अंधकूप

स्वप्न में अग्ना कुआँ, या ऐसा कुआँ जिसमें पानी न हो,

या अंधेरे से ग्रस्त उपेक्षित निर्जल कुप्राई दिखाई दे तो आर्थिक शाटा, पराजय अथवा घोर परेशानी आयेगी, यह समझना चाहिए।

अन्धा

स्वप्न में यदि अंधा व्यक्ति या पुरुष आता दिखाई दे तो कष्टप्रद स्थिति का विचार करना चाहिए, पर यदि स्वयं को अन्धा महसूस किया जाये तो विशेष शुभ होता है।

अकाल

यदि स्वप्न में अकाल या अकाल-जैसी स्थिति दिखाई दे तो इसके दो तात्पर्य होंगे—प्रथमतः उस क्षेत्र में निकट समय में ही अकाल पड़ेगा; दूसरे, स्वप्न देखनेवाले को आर्थिक न्यूनता का सामना करना पड़ेगा।

अग्नि

स्वप्न में चारों तरफ आग लगी हुई दिखाई दे, तो यह अशुभ है, घर में कोई बीमार पड़ेगा, या मृत्युदायक कष्ट भोगता पड़ेगा।

पर यदि स्वयं का घर जलता हुआ दिखाई दे तो घर में रोग-वृद्धि अथवा ऋण-वृद्धि होगी, यह निश्चित समझना चाहिए।

अग्निशाला

घर में अग्निशाला, या भोजन पकता हुआ दिखाई दे, तो यह ऋण-मुक्ति एवं रोग-मुक्ति का सूचक है।

अग्रज

यदि स्वप्न में बड़ा भाई दिखाई दे, तो मविष्य में स्थिर चित्तवृत्ति का प्रतीक है। जिस कार्य की वजह से इन दिनों चिन्तित रहना पड़ रहा है, उसका समाधान शीघ्र ही निकल आयेगा, ऐसा विचार करना चाहिए।

आचरण

यदि स्वप्न में कोई आश्चर्यजनक घटना या वस्तु या व्यक्ति दृष्टिगोचर हो, तो यह चित्त की डौबाडोल प्रवृत्ति का सूचक है। मन में जो विचार इन दिनों उदय दुए हैं, वे पूर्ण नहीं होंगे, ऐसा समझना चाहिए।

अट्टालिका

यदि स्वप्न में एक से अधिक मंजिल का मकान, हवेली, या अट्टालिका दिखाई दे, तो यह शुभ एवं उन्नति का सूचक है। शीघ्र ही प्रोमोशन अथवा घन-लाम होगा, यह स्पष्ट समझना चाहिए।

अणुबम

स्वप्न में अणुबम बनाते या उसका विस्फोट करते दिखाई दे तो ऐसा स्वप्न शत्रुहन्ता कहा जाता है, तथा शत्रुओं पर विजय होगी, यह निश्चित समझना चाहिए।

अतिथि

स्वप्न में यदि अतिथि दिखाई दे, तो घर आवे तथा उसे स्वादिष्ट भोजन कराके विदा करें तो घर में आकस्मिक विपर्ति की सूचना समझनी चाहिए।

आदालत

यदि स्वप्न में आदालत का दृश्य दिखाई दे तो मुकद्दमे में विजय अथवा शत्रु पर विजय होगी, यह समझना चाहिए।

अधिकारी

अधिकारी, कलेक्टर, यानेदार या ऐसा ही कोई उच्च अधिकारी स्वप्न में दिखाई दे, तो यह समझना चाहिए कि शीघ्र ही कुछ-न-कुछ अघटित घटित होगा, और जो कुछ भी घटित होगा, वह आकस्मिक रूप से, अप्रत्याशित।

अध्यापक

स्वप्न में यदि अध्यापक दिखाई दे, तो घर में मांगलिक

कार्य सम्पन्न होगा, या किसी दूरस्थ रितेदार से सम्बन्धित
शुभ समाचार प्राप्त होंगे, ऐसा समझना चाहिए।

अनाथालय

यदि स्वप्न में अनाथालय दिखाई दे, तो नौकरीपेशा होने
पर स्थानान्तरण होगा, और यदि व्यापारी-व्यवसायी है तो
आर्थिक हानि होगी, घाटा होगा, या किसी के द्वारा घोषा
मिलेगा।

अन

अन के छेर, या हरी-मरी कृषि के फार्म दिखाई दें तो
शीघ्र ही शुभ समाचार प्राप्त होंगे, यह ग्रवश्यम्भावी है।

अपमान

स्वप्न में यदि किसी के द्वारा अपमान हो जाय, या वह
मरे बाजार में गली दे, अथवा घ्यपड़ मार दे, या बुरा-मला
कह दे, तथा आप अपने को अपमानित अनुभव करें तो यह
स्पष्ट है कि मुकद्दमे में (यदि कोई हो तो) आपकी विजय
होगी, और पुरानी चिन्ता मिट जायगी।

अपराधी

यदि स्वप्न में जेल में खड़े कैदी अथवा अपराधी दिखें,
अथवा अपराधी द्वारा वार्तालाप हो तो अनिष्ट आने की
सम्भावना समझी जानी चाहिए। इन्कमटैक्स का छापा आदि
भी हो सकता है।

अभिनन्दन

स्वप्न में अभिनन्दन होना अशुभ का प्रतीक है। मुकद्दमे
में हार जाना, युद्ध में परास्त होना, चुनाव में असफल रहना
आदि इससे सम्बन्धित है।

सन् १९७२ की घटना है, मैं एक एम० एल० ए० के घर
पर ठहरा हुआ था। एक दिन का प्रवास था। ऐ चुनाव में व्यस्त
थे, और जीतने की शत-प्रतिशत उम्मीद लेकर प्रयत्न कर

रहे थे।

प्रातः उठते ही अपने हाथों से चाय लेकर मेरे कमरे में
उपस्थित हुए, बोले—पंडित जी ! शुभ सन्देश दूँ। प्राज्ञ प्रातः ही
मुझे स्वप्न आया है कि मैं जीत गया हूँ, चारों ओर जय-जय-
कार हो रहा है, और नगरपालिका मेरा अभिनन्दन कर रही
है... प्रातः का स्वप्न तो सच होता है न ?

वे चहक रहे थे, आङ्गादित थे।

वे स्वप्न को शुभ समझ रहे थे, मैं स्वप्न के फलिताथों
पर विचार कर रहा था। सप्ताह-मर में चुनाव-परिणाम भी
निकलनेवाला था।

यह कह देता कि स्वप्न अनुकूल नहीं है तो उनका हृदय टूट
जाता, उत्साह मारा जाता, और यदि बास्तविकता नहीं बताता
तो मैं अपने कर्तव्य से ज्युत होता। अजीब दुविधा में पड़ गया।
फिर मैं कर्तव्य ने भावनाओं पर विजय पाई। मैंने चुनाव में
असफल होने की बात कागज पर जल्दी-जल्दी लिख लिफाके में
बंद करके उन्हें दे दी और कह दिया, चुनाव-परिणाम निकलने
से पहले खोलें नहीं, प्रयत्न करते रहें।

परिणाम निकला, उनकी जमानत जब्त हो गई, हार्ट
ट्रैक ऐसा हुआ कि लगभग महीना-मर अस्पताल में रहे।

अभियेक

इसका फल भी 'अभिनन्दन' की ही तरह समझना चाहिए।

अवतार

यदि स्वप्न में ईश्वर का अवतार होता दिखाई दे, या
जगीन में से शिवलिंग प्रकट होता दृष्टिगोचर हो तो यह घन-
प्राप्ति का संकेत है, शीघ्र ही श्रेष्ठ लाभ होगा।

अश्वारोही

स्वप्न में यदि घुडसवार दृष्टिगोचर हो, तो शीघ्र ही शुभ
कार्य के लिए यात्रा करनी पड़ेगी या व्यापार-व्यवसाय हेतु

विदेश जाना होगा, तथा मनोरथ-सिद्धि होगी ।

अभिसारिका

यदि स्वप्न में रात्रि को निर्जन पथ पर ग्रिय-मिलन को उत्कंठित कोई सुन्दरी जाती, दिखाई दे तो स्वप्नद्रष्टा की मनोबांधित इच्छा पूर्ण होगी, उसका प्रणय-सम्बन्ध दृढ़ होगा, या किसी से प्रेम होगा ।

अष्टभुजा

यदि स्वप्न में अष्टभुजा देवी या दुर्गा के दर्शन हों तो शुभ संकेत है, तथा शीघ्र ही घर में मांगलिक कृत्य सम्पन्न होगा, ऐसा समझना चाहिए ।

अस्त्र-शस्त्र

यदि स्वप्न में अस्त्र-शस्त्र का ढेर दिखाई दे, या एकाघ शस्त्र दिखाई दे तो समझना चाहिए कि इतने दिनों से जो विषय तिरपर मेंडरा रही थी, या आप जिस परेशानी से ग्रस्त थे वह शीघ्र ही दूर होगी, और आप चैन की साँस ले सकेंगे ।

आकाशगती

यदि व्यक्ति स्वयं आकाश में उड़े, तथा मकानों की छतों से ऊपर होता हुआ आगे-ही-आगे उड़ता चला जाय, तो यह उसकी लालसा, इच्छा और आकोकाशग्रों का प्रतीक है, व्यक्ति के हृदय में संकड़ों इच्छाएँ हैं, जो पूर्ण होती दृष्टिगोचर नहीं होतीं ।

आशीर्वचन

यदि स्वप्न में कोई साधु, ब्राह्मण या तपस्वी आशीर्वाद दे, या आशीर्वचन कहे तो यह शुभ एवं कल्याणकारी संकेत है ।

आश्रम

यदि कोई साधु या संन्यासी का आश्रम स्वप्न में दिखाई दे, तो यह जीवन में स्थिरता का संकेत है ।

इन्द्रधनुष

यदि स्वप्न में ऊदी घटाएँ घिरी हुई हों तथा बीच में सुनहरा इन्द्रधनुष दिखाई दे तो यह जीवन में प्रसन्नता, आळ्हाद एवं पुलकता का प्रतीक है ।

उच्च न्यायालय

स्वप्न में उच्च न्यायालय या न्यायाधीश दिखाई दे, तो निश्चय ही मुकद्दमे में विजय होगी, तथा कार्यसिद्धि होगी इसमें सन्देह नहीं ।

उत्तीर्ण

यदि स्वप्न में किसी परीक्षा में उत्तीर्ण होने का समाचार मिले तो निकट मविष्य में मनोरथ-सिद्धि समझनी चाहिए ।

ऊँट

स्वप्न में ऊँट का दिखाई देना अशुभ, अपवाहत या एक्सीडेंट का सूचक है ।

ऋषि

यदि स्वप्न में ऋषि, महात्मा या साधु दिखाई दे, तो यह शुभ है, शीघ्र ही हर्षवर्धक समाचार प्राप्त होगे, ऐसा समझना चाहिए ।

कंगन

स्वप्न में कंगन, या चूड़ीघर ग्रथवा कंगन-स्टोर का दिखाई देना अशुभता = सूचक है ।

कंगाल

स्वप्न में कंगाल या मिलमंगा नजर आवे और वह स्वप्न-द्रष्टा से याचना करता दिखाई दे तो शीघ्र ही कोई अनिष्ट आयगा या घर में बीमारी होगी, ऐसा समझना चाहिए ।

कंजूस

कंजूस दिखाई देने का फल भी 'कंगाल'-वर्त ही समझना चाहिए ।

कथा

यदि स्वप्न में कथा-श्रवण हो, या मन्दिर में कीर्तन सुने, अथवा पंडितजी द्वारा रामायण, भागवत-कथा-श्रवण हो तो यह घर में शुभदायक, सुखवर्धक एवं मंगलमय कार्यों का प्रतीक है।

कदम्ब

स्वप्न में हरा-मरा कदम्ब का पेड़ दिखाई दे तो शीघ्र ही घर में नववधू आएगी, या पुत्र-पौत्र का जन्म होगा, ऐसा समझना चाहिए।

कन्याप्रहृण

यदि स्वप्न में विवाह हो या कन्यादान हो अथवा कन्याप्रहृण हो या मंगलमय गीत-बाल सुनाई दे तो अशुभ है, एवं घर में किसी सदस्य की दुःखद मृत्यु होगी, ऐसा समझना चाहिए।

कपि

यदि बन्दर या बन्दरों का भुग्छ स्वप्न में दिखाई दे, तो यह इच्छित कार्य की पूर्ति का संकेत है; शीघ्र ही मनोरथ-सिद्ध होगी।

कपोत

कपोत या कबूतरों का जोड़ा उड़ता हुआ दिखाई देना नीरो-पिता का चिह्न है; यदि आप या आपके परिवार का कोई सदस्य रोगप्रस्त है तो शीघ्र ही वह रोगमुक्त होगा, इसमें सन्देह नहीं।

कब्रिस्तान

स्वप्न में कब्रिस्तान का दिखना अत्यन्त शुभ है। स्वप्न में कब्रिस्तान से निकलतार मुर्दा जो कुछ भी कहे, वह घटित होकर रहता है। इस संबंध में एक आश्चर्यजनक घटना पाठकों को सुनाने का लोम में संवरण नहीं कर सकता।

सन् १९७० के उत्तरार्द्ध की बात है, एक दिन एक श्रीमन्त की पत्नी मेरे पास आई, बोली—पंडित जी ! आज रात एक अत्यन्त अशुभ स्वप्न देखा है। मैं अपनी कार से घूमने के लिए

जा रही थी कि सड़क किनारे के कब्रिस्तान से एक मुर्दा निकला और मेरी कार के सामने आकर खड़ा हो गया। विवशतावश मुझे कार रोक देनी पड़ो। कार रुकते ही उसने भपटकर मुझे कार से बाहर खींच लिया, और एक बार बुरी तरह से भक्खोरा, फिर मेरे सिर पर तीन स्वर्ण की ईंटें, दाहिने हाथ पर पौँच, बाएँ हाथ पर चार, पीठ पर सात, कूल्हों पर दो, तथा पैरों पर एक ईंट बौंध दी, साथ ही एक डिब्बा भी दिया और खदेहकर मेरे घर पैदल पहुंचाया। कार मेरे पीछे-पीछे बिना ड्राइवर के ही चल रही थी। जोहो ही मैं घर में चुसी कि कार स्वतः ही गेरेज में चली गई, और मैं चीखकर गिर पड़ी। आखिं खुली तो चारों ओर घर के सदस्य खड़े थे, मैं पसीने से तरबतर थी। ईश्वर जाने क्या होगा ? आप बताइए न पश्चित जी ! मेरे परिवार पर या मुझ पर क्या अनिष्ट आनेवाला है ?

मैंने एक लाल बिचार किया और बोला, मेरी राय में 'ए' सीरीज का ३५४७२१ लॉटरी टिकट खरीद लें, हो सकता है तुम्हारा माग्योदय हो जाय।

वह आश्वस्त-नी चली गई। बाद में इन्हीं नम्बरों पर उसे पुरस्कार भी मिला।

तात्पर्य यह कि इस प्रकार के दृश्य श्रेष्ठ घनदायक कहे गए हैं।

कमल

स्वप्न में कमल का दिखाई देना नीरोगिता एवं आशेषता का प्रतीक है।

कमला

यदि स्वप्न में कमला या साक्षात् लक्ष्मी दिखाई दे, तो श्रेष्ठ घनदाय, नूतन व्यापार अथवा नौकरी में प्रोमोशन समझना चाहिए।

कमल

यदि स्वप्न में कमल खरीदे, या कोई फाउण्टेन पेन भेंट करे, तो शीघ्र ही उसकी पुस्तक प्रकाशित होगी, अथवा कीर्ति बढ़ेगी।

कस्तूरी

स्वप्न में कस्तूरी के दर्शन भी श्रेष्ठ समझे गए हैं। कस्तूरी का स्पर्श, या कस्तूरी खाना इस बात का प्रतीक है कि शीघ्र ही उसके हाथों कुछ ऐसा कार्य होगा, जिससे कि उसकी प्रसिद्धि में विस्तार आएगा।

काँच

स्वप्न में दर्पण में मुँह देखना, काँच खरीदना लालसा एवं असीमित इच्छाओं का प्रतीक है।

कामिनी

स्वप्न में कामिनी को देखने का फल यह है कि शीघ्र ही स्वप्नदृष्टा अपने प्रेम-सम्बन्धों में सफल हो सकेगा।

कारागार

स्वप्न में कारागार दिखाई देना किसी आकर्षित विषय का सूचक है, शीघ्र ही कुछ ऐसा घटित होगा, जिससे व्यथं ही परेशानी का सामना करना पड़े।

कार्यालय

यदि स्वप्न में किसी अपटुडेट कार्यालय को देखें तो स्वप्न-दृष्टा शीघ्र ही मनोबांधित नौकरी या सकेगा ऐसा समझना चाहिए।

किताब

स्वप्न में किताब, या किताबों की दूकान या प्रकाशन-गृह दिखाई देना परीक्षा में उत्तीर्ण होने का सूचक है।

किटटी

यदि स्वप्न में किटटी दिखाई दे, जो लहरों पर डोल रही

हो तो व्यक्ति को समझना चाहिए कि शीघ्र ही घर में अशुभ समाचार सुने जाएंगे।

कुंजर (हाथी)

स्वप्न में हाथी या गजराज का दीखना अत्यन्त शुभ है; शीघ्र ही घर में मंगलमय कार्य सम्पन्न होंगे, ऐसा समझना चाहिए।

कुन्दन

यदि स्वप्न में स्वर्ण प्राप्त हो, या गोने का ढेर दिखे, या घर में सोने की वर्षा हो तो शीघ्र ही आर्थिक हानि का सामना करना पड़ेगा।

कुध्राँ

स्वप्न में कुध्राँ दिखाई देना शुभ है।

कुत्ता

यह बीमारी का संकेतक है।

कुकुट (मुर्गा)

घर के किसी सदस्य का एक्सीडेंट होना इस स्वप्न का फल है।

कुसुम

स्वप्न में यदि बगीचा दिखे, या कुसुम लहलहाते दृष्टि-गोचर हों, या कोई पुष्पमाला या पुष्प भेंट करे तो आरोग्यता का चिह्न है।

केदारनाथ

यदि स्वप्न में केदारनाथ धाम के दर्शन हों तो शुभ कार्यों में व्यय होगा, तथा सुफल तीर्थयात्रा होगी।

केसर

इसका फल भी 'कस्तूरी' के समान ही समझा जाना चाहिए।

कंलाशपति

यदि स्वप्न में कंलाशपति शंकर के दर्शन हों तो यह विशेष शुभ है। घर में सुख-शान्ति एवं श्रेष्ठता रहेगी, ऐसा समझना

चाहिए।

कोड़ी

स्वप्न में कोड़ी या कुष्ठरोगी का दीखना बीमारी का प्रतीक है।

कोयल

कोयल का स्वर, या बगीचे में कोयल को देखना प्रसन्नता का सूचक है।

कूर कर्म

यदि स्वप्न में अपने ही हाथों कूर कर्म हो जाय, तो शत्रु पर विजय समझनी चाहिए या मुकद्दमे में जीत समझी जानी चाहिए।

क्षत्रिय

स्वप्न में क्षत्रिय का दीखना बीरता का चिह्न है। शीघ्र कठिनाइयों पर विजय होगी तथा यश प्राप्त होगा, ऐसा समझा जाना चाहिए।

खग

इसका फल 'कोयल' के समान समझना चाहिए।

खच्चर

इसका फल 'ऊंट' के समान समझना चाहिए।

खिताब

यदि स्वप्न में कोई खिताब मिले, या पुरस्कार मिले तो वह पराजय, मानहानि, एवं विफलता का संकेतक है।

खून

यदि स्वप्न में रक्त बहता हुआ दिखाई दे या खून निकलता दृष्टिगोचर हो तो शीघ्र ही किसी बीमारी का सामना करना पड़ेगा।

खिलौना

खिलौने की दुकान, या खिलौने लाना अथवा खिलौनों से

देखना शुभ फलदायक है।

गंगा

गंगा नदी के दर्शन शुभ फलद हैं, घर में मंगलमय समाचार सुनने को मिलेंगे, आरोग्यता रहेगी।

गंगाजल

देखिए 'गंगा'।

गंगरी

यदि स्वप्न में कोई स्त्री कलश भरकर आ रही हो या गंगरी उठाये चल रही हो तो यह धन-धान्य की पूर्णता का संकेतक है, शीघ्र ही लाभ होगा।

गर्दभ

देखें 'खच्चर'।

गीदड़

स्वप्न में गीदड़ का दीखना सफलता का सूचक है।

गर्भपात

यदि स्वप्न में गर्भपात के समाचार सुनें या गर्भपात देखें तो घर में किसी सदस्य की अकाल मृत्यु समझनी चाहिए।

गालीगुप्तार

यदि स्वप्न में दो व्यक्तियों के बीच गालीगुप्तार हो तो यह मुख्य समाचार मिलने का संकेतक है।

गीता

देखो 'गंगा'।

गीध

स्वप्न में गीध का दीखना अशुभ है।

गुह

यदि स्वप्न में गुरु जी के दर्शन हो जाएं, तो यह घर में मंगलमय कायों का प्रतीक है।

गोताखोर

पानी में यदि गोताखोर दिखाई दे या स्वयं जल में गोता लगावे तो ऐसे स्वप्न का फल स्पष्ट है, शीघ्र ही किसी गुप्त योजना का पता लगेगा, या पीठ पीछे होनेवाले धड़्यन्त्र का भण्डाफोड़ होगा, यह स्पष्ट समझना चाहिए।

गोदान

यदि स्वप्न में अपने हाथों से गोदान हो तो घर के किसी वृद्ध की मृत्यु शीघ्र ही समझनी चाहिए।

गोवर

स्वप्न में गोवर का दिखाई देना पशुत्रय-विक्रय का सूचक है।

ग्रहण

यदि स्वप्न में ग्रहण दिखाई दे तो शीघ्र ही उसपर भूता इलजाम लगेगा, बदनाम होगा, या गलत गवाही में उलझना पड़ेगा।

ग्रामीण

स्वप्न में ग्रामीण से मिलना ग्रन्थ-सम्बन्धी व्यापार में लाभ का सूचक है।

ग्राम

देखो 'ग्रामीण'।

ग्वाला

स्वप्न में ग्वाले का दिखाई देना रोग का सूचक है।

घड़ियाल

यदि स्वप्न में घड़ियाल या ऐसा ही कोई जल का भारी जीव दिखाई दे तो यात्रा होगी तथा अच्छा लाभ होगा, ऐसा समझना चाहिए।

घाटी

स्वप्न में घाटी दिखाई देना या घाटी में घूमना शुभफलद है।

घाव

स्वप्न में घाव खाना विजय का प्रतीक है, मुकद्दमे या आमने-सामने के युद्ध में विजय होगी, ऐसा समझना चाहिए।

चण्डी

देखो 'अच्छभुजा'

चंडूबाज

चंडूबाज का दिखना असफलता एवं हानि का संकेत है।

चन्द्रमा

स्वप्न में चन्द्रदर्शन अत्यन्त शुभ है, इसका तात्पर्य है कि शीघ्र ही शुभ समाचार प्राप्त होगे।

चन्दन

इसका फल भी चन्द्रमा के समान ही समझना चाहिए।

चढ़ाव

यदि स्वप्न में कोई पहाड़ या घाटी दृष्टिगोचर हो अथवा आप खुशी-खुशी घाटी पर चढ़ रहे हों तो इस स्वप्न-फलितार्थ के अनुसार शीघ्र ही उन्नति, प्रोमोशन या व्यापारिक लाभ होने का योग है।

चपरासी

स्वप्न में चपरासी दिखना प्रतीकूल है। कार्य में विज्ञ, बाधाएं या कठिनाइयाँ उपस्थित होंगी तथा उच्चाधिकारियों से मनमुटाव पैदा होगा।

चरागाह

हरी-भरी चरागाह जहाँ समृद्धि एवं सुख की सूचक है, वहाँ सूखी एवं निःंजन चरागाह उदासी, खिन्नता एवं दुःख की।

चर्मकार

स्वप्न में चर्मकार का दिखाई देना अशुभ माना गया है।

चाबुक

यदि स्वप्न में चाबुक दिखाई दे, तो इसका स्पष्ट तात्पर्य है

कि शीघ्र ही किसी से युद्ध होगा या मुकद्दमेबाजी में उलझना पड़ेगा ।

चिंधाड़

यदि स्वप्न में हाथी की चिंधाड़ सुनाई दे, तो यह समृद्धि की सूचक है ।

चिराग

जलता हुआ चिराग जहाँ नवागन्तुक का प्रतीक है वहाँ बुझा हुआ चिराग मृत्यु-शोक एवं दुःख का ।

चीता

स्वप्न में चीता दिखाई देना अनुकूल कहा गया है, इसका फलितार्थ यह है कि जो कार्य विगड़ा हुआ है, या जिस कार्य-सम्पन्नता में विलम्ब हो रहा है, वह शीघ्र ही पूरा होगा ।

चूड़ी

पति या पत्नी के यह श्रेष्ठ स्वास्थ्य का प्रतीक है ।

चेचक

स्वप्न में यदि चेचकप्रस्त व्यक्ति दिखाई दे तो शीघ्र ही घर में रोग प्रवेश करेगा, या बीमारी की वजह से परेशान होना पड़ेगा ।

चौमार्ग

स्वप्न में चौमार्ग या चौराहे का दिखना मटकी हुई मन:-स्थिति का सूचक है तथा अस्थिर चित्तवृत्ति का प्रतीक है ।

छिनाल

स्वप्न में यदि छिनाल स्त्री नजर आये तो यह शुभ संकेत है, घर में शीघ्र ही शुभ समाचार सुनने को मिलेंगे ।

छुरी

स्वप्न में छुरी या छुरे का दिखना मन की मलिनता, दुष्टता एवं दूसरों को हानि पहुँचाने के विचारों का सूचक है ।

छुला

सजा-संबरा छुला यदि स्वप्न में दिखाई दे तो यह प्रसन्नता, आङ्गार एवं दिव्यता का प्रतीक है ।

जंगल

यदि स्वप्न में निर्जन जंगल दिखाई दे, तो समझ लेना चाहिए कि शीघ्र ही दुर्दिन धानेवाले हैं, तथा कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा ।

जगन्नाथपुरी

स्वप्न में जगन्नाथपुरी धाम का दर्शन शुभ एवं पवित्र विचारों का सूचक है ।

जटाघारी

यदि स्वप्न में जटाजूटघारी साधु के दर्शन हो जाएं, तो समूर्णतः यह सिद्धिदायक है ।

जननी

स्वप्न में माँ के दर्शन होना अत्यन्त शुभ, अनुकूल एवं श्रेष्ठ कहा गया है ।

जयमाल

यदि स्वप्न में स्वयं के गले में जयमाल पहनी जाय, तो यह अशुभ एवं विपत्तिदायक है ।

जलप्लावित

स्वप्न में बाढ़ या चतुर्दिक् जलप्लावन का दृश्य देखना भावी आशंका, अनिष्ट या कठिनाइयों का संकेत है ।

जलज

कमल के दर्शन अनुकूल एवं सिद्धिप्रद कहे गए हैं ।

जलद

बादल दिखाई देना भी स्वप्न-विशेषज्ञों के अनुसार शुभ है, पर यह कार्य-सिद्धिप्रद स्वप्न नहीं कहा जा सकता ।

जवान

जवान या जवानों की टोली दृष्टिगोचर होना प्रनुकूल एवं रोगमुक्ति का सूचक है।

जहर

जहर खाना, या किसी को जहर खाते देखना अशुभ है।

जहाज

स्वप्न में वायुयान अथवा वायुयान-यात्रा अस्थिर मनोवृत्ति एवं उदासी की सूचक है।

जादूगर

यदि स्वप्न में जादूगर दिखाई दे, तो किसी परिचित, मित्र या रितेदार से धोखा मिलेगा, तथा हानि सहनी पड़ेगी।

जामाता

जैवाई को स्वप्न में देखना समफल ही रहा है।

जाल

स्वप्न में जाल का दिखाई देना मुसीबतों, परेशानियों एवं कठिनाइयों का सूचक है।

जुधा

स्वप्न में यदि स्वयं जुधा खेले तथा हार जाय तो यह शुभ है, यदि जीत जाय तो यह अशुभ कहा जाता है।

पर यदि रेसकोर्स या लॉटरी टिकट के नंबर दिखाई दें, तो उन नम्बरों का उपयोग दूसरे ही दिन कर लेना चाहिए, यह शुभ संकेत है।

जेब कटना

स्वप्न में जेब कट जाना, या दूसरों की जेब कटते देखना या सुनना विपत्ति एवं आर्थिक हानि का सूचक है।

जेवर

स्वप्न में जेवर या आभूयण देखना अशुभ माना गया है, एवं यह मात्री विपत्ति का सूचक है।

जल

यदि स्वप्न में जेल दिखाई दे, तो शीघ्र ही उस पर झूठा लांछन आएगा, या झूठे मुकाद्दमे में उलझन पड़ेगा, ऐसा समझना चाहिए।

जोगी

देखिए 'जटाधारी'।

जौहरी

जौहरी या रत्न देखना शुभ एवं उन्नतिसूचक माना गया है।

ज्योतिषी

स्वप्न में ज्योतिषी के दर्शन भाग्योदयकारक, पवित्र एवं शुभ माने गए हैं। ऐसा स्वप्न दुर्दिन मिटाने वाला एवं सर्वतो मुख्य उन्नति देने वाला होता है।

ज्वाला

स्वप्न में यदि ज्वाला दिखाई दे तो यह श्रेष्ठता, दिव्यता एवं शुभता की सूचक है।

झण्डा

यदि स्वप्न में लहराता हुआ झण्डा दिखाई दे या ज्वाला दिखाई दे, तो शीघ्र ही प्रोमोशन या उन्नति होगी, ऐसा समझना चाहिए।

झगड़ा

स्वप्न में झगड़ना, या झगड़े को देखना विपत्ति का सूचक है।

झरना

इसका फल भी 'झण्डा' के समान ही समझना चाहिए।

झूला

यह स्वप्न अस्थिर मनोवृत्ति का सूचक है।

टकसाल

स्वप्न में टकसाल देखना समृद्धि का पर्याय है। अतः यदि ऐसा स्वप्न आवे तो शीघ्र ही लाभ होगा, यह समझना चाहिए।

टट्टू

यह भशुम एवं शान्ति भंग करने वाला स्वप्न है।

टहनी

हरी-भरी टहनी जहाँ सुख-समृद्धि की सूचक है, वहाँ सूखी और कोटीली टहनी कष्ट, दुःख एवं परेशानियों की प्रतीक।

टाल

सूखी लड़कियों का डेर मृत्युसूचक स्वप्न है।

टिड्डी

टिड्डी या टिडडीदल हानि, अर्थामाव, एवं अमावों का सूचक है।

टीका

कुंकुम का टीका, तिलक करना या टीका लगाते हुए देखना श्रेष्ठता का प्रतीक है।

टोपी

टोपियों की दुकान या टोपी देखना इज्जत एवं समृद्धि की सूचक है।

ठाकुर

यदि स्वप्न में ठाकुर दिखाई दे, या ठाकुर का साथ ही तो निश्चय ही यह जीवन में ग्रहकार की वृद्धि है, जो कि उचित नहीं है।

ठग

यदि स्वप्न में ठग मिले, या ठगे जाएं तो यह भुलबकड़पन का पर्याय है।

ठाकुरद्वारा

ठाकुरद्वारा स्वप्न में दिखाई देना शुभ एवं श्रेष्ठता का

प्रतीक है।

ठूँठ

यदि स्वप्न में किसी पेड़ का ठूँठ दिखाई दे तो एकाकी जीवन का यह चिह्न है। हो सकता है, शीघ्र ही पुत्र घर से अलग हो जाय, या भाइयों का बैटवारा हो जाय अथवा स्थानान्तरण कहीं दूर हो जाय, जिससे एकाकी जीवन बिताने को बाध्य होना पड़े।

ठुमरी

ठुमरी के बोल सुनना शुभ माना गया है।

डौसना

यदि स्वप्न में किसी को सांप डौस जाम तो यह हानिकारक एवं मृत्युकारक है, पर यदि स्वप्न में खुद को सांप डौस जाय तो शीघ्र ही घन की प्राप्ति होगी, ऐसा समझना चाहिए।

डाकखाना

स्वप्न में डाकखाना या पोस्ट ऑफिस देखना यात्रा का सूचक है।

डाकगड़ी

इसका फल भी 'डाकखाना' के तुल्य है।

डॉक्टर

यदि स्वप्न में डॉक्टर दिखाई दे तो शीघ्र ही किसी परिचित की मृत्यु होगी, या रोगप्रस्त होगा, ऐसा समझना चाहिए।

डाका

यदि स्वप्न में डाकू दिखें, या डाकुओं को कहीं जाता देखें, या डाका डालता हुआ देखें तो शीघ्र ही घन-नाश एवं व्यापारिक हानि होगी जिससे मनस्ताप होगा।

डेरा

यदि स्वप्न में अस्थायी मकान या डेरा दिखाई दे तो ऐसा स्वप्न स्थानान्तरण का सूचक है।

डूबना

यदि नदी, तालाब या समुद्र में कोई डूबता हुआ नजर आये तो शीघ्र ही अनिष्ट होगा अथवा एक्सीडेंट होगा, ऐसा समझना चाहिए।

ड्योढ़ी

स्वप्न में ड्योढ़ी का दिखना मुकद्दमे में हार अथवा बन्दी जीवन का सूचक है।

दाल

यदि कोई व्यक्ति स्वप्न में दाल देखे, तो वह व्यक्ति शीघ्र ही रोगमुक्त होगा, अथवा वर्तमान भय या संकट पर नियन्त्रण कर सकेगा, ऐसा समझना चाहिए।

ढोल

यदि स्वप्न में ढोल बजता हुआ देखें या सुनें तो यह मृत्यु का अथवा कठिनाइयों का सूचक है।

तंडुल

स्वप्न में चावलों की छोड़ी शुभसूचक है, जबकि स्वप्न में पके चावल खाना रोग की निशानी है।

ताम्बूल

स्वप्न में पान खाना या पान खिलाना उत्तम स्वास्थ्य एवं विवाह होने की सूचना देनेवाला है।

तकिया

स्वप्न में तकिया लगाकर सोना सुखी दाम्पत्य जीवन का पर्याय है।

तक्क

फन फैलाये हुए सौप को देखना अत्यन्त श्रेष्ठ एवं माघवधंक माना गया है।

तस्त

स्वप्न में तस्त देखना या तस्त पर बैठना विरक्ति अथवा

मृत्यु का सूचक है।

तड़ाग

पानी से भरा तालाब सुख-समृद्धि का सूचक है जबकि सूखा एवं खाली तालाब मावी हानि एवं अर्थ-क्षय का सूचक है।

तपस्वी

स्वप्न में तपस्वी का दिखना श्रेष्ठ, शुभ एवं सफलता का सूचक है।

तपस्विनी

देखो 'तपस्वी'।

तबला

स्वप्न में धोड़ों का अस्तबल दिखना कठिनाइयों का सूचक है। शीघ्र ही असम्मानित कठिनाइयों से जूझना पड़ेगा, ऐसा समझना चाहिए।

तम्बाकू

तम्बाकू खाते, पीते या सूखते देखना रोग का ही सूचक है।

तमाचा

यदि स्वप्न में स्वप्नद्रष्टा को कोई तमाचा मार दे, तो यह दुखवर्धक एवं मृत्युकारक सूचना है, पर यदि स्वप्नद्रष्टा किसी दूसरे को तमाचा मार दे, तो यह शत्रुओं पर विजय के तुल्य समझना चाहिए।

तरकारी

हरी तरकारी सुख-सौमाय एवं स्वास्थ्यवर्धन की सूचक है।

तरबूज

इसका फल भी 'तरकारी' के समान ही समझना चाहिए।

तराजू

यदि स्वप्न में तराजू दिखाई दे, तो यह सही न्याय का

सूचक है। एक तरफ भावना तथा एक तरफ कर्तव्य होने पर भी भावना पर कर्तव्य विजयी होगा, यह निश्चित समझना चाहिए।

तरु

हरा-भरा पेड़ जहाँ घर में सन्तानोत्पत्ति का सूचक है, वहाँ सूखा पेड़ (ठंड) घर के किसी सदस्य की मृत्यु का सूचक है।

तरुण

स्वप्न में तरुण का दिखाई देना बीरता, साहस एवं जोश का प्रतीक है।

तरुणी

यदि गहनों से सजी-धजी तरुणी नजर आवे तो यह सौभाग्यवर्धक है।

तर्पण

तर्पण करना घर के किसी वृद्ध सदस्य की मृत्यु होना है।

तलबार

यदि स्वप्न में तलबार दिखाई दे, तो शीघ्र ही मुकद्दमे में विजय प्राप्त होगी, अथवा मनोवांछित कार्य सिद्ध होगा, ऐसा समझना चाहिए।

तस्कर

तस्कर से मिलना या तस्कर देखना धन-हानि, घाटा या सार्वजनिक अपमान का सूचक है।

तलाक

यदि स्वप्न में तलाक मिल जाय, या उसे तलाक दे दे, या वह तलाक ले ले तो शीघ्र ही गृहकलह होगी। पत्नी नौकरी में हो तो ग्रलग-ग्रलग स्थानों पर नौकरी करनी पड़ेगी, ऐसा समझना चाहिए।

ताम्बा

स्वप्न में ताम्बा, ताम्बे की खान या ताम्बे के बर्तन दिखना घर के किसी दूरस्थ रिश्तेदार की मृत्यु का सूचक है।

ताजमहल

स्वप्न में ताजमहल का दिखना पत्नी से सम्बन्ध-विच्छेद का सूचक है।

ताम्रपत्र

इसका फल भी 'ताम्बा' के समान ही समझना चाहिए।

तारे

यदि स्वप्न में तारे दिखाई दें, तो यह शुभ एवं मनोरथ सिद्ध करने वाला स्वप्न है।

ताला

स्वप्न में ताला दिखना सुरक्षा का सूचक है।

तावीज़

यदि स्वप्न में कोई व्यक्ति स्वप्नद्रष्टा के गले या बाँह पर तावीज़ बांधे तो यह उसकी विजय एवं श्रेष्ठता का चिह्न है, शीघ्र ही किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी।

तितली

यदि तितली या वर्गीज़ में उड़ती तितलियाँ दृष्टिगोचर हों तो प्रसन्नता का सूचक हैं, शीघ्र ही शुभ समाचार प्राप्त होगे।

तिमंजिली

तिमंजिली इमारत का दिखना खायाली पुलाव या भूटी कल्पना की वहुलता का चिह्न है।

तिरंगा

यदि स्वप्न में हवा में लहराता तिरंगा ध्वज दृष्टिगोचर हो तो यह शुभ एवं उन्नतिसूचक कहा जाएगा।

तिरस्कार

यदि स्वप्न में कोई तिरस्कार कर दे, या सार्वजनिक रूप से अपमानित कर दे तो यह शुभ है। शीघ्र ही शानुषों पर विजय होगी, ऐसा समझना चाहिए।

तिल

स्वप्न में तिल की खेती, तिल का देर या तिल के लड्डू देखना अशुभ माना गया है। शीघ्र ही अचित घटनाएँ घटित होंगी, ऐसा समझना चाहिए।

तोरण

स्वप्न में यदि तोरण दिखाई दे, तो घर में मांगलिक कृत्य सम्पन्न होंगे, तथा किसी प्रविवाहित का विवाह होगा, यह स्पष्ट समझना चाहिए।

तीर्थ

स्वप्न में तीर्थ-यात्रा, या तीर्थों के दर्शनों को अत्यन्त शुभ एवं पवित्र माना गया है।

तुरंग

यदि स्वप्न में सुन्दर पानीदार धोड़ा नज़र आवे, तो यह समझ लेना चाहिए कि शीघ्र ही यात्रा होगी, तथा जिस कार्य के लिए यात्रा हो रही है वह निःसन्देह सफल होगी।

तुलसी

स्वप्न में किसी घर में उगे तुलसी के पौधे को देखना मंगलमय माना गया है, मंगलमय समाचार मिलेंगे, जिनसे हर्ष बढ़ेगा, ऐसा समझना चाहिए।

तूफान

यदि स्वप्न में तूफान नज़र आवे, तो यह अस्त-व्यस्तता का चिह्न है। कुछ-न-कुछ ऐसा घटित होगा, जो शान्त जीवन को अस्त-व्यस्त कर देगा, तथा मानसिक अव्याहन बढ़ेगी, ऐसा प्रतीत होता है।

तूण

सूखी धास पराजय का संकेत है, साथ ही अर्यक्षय की आशंका भी।

तेजाब

यदि स्वप्न में तेजाब नज़र आवे, तो घर में धाग लगेगी या अग्नि से नुकसान होगा, ऐसा समझना चाहिए।

तेल

स्वप्न में तेल, या तेल मालिश करना या कराना अशुभ है। ऐसा स्वप्न आने पर यह समझना चाहिए कि शीघ्र ही रोग-ग्रस्त होना पड़ेगा तथा शारीरिक हानि उठानी पड़ेगी।

तैराक

यदि समुद्र, नदी या तालाब में स्वयं तैरे और तैरता-नैरता दूसरे किनारे पर चला जाय, तो यह कठिनाइयों पर विजय प्राप्त करने का सूचक है, पर यदि बीच में ही ढूबने की स्थिति बन जाय, और तैरते-तैरते यक जाय तो इसे अशुभ, पराजय एवं हानि से सम्बन्धित समझना चाहिए।

तेल-मर्दन

देखिये 'तेल'।

तोप

यदि स्वप्न में तोप दिखाई दे, तो इसका तात्पर्य यह है कि अभी तक जिन मुसीबतों से गुजर रहे हैं, उनपर भली प्रकार से विजय प्राप्त कर सकेंगे, एवं समस्याओं का समाधान कर सकेंगे।

तोरणमाल

स्वप्न में तोरणमाल का दिखाई देना शुभ है, घर में मांगलिक कार्य होगा, एवं शुभ समाचार मिलेंगे, ऐसा समझना चाहिए।

तौहीन

यदि स्वप्न में कोई तौहीन करे, तो यह शुभ है, पर यदि दृष्टा किसी दूसरे की तौहीन करे तो यह स्वप्न अशुभ फल का ही कहा जायगा।

त्यागपत्र

स्वप्न में त्यागपत्र लिखकर देना शुभ नहीं कहा जाता।

त्योहार

यदि स्वप्नद्रष्टा स्वप्न में कोई त्योहार मनावे, रंग-विरंगे वस्त्र पहने, फूलभङ्गियाँ छोड़े अथवा ढोल बजें, गीत गाये जाएं, तो यह शुभ नहीं कहा जाता तथा अशुभ फल देनेवाला स्वप्न माना गया है।

त्रिनेत्र

विव का दर्शन शुभफलदायी एवं मनोवांछित कार्यसिद्ध वाला माना गया है।

त्रिपुरारी

देखिये 'त्रिनेत्र':

त्रिशूल

यदि स्वप्न में त्रिशूल दिखाई दे, तो ऐसा स्वप्न प्रबल शब्द-हन्ता एवं कठिनाइयों पर विजय प्राप्त करने वाला माना गया है।

थानेदार

यदि स्वप्न में थानेदार दिखाई दे, तो शीघ्र ही किसी से वाद-विवाद होगा, भगड़ा होगा, तथा मुकद्दमेवाली होगी, ऐसा समझना चाहिए।

बैली

यदि स्वप्न में बैली दिखाई दे तो इसे अशुभ संकेत समझना चाहिए वैसे सुनने में ऐसा आया है कि इस प्रकार के स्वप्न का फल धन-प्राप्ति रहा है तथा आकस्मिक धनयोग बनता है।

दंगल

यदि स्वप्न में दंगल दिखाई दे, या दो पहलवान लड़ते हुए नजर आवें, तो निश्चय ही यह विजय का चिह्न है, शीघ्र ही

संघर्ष में विजय मिलेगी तथा शशु परास्त होगा।

दण्ड

यदि स्वप्न में कोई दण्ड देता हुआ दिखाई दे तो यह यन्त्रणा का प्रतीक है, शीघ्र ही कुछ कठिनाइयाँ आएंगी, जिससे परेशान होना पड़ेगा।

दम्पति

यदि स्वप्न में पति-पत्नी का जोड़ा नजर आवे तो यह एक शुभ चिह्न है। यदि स्वप्नद्रष्टा पति या पत्नी से दूर हैं, तो निश्चय ही दोनों का मिलन होगा, मनोवांछित स्थान पर स्थानान्तरण होगा, तथा पारस्परिक जीवन मधुर रहेगा।

दत्तीन

स्वप्न में दतीन तोड़ना या दतीन करना शुभ संकेत है, स्वास्थ्य सुधरेगा, रोग से मुक्ति मिलेगी, आदि इसका फल है।

दक्षिणा

स्वप्नद्रष्टा यदि किसी ब्राह्मण को दक्षिणा दे तो यह अनुकूल है, शीघ्र ही गुप्त एवं आकस्मिक धन-प्राप्ति होगी।

दरवार

स्वप्न में किसी राजा का दरवार नजर आवे तो यह निश्चित समझ लें कि ॐ महीनों के अन्दर-अन्दर मृत्यु होगी।

दरिद्र

यदि स्वप्न में दरिद्र-ज्यवित से मैट हो, या दरिद्री के साथ जीवन यापन करना पड़े, तो जब दंस्त हानि होने की संभावनाएँ बन जाती हैं।

दर्जी

स्वप्न में दर्जी का दिखना स्वप्नदर्शियों के अनुसार अशुभ माना गया है।

दर्द

यदि स्वप्न में शरीर के किसी हिस्से में दर्द बढ़े, या दर्द से

चिल्लावे, तो शीघ्र ही वास्तविक जीवन में भी इसी स्थिति से गुजरना पड़ेगा।

दर्पण

यदि स्वप्न में दर्पण में मूँह देखे, या दर्पण देखकर श्रृंगार करे, तो यह अशुभ है, शीघ्र ही किसी विपत्ति से उलझना पड़ेगा, एवं मानसिक परेशानियाँ बढ़ेंगी।

दवा

स्वप्न में दवा खाना या दवा देना (आयुर्वेदिक) शुभ माना गया है, तथा यह सुधरते हुए स्वास्थ्य का संकेतक है।

दशकंठ

यदि स्वप्न में रावण दिखाई दे, तो यह निश्चित समझना चाहिए कि मनोवाञ्छित कायं शीघ्र ही इच्छानुसार सम्पन्न होगा।

दान

स्वप्न में दान देना या दान लेना शुभ माना गया है।

दामिनी

यदि स्वप्न में घटाएँ दिखें, तथा विजली चमकती हुई नजर आवे, तो यह क्षमता का संकेत देती है, अर्बात् यह स्वप्न इस बात का बोध कराता है कि जो कुछ करना है शीघ्र कर लो अन्यथा एक बार जो अवसर हाथ से चला जाएगा, वह पुनः प्राप्त नहीं हो सकेगा।

दारू

मद्यपान करना या दूसरे को मद्यपान कराना—इस स्वप्न का फलितार्थ वास्तविक जीवन में गलतफ़हमियों की वृद्धि है। कुछ घटनाएँ ऐसी घटित होंगी जिनसे पारस्परिक मतभेद बढ़ेंगे, उलझने वड़ेंगी, तथा संघर्षमय समस्याएँ बढ़ेंगी।

दास

यदि स्वप्न में नौकर नजर आवे, तो जीवन में भौतिक मुख्यों

की वृद्धि होगी, एवं जीवन ज्यादा मुख्य गुज़रेगा।

दाह-किया

स्वप्न में चिता जलती हुई देखे, या किसी का दाह-संस्कार देखे, अथवा अपने हाथों से दाह-संस्कार करे, तो यह शुभ स्वप्न है, शीघ्र ही अप्रत्याशित घन-प्राप्ति होगी, यह निश्चित समझना चाहिए।

कुछ ही समय पहले मैं बंबई में फ़िल्म से संबंधित एक प्रमुख व्यक्ति के घर पर ठहरा था। मेरे-उनके अत्यन्त मधुर संबंध हैं, मुझे आदर देते हैं, मेरी किसी बात को टाला नहीं, स्वभावतः मेरा भी उनके प्रति मधुर सहज स्नेह है।

रात्रि को पूजा-पाठ करके मैं लगभग ग्यारह बजे दूष पीकर अतिथि-कक्ष में सो गया। उस दिन उन्होंने व्रत रखा था, ग्रतः न पार्टी में गए, न शराब पी और न किसी प्रकार का नशा किया।

रात्रि को लगभग चार बजे नौकरों के इघर-उघर भागने और आने-जाने की पदचाप सुनी। यों भी मैं साढ़े तीन बजे उठ जाता हूँ। दैनिक कायं कर मैंने स्नान किया ही था कि उनकी घर्मपली हाँफती हुई आई, बोली कुछ नहीं।

मैंने पूछा—क्या बात है वह! चूप क्यों हो? हाँफ क्यों रही हो?

बोली—उनकी तबीयत कुछ खराब हो गई है, कोई बुरा स्वप्न देखा है।

मैंने उन्हें नीचे भेज दिया। कपड़े बदल मैं खुद भीचे गया तो डॉक्टर इंजेक्शन लगा रहा था। डॉक्टर को पूछने पर उसने बताया, कोई खास बात नहीं, 'हार्ट पल्टीटेशन' है। नीद का इंजेक्शन दे दिया है, सुबह तक 'नॉर्मल' हो जाएगे।

डॉक्टर चला गया। उन्होंने एकान्त में मुझे कुछ कहना चाहा। सर्वा बाहर निकल गए। पली लड़ी रही तो उन्होंने उसे भी दो मिनट के लिए बाहर जाने को कह दिया।

जब एकान्त हो गया, तो बोले—पंडित जी ! एक अत्यन्त दुःखद स्वप्न अभी-अभी देखा है । मैंने स्वप्न में देखा कि मेरे दोनों पुत्र मर गए हैं, तथा मैंने स्वयं उनका दाह संस्कार किया । उफ् ! ऐसा बुरा स्वप्न, और वह भी प्रातःकाल के समय ! भगवान् जाने क्या होगा ?

मैंने दो धरण विचार किया, पूछा—दाह-संस्कार तुमने अपने हाथों से किया ?

—हाँ !

—और साथ में कौन था ?

—मेरी पत्नी और मैं, वस दो ही ।

—कहाँ किया ?

—पंडित जी ! यही तो आश्चर्य है ! इमशान घाट पर न करके पूता मैं किया ।

—मृत्यु कैसे हुई ?

—दोनों रेस के मैदान में घोड़े दौड़ा रहे थे, अचानक घोड़े उलट गए और मारे गए । सब-कुछ इन आँखों से देखा । और... वह फफक पड़े ।

वह फफक रहे थे, और मैं मुस्करा रहा था । इंजेक्शन के प्रभाव से उन्हें नींद आने लग गई थी और मुझे सूर्योदय तक उन्हें जागते रखना था जिससे इस श्रेष्ठ स्वप्न का सुफल समाप्त न हो जाय ।

मैंने जवाब दिया—चिन्ता की कोई बात नहीं, यह स्वप्न शुभ है, और कल रेस में तुम इनाम जीतोगे, पर तुम्हें जागते रहना है, सोना नहीं है । हाँ यह बात अभी घर के अन्य सदस्यों को नहीं बतानी है ।

वह हृषि के मारे उछल पड़े । मुझ पर उन्हें भरोसा है, पर हृषेकशन भी प्रभाव दिखा रहा था । मैंने घर के सभी सदस्यों को बुला लिया, और कमरे में बिठा दिया । घर का बूझा नौकर

रघुवर मजन गाने में बेजोड़ है, उसे मजन गाने की आज्ञा दी भाई-चिमटा-दोलक सभी बहीं मौगा दी गई ।

बड़े लड़के ने कहा—पर चाचा जी, डॉक्टर ने तो...

—“मैं भी तो डॉक्टर हूँ । जैसा मैं कह रहा हूँ । वही करो इन्हें नींद नहीं आनी चाहिए, यह तुम्हारी इश्वरी है । मजन बोलने में घर के सभी सदस्य माग लेंगे, जिस प्रकार पूर्णिमा के दिन लेते हैं ।

लड़के का चेहरा कह रहा था—कमाल है ! हाट स्पेशियलिस्ट विश्वाम की सलाह देकर गया है, पंडित जी कमरे में मजन गवा रहे हैं । पर उसने जुबान से कुछ नहीं कहा, जमीन पर बिछी दरी पर बैठ गया ।

मैं प्रातः पूजा-पाठ निवाटने अपने कक्ष में चला गया । साढ़े छः बजे जब लौटा तो श्वेषण्ड मजन हो रहा था और वह जाग रहे थे ।

वह उठे, स्नानि से निवृत्त हुए । उस दिन रेस थी । कार में हम सब रेस के मैदान में गए, पाँच घोड़ों पर नम्बर लगाए, और वे पाँचों ही घोड़े जीते, उस दिन उन्होंने कई लाख जीते ।

वह दिन सम्मवतः उनके जीवन का सर्वश्रेष्ठ दिन था ।

बाद में रात्रि को जब घर के सभी सदस्यों को मजन-कीर्तन करने और नींद न लेने-देने का खुलासा बताया, तो वे चकित रह गए, अस्तु ।

दिनकर

स्वप्न में सूर्योदय देखना शुभ है, जब कि सूर्यास्त देखना अशुभ ।

दिवाला

यदि स्वप्न में स्वयं का दिवाला निकल जाय, तो यह शुभ संकेत है, पर यदि किसी दूसरे का दिवाला निकलता देखें या स्वप्न में मुर्ने, तो यह हानिप्रद है, अर्थात् तथा घाटा देने का

संकेत है।

दीक्षान्त

यदि स्वप्न में दीक्षान्त समारोह हो तो व्यक्ति निश्चय ही परीक्षा में पास हो, या "कम्पीटीटिव एग्जामिनेशन" दे तो निश्चय ही सफलता प्राप्त करे।

दीपक

जलता हुआ दीपक समृद्धि का सूचक है, घनागम का संकेत है, जबकि बुझा हुआ दीपक निराशा, कठिनाइयों एवं वाधाओं का।

दीपावली

दीपावली का दिखना समृद्धि का सूचक है।

दीवार

स्वप्न में दीवार का दिखना कार्य में वाधा या रुकावट का संकेत है।

दुःखिनी

यदि स्वप्न में कोई दुःखी स्त्री, या रोती हुई स्त्री मिले तो मशुम, पर उससे वार्तालाप हो तो शुभ कहा गया है।

दुकान

यदि स्वप्न में दुकान नजर आवे तो यह समझना चाहिए कि शीघ्र ही व्यापार में बूढ़ि होगी तथा आर्थिक लाभ होगा।

दुष्ट

दुष्ट-पानी या दूष दोहना अथवा दूष से बनी मिठाई खाना या बनाना बुरा एवं मशुम माना गया है, इससे वास्तविक जीवन में कई कठिनाइयाँ आती हैं।

दुर्ग

यदि स्वप्न में कोई दुर्ग नजर आवे, या दुर्ग में बैठे, या दुर्ग पर चढ़ाई करे, तो यह सफलता का सूचक है, तथा शीघ्र ही कठिनाइयों पर विजय पाई जा सकेगी, ऐसा समझना चाहिए।

दुर्गा

स्वप्न में दुर्गा की मूर्ति देखना शुभ एवं कल्याणकारी होता है।

दुर्घटना

यदि स्वप्न में कोई दुर्घटना हो जाय या एक्सीडेंट हो जाय, तो इस स्वप्न को ज्यों-का-त्यों सही मानना चाहिए, वास्तविक जीवन में भी इस प्रकार की दुर्घटना होने की आशंका बराबर बनी रहती है।

दुर्घट्यवहार

स्वप्न में किसी के साथ दुर्घट्यवहार करना शुभ नहीं है, पर कोई दूसरा स्वप्नद्रष्टा के विरुद्ध दुर्घट्यवहार करे तो यह शुभ है।

दुष्ट

दुष्ट की संगति या उससे वार्तालाप स्वप्नवेत्ताओं के अनुसार अशुभ ही माना गया है।

दूध

देखो 'दुर्घ'।

दूरबीन

स्वप्न में दूरबीन देखना, खरीदना या दूरबीन का प्रयोग मावी योजनाओं को सही-सही रूप से समझने की ओर संकेत करता है।

दूरदर्शक

स्वप्न में टेलीविजन देखना या लौटीदना मावी आमोद-प्रमोद का संकेतक है। भविष्य में जीवन ज्यादा सुखमय बन सकेगा, इसकी ओर यह इंगित करता है।

देवता

देवताओं के दर्शन शुभ एवं कल्याणकारी माने गए हैं।

देवस्थान

इसका फल भी 'देवता' के समान ही है।

देवर

देवर को देखना या देवर से चुहल करना जीवन में सहयोग का संकेतक है। यदि अभी तक पति-पत्नी में मनमुटाव है, तो शीघ्र ही समझौता हो सकेगा।

देवरानी

देवरानी को देखना या उससे बातचीत करना, घर में कलह का सूचक समझना चाहिए। यह कलह घर के किसी भी सदस्य से हो सकती है।

देवी

देखिए 'देवत'।

दैत्य

स्वप्न में दैत्य को देखना रोग-मुक्ति का सूचक है। साथ ही यह वीरता, साहस एवं हिम्मत का संकेतक भी।

देवदाणी

यदि स्वप्न में कोई देवदाणी मुनाई दे, तो यह अक्षरशः सत्य सिद्ध होती है।

दौड़

स्वप्न में दौड़-प्रतियोगिता में भाग लेना, या दौड़ना मन की असीम इच्छाओं का प्रतीक है; मन की भावनाएँ हैं कि मैं सबसे आगे रहूँ, कुछ ऐसा कार्य करूँ, जिससे मैं अन्य से अलग-अलग नजर आऊँ।

द्विज

द्विज के दर्शन करना या मिलना अथवा बातालाप करना शुभ संकेतक है।

द्वीप

द्वीप जीवन के ठहराव का संकेतक है। इसका तात्पर्य यह है कि आप इन दिनों जो दौड़धूप कर रहे हैं, परेशान हो रहे हैं, उससे मुक्ति मिलेगी, तथा उन कठिनाइयों से मुक्ति पर सकोगे

जिन कठिनाइयों से अभी तक आप जूझ रहे हों।

धक्का

स्वप्न में भीड़भाड़ में जाना या धक्का लगना हानि अथवा अपमान का सूचक है।

धन

यदि स्वप्न में धन मिल जाय, या भूमि लोदते समय उसमें से खजाना निकल आए, तो यह आर्थिक उन्नति एवं शुभता का सूचक है, शीघ्र ही लाभ होगा, तथा आर्थिक स्थिति मुदृढ़ होगी।

धनुष

धनुष देखना या धनुष पर तीर चढ़ाकर निशाना लगाना आदि विजय के सूचक हैं, शीघ्र ही ननोवांछित कार्य में सफलता मिलेगी, ऐसा समझना चाहिए।

धर्माध्यक्ष

इसका फल भी 'देवता' के समान ही समझना चाहिए।

धर्मोपदेशक

देखिए 'धर्माध्यक्ष'।

धूप

यदि स्वप्न में धूप निकले, या धूप-स्नान हो, अथवा धूप में चलना पड़े, तो यह शुभता का संकेत है।

धूम

स्वप्न में यदि धूम्रां नजर आवे, तो यह इस बात का सूचक है कि शत्रु-वृद्धि होगी, तथा उनके द्वारा आपको परेशान होना पड़ेगा।

धूतं

धूतं से मिलना या दात करना अथवा उसकी संगति करना छलमय है। व्यावर्तिक जावन में शीघ्र ही धोखा लाना पड़ेगा, या छल होगा।

धोखा

इसका फल भी 'धूर्त' के समान ही होगा ।

धोखेभाज

इसका फल 'धूर्त' के तुल्य समझना चाहिए ।

धोती

यदि स्वप्न में धोती पहनें तो यह शुग एवं पवित्रता का सूचक है, सात्त्विक विचार बने रहेंगे, यह स्पष्ट समझना चाहिए ।

धोबी

धोबी का मिलना या धोबी से बातें करना कठिनाइयाँ पैदा होने का संकेत है ।

नंगा

यदि स्वप्न में नंगे व्यक्ति से उलझना पड़े तो इसका फलितार्थ यही होगा कि शीघ्र ही अपमान का कड़वा धूंट पीना पड़ेगा, अथवा किसी से वाद-विवाद में मानहानि हो सकती है ।

नणदोई

नणदोई को देखना प्रेम-प्रसंग में मुदृढ़ता होना है । इन दिनों आपका जो रोमांस चल रहा है, वह दृढ़ होगा ।

नकटा

स्वप्न में नकटा देखना या नकटे से बात करना अशुभ माना गया है, तथा व्यावहारिक जीवन में विघ्न का चिह्न है । इन दिनों जो कार्य हो रहा है उसमें व्यवधान उपस्थित होगा ।

नकशा

स्वप्न में नकशा देखना मात्री सुनिश्चित योजना का फल है, आप इन दिनों जो प्लान बना रहे हैं वह निश्चय ही सफल होगा ।

नक्षत्र

देखिए 'तारे' ।

नख

स्वप्न में नख काटना रोगसूचक है, शीघ्र ही आप रोगप्रस्त होंगे, ऐसा समझना चाहिए ।

नगपति

पहाड़ को देखना या पहाड़ चढ़ना व्यावहारिक जीवन में सुनिश्चित योजना का सुफल है, शीघ्र ही उल्लति की ओर प्रगसर होंगे, ऐसा समझें ।

नरन

देखिए 'नंगा' ।

नट

नट के करतब स्वप्न में देखना या नट को देखना वास्तविक जीवन में ठोस योजना का अभाव है । इसका तात्पर्य यह है कि आप इन दिनों कल्पना पर ही ज्यादा निर्भर हैं, वास्तविक सत्य से विमुख हो रहे हैं ।

नटिनी

देखिए 'नट' ।

नदी

यदि स्वप्न में नदी दिखाई दे तो यह जीवन में सरलता एवं विचारों की उन्मुक्तता की प्रतीक है । इन दिनों जो मानसिक यन्त्रणा या बोझ आप भुगत रहे हैं, उससे शीघ्र ही मुक्ति मिलेगी, एवं आप अपने को स्वस्थ अनुमत कर सकेंगे ।

नभ

देखिए 'आकाश'

नमक

स्वप्न में नमक का डेर देखना, या नमक खाना आरोग्यता का सूचक है, आप शीघ्र ही स्वस्थ होंगे, या घर में आप किसी सदस्य की बीमारी से चितित हैं तो शीघ्र ही आप उन्हें स्वस्थ पाएंगे ।

नरक

नरक में विचरण करना या नरक में तड़पते हुए लोगों को देखना वास्तविक जीवन में धर्म की भूलता है। आप दिनों-दिन दृष्टि कार्यों की ओर ध्यान सर हो रहे हैं।

नरसिंह

देखिए 'देवता'।

नरपति

राजा को देखना शुभ माना गया है।

नर्तकी

यदि स्वप्न में नर्तकी दृष्टियोवर हो, तथा स्वप्न-दर्शक शृंचि लेकर उसका नृत्य देखे तो यह शुभ है। उसके वास्तविक जीवन में आमोद-प्रमोद एवं भौतिक मुख्यों की वृद्धि होगी, तथा वह अधिक सुखमय जीवन व्यतीत कर सकेगा।

नवाब

स्वप्न में नवाब को देखना आलस्य एवं अकर्मण्यता की वृद्धि का सूचक है, तथा वास्तविक जीवन में धन-ज्ञानसा बढ़ने की ओर इंगित है।

नशेबाज

स्वप्न में नशेबाज को देखना अशुभ माना गया है।

नाशून

देखिये 'नश'।

नागपाश

यदि स्वप्न में कुण्डली मारकर बैठा हुआ सौंप दिलाई दे तो यह राज्यवृद्धि, सम्मानवृद्धि एवं प्रभुत्ववृद्धि की ओर संकेत करता है।

नाटक

यदि कोई व्यक्ति स्वप्न में नाटक देखे, तो यह अशुभ है। घायापार में घाटा, नौकरी में पदचयुति या स्थानान्तरण अथवा

सार्वजनिक जीवन में लोहन सहन करना पड़ेगा।

नामि

स्वप्न में नामि देखना अशुभ माना गया है।

नायिका

इसका फल 'नर्तकी' के समान समझें।

नारी

स्वप्न में सुहायिन स्त्री को देखना शुभ है जबकि विषवा को देखना अशुभ।

नाय

देखिये 'तरणि'।

नासूर

यदि स्वप्न में नासूर स्वयं के शरीर में हो, तो वह व्याधि-सूचक है और शरीर में रोग बढ़ेगा।

नास्तिक

स्वप्न में नास्तिक मिलना अधर्म का सूचक है। स्पष्ट है कि वास्तविक जीवन में अधर्म एवं दृष्टियोगी की ओर चरण तेजी से बढ़ रहे हैं।

निक्षा

स्वप्न में नींद लेना शुभ है।

निधि

यदि स्वप्न में लज्जाना नज़र आये, तो वह शुभ है। जो स्थान नज़र आये, उस स्थान का उपयोग किया जाय, तो साम रहेगा।

निर्जन

यदि स्वप्न में कोई निर्जन स्थान दिलाई दे, तो यह स्वप्न-दृष्टा के लिए अशुभ है। इसका तात्पर्य यह है कि स्वप्न-दृष्टा इन दिनों एकाकी, उदासीन एवं चित्तित है, वह शांति चाहता है।

परन्तु इस प्रकार का स्वप्न इस बात का सूचक है कि

उसकी चिन्ता मिटेगी नहीं अपितु कुछ बढ़ेगी ही।

निर्वाचन

स्वप्न में निर्वाचित हो जाना या जीत जाना शुभ नहीं कहा गया है।

नीलाम

यदि जातक अपने घर का सामान नीलाम होता हुआ देखे, या स्वयं नीलाम करे तो यह भावी दुःखद घटनाओं का पूर्व-संकेत है, भविष्य में आर्थिक हानि होने की पूरी सम्भावना है।

निशाचर

देखिये 'दैत्य'।

निष्कासन

यदि कोई स्वप्न-इष्टा को निष्कासन दे दे तो यह यात्रा का सूचक है, शीघ्र ही यात्रा करनी पड़ेगी।

निशानाथ

देखिये 'चन्द्र'।

निष्टब्धता

देखिये 'निंजन'।

नीड़

यदि स्वप्न में स्वप्नद्रष्टा पक्षियों के घोंसले तोड़ता है, तो उसका मकान गिरेगा या बाड़ में बहेगा या मकान-सम्बन्धी समस्याएँ आयेंगी, ऐसा समझना चाहिए।

नीलकंठ

देखिये 'देवता'।

नूपुर

इसका फल भी नरंकी के समान है।

नृपति

देखिये 'नरपति'।

नूसिह

देखिये 'नरसिंह'।

नेत्र

स्वप्न में ज्योति मिलना, या नेत्रों का दान शुभ संकेत है।

नोकर

देखिये 'दास'।

नौका

देखिये 'नाव'।

नौगमन

इसका फल भी नाव के सदूष ही है।

नोटंकी

देखिये 'नाटक'।

नौवत्स्वान

स्वप्न में नौवत्स्वान को देखना या नौवत बजाना अशुभ माना गया है। शीघ्र ही किसी संकट का सामना करना पड़ेगा, ऐसा समझना चाहिए।

नौलखाहार

स्वप्न में नौलखाहार का मिलना अशुभ एवं बुरा समय आने का सूचक है।

न्यायाधीश

यदि स्वप्न में न्यायाधीश दिखे तो इसका सीधा-सादा श्रव्य यह है कि इन दिनों आप अन्याय के पथ पर हैं जो कि अनुचित है।

आपको न्याय और सत्य का पथ स्वीकार करना चाहिए।

पंक

यदि स्वप्न में कीचड़ नज़र आवे तो यह दुर्दिन का संकेत है।

पंकज

देखिये 'कमल'।

पंच

पंखों को देखना ठोस वरातल से मुँह मोड़कर कल्पना के बल पर जिदा रहने का माव इंगित करता है।

पंचत

यदि आदमियों की पंक्ति नजर आवे तो यह प्रसन्नता की सूचक है।

पंगु

यदि स्वप्न में पंगु व्यक्ति या स्त्री नजर आवे, तो यह वास्तविक जीवन में बाधा को इंगित करता है।

पंच

स्वप्न में पंच को देखना जीवन में न्यायपथ स्वीकार करने की ओर सुखद संकेत है।

पंचनद

यदि पौच नदियाँ एक साथ दिखाई पड़े तो यह भाग्योदय का संकेतक है।

पंचवटी

इसका फल भी पंचनद के समान ही समझना चाहिए।

पंचमुखी

देखिये 'देवता'।

पंचांग

देखिये 'ज्योतिषी'।

पंचामिन

इसका फल भी 'पंचमुखी' के समान समझें।

पंचायत

देखिये 'पंच'।

पंजर

यदि स्वप्न में अस्तियपंजर दिखाई दें, तो यह अस्त्यन्त शुभ एवं आम्यवर्धक संकेत है। आपके हाथों से कुछ ऐसा कार्य

होगा, जो आगे चलकर आपको साम दे सके।

पंडाल

यदि स्वप्न में पंडाल नजर आवे, तो यह स्पष्ट समझ लेना चाहिए कि शीघ्र ही घर में मांगलिक कृत्य सम्पन्न होंगे, एवं साम होगा।

पंडित

देखिये 'ज्योतिषी'।

पंची

यदि राह में चलता पंची नजर आवे तो शीघ्र ही यात्रा होगी, तथा विस काल से यात्रा होगी, वह सफल रहेगी।

पंसारी

यह शूभ स्वप्न है, व्यापारिक दृष्टि से आप शीघ्र ही साम उठायेंगे, तथा व्यापारिक बृद्धि होगी।

पक्षाधात

यदि स्वप्न में जातक को पक्षाधात हो जाय, तो यह दुःस्वप्न है, सम्भवतः शीघ्र ही वास्तविक जीवन में भी इस प्रकार के संकट का सामना करना पड़े।

पगड़ी

इन दिनों आप अर्थात् से पीड़ित हैं, तथा ऐसा प्रतीत हो रहा है, मानो इज्जत भी मुश्किल से बचेगी, पर यह स्वप्न इस बात का संकेतक है कि आप शीघ्र ही इस मजबूरी से निकलकर इज्जत कायम रख सकेंगे।

पठार

देखिये 'धाटी'।

पतंग

निश्चय ही आप मानसिक रोग से रग्न हैं। आपकी जो योजनाएँ हैं, वे सफल नहीं हो पा रही हैं। आपके प्रत्येक कार्य के बीच में बाधाएँ आ रही हैं, और सम्भवतः आमी कुछ समझ

तक इसी प्रकार इन समस्याओं से जूझना पड़ेगा ।

पत्थर

स्वप्न में पत्थर दिखना कठिनाइयों एवं बाधाओं का सूचक है, तथा आपके प्रत्येक कार्य में इन दिनों बाधाएँ आ रही हैं। आगे भी कुछ समय तक ऐसा ही चलेगा ।

पत्र

किसी दूरस्थ रिश्तेदार या प्रिय से शीघ्र ही मिलन होगा, तथा आप मनोबांधित अवसर पा सकेंगे ।

परिचित

देखिये 'पंथी' ।

पदक

स्वप्न में पदक मिलना बाधाओं को निम्नतण देना है। आप जो सोच रहे हैं, वह कार्य शायद शीघ्र ही आपके पक्ष में न हो सके ।

पनडुब्बी

पनडुब्बी रहस्य की प्रतीक है। ऐसी कोई बात या रहस्य अवश्य है, जो इन दिनों आपके मानस में घुमड़ रहा है, और आप उसे गोपनीय बनाने में जुटे हैं ।

पर्हा

इसका फल भी 'पनडुब्बी' के समान ही है ।

परदेसी

यदि स्वप्नद्रष्टा परदेसी से बातचीत करे या उसके साथ रहे, तो इसका स्पष्ट तात्पर्य है कि वह यात्रा करेगा, तथा यात्रा में उसका कार्य सिद्ध होगा ।

परमहंस

देखिये 'तपस्ती' ।

परराष्ट्र

यदि जातक की विदेश-यात्रा हो या परराष्ट्र यात्रा हो, तो

शीघ्र ही वह अपने देश में ही यात्रा करेगा, या उसका स्थानान्तरण घर से दूर होगा ।

परान्न

स्वप्न में परान्न खाना अत्यन्त शुभ है तथा यह दुर्दिन का सूचक है ।

परिचित

यदि स्वप्न में कोई परिचित मिल जाय, या उससे बातीलाप हो तो यह शुभ है, तथा किसी के सहयोग से विचारा हुआ कार्य सिद्ध होगा, ऐसा समझना चाहिए ।

परिवार

स्वप्न में परिवार को देखना या उसके साथ समय बिताना शुभ एवं श्रेयस्कर है, पारिवारिक प्रसन्नता बनी रहेगी ।

परिश्रम

यदि स्वप्न में स्वप्नद्रष्टा घोर परिश्रम करे तो यह शुभ संकेत है। यदि वह बेरोजगार है तो शीघ्र ही नौकरी पा लेगा, या किसी घन्ये से लग जाएगा ।

परीक्षा

यदि कोई जातक स्वप्न में परीक्षा दे तो यह समझ लेना चाहिए कि बास्तविक जीवन में इन दिनों जो समस्याएं उसके सामने हैं, शीघ्र ही दूर होंगी, तथा मानसिक शान्ति मिल सकेगी ।

परोपकार

स्वप्न में परोपकार करना या दूसरे को सहायता देना या उसकी मदद करना शुभ संकेत है तथा उन दिनों वह जिस उलझन में है, उससे शीघ्र मुक्ति पा सकेगा ।

पर्वटक

देखिये 'परिचित' ।

पर्व

देखिये 'त्यौहार' ।

पर्वत

देखिये 'धाटी' ।

पलंग

स्वप्न में पलंग देखना आनन्द, आमोद-प्रमोद का सूचक है ।

पलटन

यदि स्वप्न में पलटन नज़र आवे तो यह समझ लेना चाहिए कि वास्तविक जीवन में उसे सही रूप में सहायता मिलेगी, तथा वह मुसीबतों से बच सकेगा ।

पवनचक्री

व्यर्थ का भटकना एवं आवारामर्दी का संकेतक है ।

पवित्रात्मा

देखिये 'तपत्वी' ।

पहरा

यदि स्वप्न में पहरेवार नज़र आवे या उसपर पहरा हो तो यह सुरक्षा का प्रतीक है । इन दिनों आप संभावित आक्रमण से भयमीत हैं, पर यह स्वप्न इस बात का प्रतीक है कि शीघ्र ही आप-आपने को सुरक्षित घनुभव कर सकेंगे ।

पहाड़

देखिये 'पर्वत' ।

पहेली

परस्पर पहेली कहना-सुनना या पहेली दूर्भना रहस्य का सूचक है, ज्यादा-से-ज्यादा रहस्यमय बनना उचित नहीं ।

पाकशाला

स्वप्न में पाकशाला देखना दुर्दिन का संकेत है, साथ ही स्वास्थ्य की दृष्टि से भी ऐसा स्वप्न उचित नहीं ।

पालाना

रोगमुक्ति का सूचक है ।

पाणिप्रहृण

स्वप्न में पाणिप्रहृण संस्कार होना या विवाह आदि भौगोलिक कृत्य सम्पन्न होना अशुभ है, साथ ही मावी विपत्ति का सूचक भी ।

पान

स्वप्न में पान खाना शीघ्र ही रोग को निमन्त्रण देना है ।

पायजेव

देखिए 'नूपुर' ।

पार्वती

देखिए 'दुर्गा' ।

पात्रन ध्वनि

यदि स्वप्न में वेदध्वनि सुनाई दे या पवित्र मन्त्रों का उच्चारण कानों में पड़े तो यह श्रेष्ठ है, साथ ही सौमाय का सूचक भी ।

पिक

देखिए 'कोबल' ।

पिता

यदि स्वप्न में पिता दिखाई दे या उनसे बारतीलाप हो तो यह स्पष्ट है कि आप कुछ ही दिनों में आर्थिक दृष्टि से लामान्वित होंगे ।

पिल्ला

स्वप्न में कुत्ते के पिल्ले को देखना भय का सूचक है । आप व्याय ही इन दिनों भयमीत हैं, इसी बजह से आपके सारे कार्य अस्त-अस्त हो रहे हैं ।

पिस्तौल

पिस्तौल देखना या चलाना अहीं भय का सूचक है, अहीं

सुरक्षा के प्रति जागरूकता का भी। पर यह स्वप्न इस बात का संकेतक है कि आप धृषिकाधिक सुरक्षित रहेंगे।

पिजरा

स्वप्न में पिजरा देखना जेल-यात्रा का सूचक है। हो सकता है कि कुछ ही दिनों में आपके हाथों से कोई ऐसा कार्य हो जिसकी वजह से जेल जाना पड़े।

पीटना

स्वप्न में किसी दूसरे को पीटना अनुकूल है तथा सिद्धिप्रद भी।

पीताम्बर

जीवन में धार्मोद-प्रमोद एवं भौतिक सुखों की प्रचुरता का श्रीगणेश आज से ही समझें, यह स्वप्न इस कथन का गवाह है।

पुत्र

स्वप्न में पुत्र को देखना सम्पन्नता का सूचक है। धार्षिक दृष्टि से आप दिनों-दिन उन्नत होते जायेंगे, यह स्पष्ट समझें।

पुत्रवधू

पुत्रवधू को देखना सेवा-सौमान्य एवं श्री-सम्पन्नता का सूचक है।

पुनर्वास

स्वप्न में एक जगह से उत्थाकर दूसरी जगह जाकर देखना स्थायित्व का सूचक है। अभी तक जो आप भटक रहे थे उसमें विराम आएंगा। साथ ही यह नया मकान बनने का भी सूचक है।

पुनर्विवाह

स्वप्न में पुनर्विवाह होना वैधव्य, दुःख, घर के किसी सदस्य की मृत्यु अथवा दुर्मिय की ओर संकेत करता है।

पुराण

पुराण पढ़ना या श्रवण करना शुभ है।

पुलिस

देखिये 'पहरा'।

पुष्कर

देखिये 'तीर्थ'।

पुस्तक

देखिये 'परीक्षा'।

पूजा

यदि स्वप्न में व्यक्ति पूजा करे, तो यह शुभ संकेत है, शीघ्र ही मनोरथ-सिद्धि होगी।

पृथक्

देखिये 'पुनर्वास'।

पूर्वी

इसका फल भी 'पार्वती' के समान समझना चाहिए।

पेटो

स्वप्न में सन्दूक देखना समृद्धि, सुरक्षा एवं सम्पन्नता का सूचक है।

पेशाव

यदि स्वप्न में कोई जातक पेशाव करे तो यह रोग को आमन्त्रण देना है, निश्चय से जातक शीघ्र ही रोगाभ्यंत होकर परेशानियाँ भोगेगा।

प्रकाश

स्वप्न में प्रकाश देखना शुभ संकेत है।

प्रकाशन

यदि स्वप्न में कोई जातक अपना स्वयं का प्रकाशन करता है, या पुस्तक प्रकाशित करता है, या उसका कोई प्रकाशन निकलता है, तो इसका फलितार्थ यही है कि शीघ्र ही व्यापार

में कृदि होती, तथा उसके हाथ से कुछ ऐसे कार्य समान होने,
जो लाभदायक रहेंगे ।

प्रचार

यदि स्वप्न में उसका प्रचार हो, उसके नाम का विज्ञापन
हो तो यह शुभ नहीं है । यह पराजय, हानि एवं अशुभता का
संकेतक है ।

प्रणय

यदि स्वप्न में प्रणय हो तो यह शुभ है । इन दिनों आपका
जो रोमांस चल रहा है, उसमें स्थिरता माएंगी, एवं आप
सूखद अनुभूति कर सकेंगे ।

प्रतिज्ञा

स्वप्न में किसी बात की प्रतिज्ञा करना शुभ है ।

प्रतिशोध

देखिये 'पीटना' ।

प्रतिमा

प्रतिमा की स्थापना या उसे देखना सौमान्यवर्धक है ।

प्रतिरोध

स्वप्न में यदि युद्ध हो, या पारस्परिक युद्ध हो और उसमें
स्वप्नद्रष्टा अपने बचाव हेतु प्रतिरोध करे, तो यह शुभ संकेत
है, निश्चय ही उसके जीवन में सुरक्षा होगी ।

प्रदर्शन

स्वप्न में प्रदर्शन करना या देखना शुभ नहीं है । सम्भव है,
शीघ्र ही लांचन सहन करना पड़ेगा, तथा कठिनाइयों का
सामना करना पड़ेगा ।

प्रपितामह

इसका फल भी पिता के समान ही होगा ।

प्रपात

स्वप्न में प्रपात देखना अस्वन्त शुभ माना गया है । यह इस

बात का सूचक है कि आगे तक आप जिन परेशानियों से
गुजरे हैं, उन परेशानियों का अन्त हो गया है, और आपकी
जीवन मधुर, सुखद, सहज एवं हर्षपूर्ण है ।

प्रस्तुयंकर

देखिये 'नीलकंठ' ।

प्रशस्ति

यदि स्वप्न में स्वप्नद्रष्टा के बारे में प्रशस्ति पढ़कर मुनावे,
तो यह परेशानियों को बढ़ाने वाली होगी ।

प्राणप्रिय

स्वप्न में प्राणप्रिय देखना स्वप्नवेत्ताओं के अनुसार प्रणय-
सम्बन्ध दृढ़ होना है, साथ ही दूरस्थ पति या पत्नी के मिलने
का योग बनता है ।

प्रियतम

देखिए 'प्राणप्रिय' ।

प्रेत

देखिये 'पंजर' ।

फकीर

स्वप्न में फकीर दिखना या फकीर से मिलना शुभ नहीं
माना जाता । निकट भविष्य में ही कुछ कठिनाइयाँ भवता
बाधाएँ उपस्थित होंगी जिनमें कि आप परेशानी अनुभव करेंगे ।

फणधर

सर्प देखना शुभ एवं मान्योदय-सूचक है । शीघ्र ही कुछ
ऐसा कार्य होगा, जो आपकी उन्नति के लिए तो शुभ होगा ही,
आर्थिक दृष्टि से भी श्रेष्ठ रहेगा ।

फकोला

यदि शरीर पर फकोला हो जाय, तो यह शुभ नहीं कहा
जाता ।

फल

स्वप्न में फल, फलों का टेला या फलदार वृक्ष देखना अत्यन्त शुभ माना गया है। यह इस बात का संकेतक है कि शीघ्र ही घर में किसी नये सदस्य का आगमन होगा, या पुत्रजन्म होगा, या पुत्र-विवाह होगा।

कई बार इस प्रकार के स्वप्न आने पर वाँच स्त्रियों को भी गम्भीर घारण करते देखा गया है। कुल मिलाकर ऐसा स्वप्न अनुकूल एवं शुभ ही होता है।

फाँसीधर

स्वप्न में फाँसीधर देखना जेलयात्रा, एक्सीडेंट या मात्रहत्या का सूचक है।

फुटबाल

फुटबाल को देखना या फुटबाल का खेल खेलना जीवन को अव्यवस्थित होने देना है। यह इस बात का संकेतक है कि अभी तक आपका जीवन व्यवस्थित नहीं हो सका है।

फुहारा

स्वप्न में फुहारा देखना सुख एवं सीमाय का तो सूचक है ही, साथ में भौतिक सुखों की वृद्धि की प्रोत्तर भी संकेत करता है।

फूतकार

देखिये 'फणधर'।

बंजर

बंजर जमीन देखना अत्यन्त अशुभ एवं दुर्मायपूर्ण है। यह हानि, कष्ट एवं परेशानियों का सूचक है। यह इस बात का भी सूचक है कि शीघ्र ही कुछ अप्रिय घटनाएँ घटित होंगी, जो कि परेशानी का कारण बनेंगी।

झूँक

देखिये 'पिस्तौल'।

बकरा

स्वप्न में बकरा देखना अमाय का सूचक है। शान्त एवं सुखद गृहस्थ जीवन में कुछ-न-कुछ दरार शीघ्र ही आयेगी, जिससे दुःख उठाना पड़ेगा।

बच्चा

बच्चे को खिलाना या बच्चे को जन्म देना अथवा बच्चे को देखना अत्यन्त अनुकूल माना गया है। शीघ्र ही मनोरथ-सिद्धि होगी एवं अनुकूल बातावरण बन सकेगा।

बजरंग

देखिये 'देवता'।

बटेर

देखिये 'पंख'।

बदनाम

यदि स्वप्न में कोई बदनाम करे, तो यह शुभ संकेत माना गया है।

बदरिकाधम

देखिए 'केदारनाथ'।

बधिक

स्वप्न में बधिक दिखाई देना अशुभ है। यह स्वप्न परेशानियों को पैदा करने वाला एवं चिन्ता को बढ़ाने वाला है।

बधिर

इस प्रकार के स्वप्न का फल भी शुभ नहीं माना गया है।

बर्बा

देखिये 'फुहार'

बर्फ

स्वप्न में बर्फ देखना, या जमी हुई अथवा बिछी हुई बर्फ देखना या बर्फ पर चलना सुखद कहा गया है। स्पष्टतः इस प्रकार का स्वप्न जीवन में समृद्धि प्रदान करता है।

बलात्कार

यदि स्वप्न में बलात्कार हो तो यह स्पष्ट है कि शीघ्र ही आपके हारा मजबूरी में कुछ ऐसा कार्य होगा, जो आप नहीं चाहेंगे।

बलिदान

यदि कोई अतिक स्वप्न में यह देखे कि वह स्वयं किसी पवित्र एवं शुभ कार्य के लिए बलिदान हो रहा है, तो यह वास्तविक जीवन में भी उन्नति एवं प्रगति का सूचक है।

बबंडर

यदि स्वप्न में बबंडर उठता हृष्टा दिखाई दे तो शीघ्र ही मरणकर कष्टों एवं बाधाओं का सामना करना पड़ेगा, यह इस बात का सूचक है।

बतना

जीवन में प्रसन्नता, आङ्गाद एवं सुख-सौमाध्य का सूचक है। यह इस बात का प्रतीक है कि शीघ्र ही भौतिक उन्नति होगी, साथ ही कुछ ऐसा मांगलिक कार्य घर में सम्पन्न होगा जो पूरे परिवार को प्रसन्नता प्रदान करेगा।

बहिन

बहिन यदि स्वप्न में दिखाई दे तो यह शुभ है।

बहू

देखिये 'पुत्रबू'

बहेलिया

देखिये 'बधिर'

बौज

देखिये 'बंजर'

बाँसुरी

यदि स्वप्न में बाँसुरी का स्वर सुनाई पड़े या स्वप्नदृष्टा

स्वयं बाँसुरी बजाये तो यह शुभ संकेत है। जीवन में मधुरता का समारूप होगा ही, साथ ही कुछ अनुकूल वातावरण भी बनेगा।

बाजार

बाजार का दिखाई देना आने वाले समय की व्यस्तता का संकेत है। यह इस बात का सूचक है कि शीघ्र ही आप आपने हाथों में कुछ ऐसे कार्य लेंगे, जिनसे कि आप ज्यादा-से-ज्यादा व्यस्त होगे।

बाजीगर

यदि स्वप्न में बाजीगर दिखाई दे, तो इस बात को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि शीघ्र ही बोका होगा तथा कोई-न-कोई आर्थिक हानि पहुँचायेगा।

बाढ़

यदि स्वप्न में बाढ़ देखें तो यह आर्थिक हानि का सूचक है। कोई-न-कोई ऐसा कारण अवश्य बनेगा, जिससे आर्थिक क्षति होगी तथा काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

बाण

जीवन में नई-नई परेशानियों का सूचक है।

बादल

यदि स्वप्न में बादल घिरे हुए नजर आयें, तो वे शुभना का प्रारूप हैं। निश्चय ही अगले कुछ दिनों में आपकी आर्थिक प्रगति होगी, साथ ही हर्षवर्धक समाचार भी प्राप्त होगे।

बारिश

देखिये 'बर्बा'

बालक व बालिका

देखिये 'बच्चा'

बाबूँड़ी

देखिये 'कुआँ'

बालू

देखिये 'बंजर'।

विन्दी

विन्दी लगाना या विन्दी लगी नश्युचती को देखना सुख,
सोमार्घ एवं प्रसन्नता का द्योतक है।

विजली

विजली का बार-बार चमकना-बुझना श्रेयस्कर स्वप्न माना
गया है।

बिल्ली

यदि कोई व्यक्ति स्वप्न में बिल्ली देखे तो यह हानिप्रद है।

बिल्वपत्र

स्वप्न में बिल्वपत्र देखना अत्यन्त शुभ एवं अनुकूल कहा
गया है। बिल्वपत्र देखने का फलितार्थ धन-धान्य की वृद्धि एवं
आमोद-प्रमोद का विस्तार है।

बोड़ा

देखो 'पान'।

बीमा

स्वप्न में बीमा करने का फल यह है कि हम वास्तविक
जीवन में अपने-आपको अरकित महसूस कर रहे हैं; कुछ ऐसा
मय है, जो हमें लील रहा है, और हम अधिकाधिक सुरक्षा
चाहते हैं।

बुखार

स्वप्न में बुखार आना वास्तविक जीवन में रोगप्रस्त होना
है।

बुढ़िया

स्वप्न में बुढ़िया का दिखना या उससे बातचीत करना
अथवा उससे धार्मीर्वाद लेना शुभ माना गया है। वास्तविक
जीवन में आनन्दानुभूति होगी, ऐसा समझना चाहिए।

बुद्ध

देखिये 'देवता'।

बुरका

सीधा-सीधा तात्पर्य यह है कि आप अपने-आप को बहुत
अधिक गोपनीय रखना चाहते हैं, तथा एक प्रकार से आपका
व्यक्तित्व रहस्यमय बनता जा रहा है, यह स्वप्न इस बात का
सूचक है।

बेरिस्टर

देखिये 'न्यायाधीश'।

बोतल

अधिकाधिक मच्यान की ओर या ज्यादा-से-ज्यादा व्यसन
होने का संकेत यह स्वप्न कर रहा है।

बह्याण्ड

देखिये 'आकाश'।

बह्याचारी

देखिये 'पवित्रात्मा'।

ब्राह्मण

देखिये 'ज्योतिषी'।

भौवरा

इसका फल 'पक्षी' के समान कहा गया है।

भंडार

यह सुख-समृद्धि एवं धनधान्य-पूर्णता का प्रतीक है।

भृत

देखिये 'परमहंस'।

भगवान्

देखिये 'देवता'।

भगोड़ा

यदि स्वप्न में 'भगोड़ा' दृष्टिगोचर हो तो व्यर्थ का भटकाव

एवं लक्ष्यहीनता की ओर संकेत करता है। 'यह इस बात का सूचक है कि आप इन दिनों मानसिक रूप से अत्यधिक व्यग्र हैं, तथा समाधान पाने के उद्देश्य से भटक रहे हैं।

भयंकर

यदि कृष्णांग ढंग से कोई डरावना भयंकर स्वप्न दिखे तो यह दुःखद समाचारों का सूचक है।

भवन

इसका फल 'नीड़' के समान समझना चाहिए।

भस्म

यह मृत्यु का सूचक स्वप्न है, शीघ्र ही एकीडेंट होगा, या पर-परिवार में दुःखद घटना घटित होगी।

भाई

इसका फल 'पिता' के समान समझना चाहिए।

भागीदार

यदि स्वप्न में भागीदार नजर आवे, तो यह शुभ संकेत है। आप इन दिनों जिस कार्य को सम्पन्न करने हेतु प्रयत्नशील हैं, शीघ्र ही पूरा होगा, और अनपेक्षित सहायता मिलेगी।

भाट

इन दिनों आपमें भ्रंकार की मात्रा बढ़ गई है तथा आपने-आपको काफी ऊँचा समझने लगे हो। ज्यादा अच्छा यही है कि समरस जीवन व्यतीत करने पर ध्यान दें।

भानु

देखिये 'दिनकर'।

भिक्षा

देखिये 'फकीर'।

भिक्षुक

देखिये 'भिक्षा'।

भुजंग

यह शुभ स्वप्न है।

भूत

देखिये 'प्रेत'।

भूमि

देखिये 'पृथ्वी'।

भोगविसास

वास्तविक जीवन में मौतिक सुखों की प्रचुरता का यह दिग्दर्शक है।

भंगल कलश

यह अत्यन्त शुभ स्वप्न है। शीघ्र ही घर में मांगलिक कार्य सम्पन्न होगे, तथा जीवन में प्रसन्नता, आमोद-प्रमोद एवं हृषि का प्रतिरेक होगा।

भंच

आपने-आप को सार्वजनिक जीवन में संगा देने, तथा ज्यादा-से-ज्यादा जनता से सम्पर्कित होने की प्रांग यह इंगित करता है।

मन्त्र

यदि स्वप्न में मन्त्र पढ़ें या सीखें तो यह समझना चाहिए कि आज ही से मेरे जीवन में परिवर्तन आ रहा है, और यह परिवर्तन शुभता की ओर संकेत करता है।

मगरमच्छ

यदि कोई जातक स्वप्न में मगरमच्छ देखे, तो यह शुभ है, असम्मानित आक्रमण अथवा असम्मान्य घटना से आप चित्तित हैं, तथा येन-केन-प्रकारेण इस समस्या से आप निकलना चाहते हैं, यह स्वप्न इस बात का सूचक है।

मछली

स्वप्न में मछली को देखना या मछली पकड़ना शुभ संकेत है, तथा यह लक्ष्मी-प्राप्ति की ओर संकेत है।

मजबूर

शुभ स्वप्न है।

मजिस्ट्रेट

देखिये 'बैरिस्टर'।

माणिक्य

यदि स्वप्न में माणिक्य-रत्न देखें या माणिक्य की मुद्रिका धारण करें, तो यह भाग्योदय का संकेत है, एवं शुभ है।

मतपेटी

देखिये 'निर्वाचन'।

मधु

शहद खाना या शहद का छत्ता देखना अत्यन्त शुभ माना गया है। शीघ्र ही अनुकूल समाचार सुनने को मिलेंगे, ऐसा समझना चाहिए।

मनीषांडर

यदि स्वप्न में मनीषांडर से द्रव्य प्राप्त हो तो वास्तविक जीवन में आकस्मिक धन प्राप्त होगा, ऐसा समझना चाहिए।

महस्यल

देखिये 'बंजर'।

मलयानिल

यदि स्वप्न में शीतल मन्द हवा का स्पर्श हो, तथा सुखद अनुभूति हो तो यह शुभ स्वप्न है, तथा शीघ्र ही मनोवृच्छित सफलता मिलेगी, ऐसा समझना चाहिए।

मल

यदि स्वप्न में दो मल लड़ते हुए दिखें, तो यह जीवन में सुरक्षा का संकेतक है, तथा मन में जो भय समाया हुआ है, वह शीघ्र ही दूर होगा तथा मनोवृच्छित सिद्धि होगी, ऐसा समझना चाहिए।

मवेशी

स्वप्न में मवेशी देखना मात्री जीवन में परेशानी का सूचक है। हो सकता है दूरस्थ किसी रिश्तेदार के बारे में ग्रस्ति समाचार सुनने को मिले जिससे मन में व्यग्रता रहे।

मस्तिश

देखिये 'देवस्थान'।

मसिपात्र

स्वप्न में दबात देखना परीक्षा में सफलता प्राप्त करने का सूचक है, तथा ऐसा स्वप्न मनोवृच्छित सफलतां प्रदान करता है।

मसूरी

यह शुभ स्वप्न है।

मेहवी

यदि स्वप्न में कोई मेहवी लगाई हुई नवयुवती दिखे तो इसे अत्यन्त शुभ संकेत समझना चाहिए तथा शीघ्र ही घर में मांगिक हृत्य सम्पन्न होगे, ऐसा समझना चाहिए।

महंत

देखिये 'परमहंस'।

मेहमान

स्वप्न में मेहमान देखना शुभ माना गया है। जिस कार्य को करने के लिए आप कंपाफी समय से परेशान थे, वह कार्य शीघ्र ही होगा, ऐसा समझना चाहिए।

महर्षि

देखिये 'परमहंस'।

महाजन

स्वप्न में महाजन देखने का फलितार्थ स्वप्न-विशेषज्ञों के अनुसार अपव्यय होना तथा तिर पर कर्जा चढ़ाना है।

महात्मा

देखिये 'परमहंस' ।

महाभारत

महाभारत को पढ़ना या सुनना शुभ माना गया है ।

महायज्ञ

यदि स्वप्न में महायज्ञ के दर्शन हों तो यह अत्यन्त शुभ एवं
मार्ग्योदयकारक है । निकट भविष्य में ही आकस्मिक रूप से
प्रथं-लाभ होगा, तथा जीवन में श्रेष्ठ स्थिति बन सकेगी, ऐसा
समझना चाहिए ।

महारानी

यदि स्वप्न में महारानी के दर्शन हों तो यह शुभ माना
गया है, तथा चतुर्दिक् प्रसन्नता बड़ेगी ऐसा समझना चाहिए ।

महावत

महावत को स्वप्न में देखना अर्थं-लाभ का सूचक है ।

महावीर

देखिये 'देवता' ।

मांस

स्वप्न में मांस देखना, पकाना, शुभ एवं श्रेयस्कर माना
गया है । इसका सीधा सम्बन्ध उत्तम स्वास्थ्य से है ।

माल्यन

इसका फल भी 'मधु' के समान समझना चाहिए ।

माता

देखिये 'जननी' ।

मानवित्र

देखिये 'नक्षा' ।

मानहानि

देखिये 'बदनाम' ।

मामा

इसका फल भी 'माता' के समान ही होगा ।

मिट्टी

शुभ फल है ।

मित्र

स्वप्न में मित्र का देखना अत्यन्त शुभ माना गया है । यह
इस बात का सूचक है कि इन दिनों आप किसी की सहायता
चाहते हैं, और शीघ्र ही आकस्मिक रूप से सहायता मिलेगी,
यह निश्चित समझें ।

मिनिस्टर

स्वप्न में मिनिस्टर से मिलना या उससे बातालाप करना,
सहायता प्राप्त करना है, पर इसका फल बहुधा यही देखने में
आया है कि आप जो सहायता चाहते हैं, वह मिल नहीं
सकेगी ।

भीठा

देखिये 'मधु' ।

मुकलाया

स्वप्न में मुकलाया होना श्रेयस्कर नहीं माना गया है । यह
स्वप्न इस बात का सूचक है कि प्रणय-सम्बन्ध में अन्तर
आएगा, एवं कठिनाइयाँ पैदा होंगी ।

मुकुट

इसका फल शुभ नहीं है । यदि स्वप्नद्रष्टा स्वयं मुकुट पहनता
है, या उसे कोई मुकुट पहनाता है, तो यह हानि, अपमान एवं
कठिनाइयों का सूचक है ।

मुकेबाज

देखिये 'मर्स्स' ।

मूँग

यदि मूँग की लेती या मूँग की ढेरी या मूँग छीदता-बेचता

हो तो यह मृत्यु का सूचक है, तथा हानिकारक भी ।

मूँछ

स्वप्न में मूँछ मरोड़ना शुभ संकेत है, एवं साहस का परिचायक भी ।

मूत्र

देखिये 'पेशाब' ।

मूर्ति

देखिये 'देवता' ।

मृत्यु

स्वप्न में स्वयं की मृत्यु हो जाना अत्यन्त शुभ है । इस स्वप्न का फलितार्थ है कि शीघ्र ही रोगमुक्ति होगी, ऋण उतरेगा तथा माघ्योदय होगा ।

मेर

देखिये 'पठार' ।

मेहरिया

देखिये 'नारी' ।

मैदान

स्वप्न में मैदान देखना पराजय की निशानी है । इन दिनों आप जिस समस्या से झूँझ रहे हैं, उसमें पराजय होगी ।

मोती

देखिये 'माणिक्य' ।

मोदक

अत्यन्त शुभ है, पर यदि स्वप्नद्रष्टा स्वयं मोदक खाता है, तो यह शुभ नहीं है ।

यंत्र

स्वप्न में यन्त्र देखना या यंत्र बनाना सुखद मविष्य का सूचक है । यह स्वप्न इस बात का साक्षी है कि दुर्दिन लगभग समाप्त हो चुके हैं, प्रोर शीघ्र ही सुखद माघ्योदय होने वाला है ।

यजमान

देखिए 'मेहमान' ।

यमुना

देखिए 'गंगा' ।

यवन

देखिए 'म्लेच्छ' ।

यजुर्वेद

स्वप्न में यजुर्वेद पढ़ना, पढ़ना या अध्ययन करना शुभ संकेत है, निश्चय ही आप परीक्षा में सफल होगे ।

यज्ञ

देखिए 'महायज्ञ' ।

यात्रा

स्वप्न में यात्रा करना शुभ माना गया है । वास्तविक जीवन में भी आप शीघ्र ही यात्रा करेंगे, एवं मनोनुकूल फल प्राप्त कर सकेंगे ।

युद्ध

स्वप्न में युद्ध करना स्वप्नवेत्ताओं के अनुसार शुभ है । आप इन दिनों जिस संघर्ष में ऐ गुजर रहे हैं, शीघ्र ही उसमें विजयी होंगे तथा भावी जीवन में लाभ उठाएंगे ।

युवराज

शुभ है ।

योगी

देखिए 'महर्षि' ।

योगिनी

योगिनियों का नृत्य या स्वप्न में योगिनी देखना अनुकूल नहीं कहा जा सकता । शीघ्र ही हमें दुर्दिन का सामना करना पड़ेगा, ऐसा समझना चाहिए ।

युवती

देखिए 'नारी'।

रंक

रंक देखना शुभ नहीं है। जहाँ तक मेरा अनुभव है, इसका कल सामान्य है।

रंगमंच

देखिए 'नाटक'।

रंगरूट

स्वप्न में रंगरूट बनना या देखना सुरक्षा का प्रतीक है। इन दिनों वास्तविक जीवन में आप अपने-आपको अरक्षित-सा अनुभव कर रहे हैं, पर यह स्वप्न इस बात का साक्षी है कि शीघ्र ही आप अपने-आपको सुरक्षित अनुभव कर सकेंगे।

रंडी

स्वप्न में बेश्या देखना, उसके साथ विहार करना अथवा उसके साथ संभोग करना अत्यन्त शुभ माना है। आर्यिक दृष्टि से शीघ्र ही आप लाभप्रद स्थिति में होंगे, साथ ही भौतिक सुखों की भी वृद्धि होगी।

रक्त

देखिए 'खून'।

रक्त-चंदन

स्वप्न में रक्त-चंदन देखना समृद्धि का प्रतीक है।

रवि

देखिए 'दिनकर'।

रक्षाबन्धन

स्वप्न में रक्षाबन्धन का त्योहार मनाना शुभ है। इन दिनों आप जिन मानसिक यन्त्रणाओं में से गुजर रहे हैं, वे दूर होंगी, तथा अनुकूल स्थिति जमेगी, यह स्पष्ट समझें।

रखेल

देखिए 'रंडी'।

रजनीकर

देखिए 'चन्द्र'।

रजिस्ट्री

यदि स्वप्न में स्वप्नद्रष्टा रजिस्ट्री कराता है, या रजिस्ट्री प्राप्त करता है, तो यह अर्थ-वृद्धि का संकेतक स्वप्न है :

रण

देखिए 'युद्ध'।

रनिवास

देखिए 'महारानी'।

रत्न

देखिए 'माणिक्य'।

रथ

स्वप्न में रथ की सवारी करना शीघ्र ही दूरस्थ स्थान की यात्रा का सूचक है, साथ ही आप जिस उद्देश्य को लेकर यात्रा करेंगे, उस कार्य में भी सफलता प्राप्त होगी, यह निश्चित समझें।

रबड़

रबड़ की वस्तुओं का प्रयोग करना अपने अविकृत व प्रसार को लालायित हो देता है। आप चाहते हैं, किसी-न-किसी प्रकार बहुचित हों, विद्यात हों, लोग आपको जानें।

रबड़ी

देखिए 'मीठा'।

रसिक

देखिए 'छेला'।

राख

देखिए 'मस्म'।

राग

यदि स्वप्नद्रष्टा स्वप्न में राग से गीत गाता है, या राग-
रागिनियों निकालता है, तो यह दुर्मायग का सूचक है।

राघव

देखिए 'देवता'।

राजा

देखिए 'नरपति'।

राजदूत

स्वप्न में राजदूत के साथ विहार करना, परिचय बढ़ाना या
मिलना विदेशयात्रा का सूचक है।

राजनीतिज्ञ

शीघ्र ही आपकी कार्यसिद्धि होगी, यह निश्चित समझें।

राजमहल

देखिये 'मवन्'।

राजषि

देखिये 'महर्षि'।

राजसभा

देखिये 'दरबार'।

राजसिंहासन

राजसिंहासन पर बैठना शुभ नहीं है।

राज्याभिषेक

यदि स्वप्न में स्वप्नद्रष्टा का राज्याभिषेक हो तो यह अत्यन्त
शुभ है। शीघ्र ही कठिनाइयों एवं बाधाओं का सामना करना
पड़ेगा, ऐसा समझना चाहिए।

राजीनामा

यदि स्वप्न में मुकद्दमे के बीच राजीनामा हो जाता है, तो
यह वास्तविक जीवन में भी मानसिक शान्ति का सूचक है, और
इस बात की ओर इंगित करता है कि आप शाने-शर्ने: अपनी

परिस्थितियों ठीक प्रकार से सुलझा रहे हैं।

राज्यच्छुत

स्थानान्तरण या नौकरी से हटाने की प्रोर संकेत करता है।

रात्रि

देखिये 'चन्द्र'।

रामदूत

देखिये 'देवता'।

राशन

यदि स्वप्न में राशन लेकर धान या अन्य सामान लावे, तो
यह कठिनाइयों का संकेत है, और इस बात का सूचक है कि
शीघ्र ही कुछ अन्य बाधाओं का भी सामना करना पड़ेगा।

राष्ट्र

शुभ है।

रिपु

देखिये 'दुष्ट'।

रिश्वत

यदि आप स्वप्न में रिश्वत लेते हैं, या देते हैं, तो यह इस
बात का सूचक है कि आप येन-केन-प्रकारेण अपना काम
निकालना चाहते हैं, और इन दिनों आप जिन समस्याओं से
ज़्युर रहे हैं, उनका ल भी शीघ्र ही निकलेगा।

रुद्र

देखिये 'देवता'

रुई

स्वप्न में रुई देखना कठिनाइयों पर विजय पाने का संकेत
है; आप शीघ्र ही बाधाओं को पार कर सकेंगे, इसमें संदेह नहीं।

रेडियो

देखिये 'हूरदरांन'

रोकड़-बही

यदि आप स्वप्न में रोकड़-बही देखें या लिखें, तो यह बनागम का सूचक है। आधिक दृष्टि से शीघ्र ही निश्चन्तता आयेगी, ऐसा समझें।

रोगी

देखिये 'बुखार'।

रोजगार

यदि स्वप्न में 'रोजगार' मिल जाता है, तो आप वास्तविक जीवन में भी किसी-न-किसी कार्य में लग जाएंगे, ऐसा समझें।

रोटी

स्वप्न में रोटी बनाना या खाना शुभ नहीं कहा गया है। यह स्वप्न रोगवृद्धि का सूचक है, एवं परेवानियों से पूर्ण भी।

रोना

स्वप्न में रोना शुभ संकेत माना गया है, यह भाग्योदय का सूचक है।

रोद्र

देखिये 'भद्रकर'।

लंगड़ा

स्वप्न में यदि लंगड़ा व्यक्ति दिखाई दे तो यह सामान्य है। इसका फल न शुभ कहा जा सकता है न अशुभ।

लंगर

यदि लंगर दिखे, या जहाज पर यात्रा हो तथा यात्रा के बीच लंगर डाला जाय तो यह वास्तविक जीवन में स्थिरता का प्रतीक है। इन दिनों आपके जीवन में जो माग दोढ़ रही है, उसकी समाप्ति समझें।

लंगोट

इसका फल 'मल्ल' के समान है।

लक्ष्मी

यदि स्वप्न में लक्ष्मी दिखाई दे या लक्ष्मी-पूजन हो तो यह अत्यन्त शुभ संकेत है, तथा ऐश्वर्यपूर्ण जीवन का प्रारम्भ है। यह स्वप्न आपके प्रबल भाग्योदय का हेतु है।

लजोला

लजीले व्यक्ति को देखना शुभ है।

लठंत

देखिये 'मल्ल'।

लड्डू

देखिये 'मीठा'।

लता

स्वप्न में लता-कुंज देखना शुभ माना गया है। यह जीवन में शान्ति एवं मधुरता का परिचायक है।

लॉकेट

स्वप्न में लॉकेट पहनना या बनवाना दाम्पत्य जीवन में मधुरता का श्रीगणेश है।

लॉटरी

यदि स्वप्न में लॉटरी निकले या उसके अंक दिखें, तो इसे वास्तविक समझकर वास्तविक जीवन में इनका उपयोग करना चाहिए।

लालची

लालची बनना, या लालची कहलवाना अथवा स्वप्न में किसी लालची व्यक्ति से सम्पर्क बनाना श्रेयस्कर है। यह वास्तविक जीवन में मितव्यता का परिचायक है जोकि शुभ संकेत है।

लिपिबद्ध

स्वप्न में लिखना वास्तविक जीवन में परीक्षा में उत्तीर्ण होने का सूचक है।

लंगो

स्वप्न में लंगी पहनना, या लंगी पहनकर घूमना। भौतिक

सुखों की वृद्धि का सूचक है। शीघ्र ही अर्थलाभ होगा, ऐसा समझें।

बुहार

यह वास्तविक जीवन में अम का सूचक है। शनि:-शनैः आप अकर्मण्य बनते जा रहे हैं यह शुभ नहीं है, अम की ओर सजग रहना आवश्यक है।

लूटना

स्वप्न में लूटना अर्थप्राप्ति का सूचक है। शीघ्र ही आकर्मिक रूप से अर्थलाभ होगा, ऐसा समझें।

लेन-देन

स्वप्न में लेन-देन करना घन-वृद्धि का संकेतक है।

लेफ्टिनेंट

नौकरी के वैत्र में उल्लंघन करने का सूचक है।

लोटा

इसका फल सामान्य है।

लोरी

स्वप्न में यदि स्वप्नद्रष्टा लोरी गावे-सुने तो यह वास्तविक जीवन में प्रसन्नता का सूचक है।

लौड़ी

सेवा का सूचक है।

बंदना

स्वप्न में बंदना करना शुभ एवं अनुकूल संकेत माना गया है। शीघ्र ही मनोकामना होगी, यह स्पष्ट समझें।

बकालत

बकालत करना या कोटं में जिरह करना विजय का संकेतक है। इन दिनों आप जिन समस्याओं में उलझे हुए हैं, उनसे शीघ्र ही त्राण मिलेगा।

बातूता

स्वप्न में भाषण देना शुभ है, तथा अपने पक्ष की प्रबल पुष्टि

है। स्पष्टतः आप जिस रूप में विरोधी को मनाना चाहते हैं, उसी रूप में वह मान जायगा।

बचन

बचन देना या बचन की रक्खा करना शुभ संकेत है, एवं जीवन की स्थिरता का प्रतीक है।

बज्ज

देखिये 'अस्त्र'।

बजीर

इसका फल भी बैरिस्टर के समान ही होगा।

बध

किसी को जान से मार देना या बध करना अशुभ है, एवं दुर्भाग्य का सूचक भी, ऐसा स्वप्न भावी जीवन की अवनति है।

बधू

देखिये 'दहू'।

बनवास

स्वप्न में बनवास मिलना या जाना कठिनाइयों से विमुख होना है। जीवन-संघर्ष में मनुष्य का कर्तव्य जूझता है, मागना उचित नहीं।

बन्ध जीव

उन्मुक्त भाव से विचरण करते बन्ध जीव देखना स्वतन्त्रता का संकेतक है। यदि आप बन्धी हैं तो शीघ्र ही क्लूट जाएंगे, या मानसिक रूप से परेशान हैं तो आप इस यन्त्रणा से भी शीघ्र ही मुक्ति पाएंगे।

बाचनालय

स्वप्न में बाचनालय देखना या बाचनालय में जाकर पढ़ना परीक्षा-सम्बन्धी कार्यों में उत्तीर्ण होना है। शीघ्र ही आपको सुनिश्चित सफलता की सूचना मिलेगी, ऐसा समझें।

बादक

बादक देखना या बाद यन्त्र बजाना शुभ नहीं है, अपितु

कठिनाइयों का सूचक है।

वनर

देखिये 'कपि'।

वनप्रस्थ

यह शुभ स्वप्न है।

वायुयान

स्वप्न में वायुयान देखना या वायुयान में यात्रा करना शुभ माना गया है, शीघ्र ही आपको यात्रा करनी पड़ेगी, और जिस कार्य से आप यात्रा करेंगे, उसमें सफलता पाएंगे।

वाहणी

जीवन में शिर्षिलता एवं आलस्य का संकेतक स्वप्न है।

विकराल

देखिये 'भयंकर'।

विच्छेद

देखिये 'तलाक'।

विजया

देखिये 'वारुणी'।

वित्त

यदि स्वप्न में धन मिल जाय, या भूमि स्वोटे समय उसमें से सजाना निकल आये, तो यह आर्थिक उन्नति एवं शुनता का सूचक है, शीघ्र ही लाम होगा, तथा आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनेगी।

विप्र

देखिये 'ज्योतिषी'।

विष्वव

देखिए 'भयंकर'।

विभाजन

शीघ्र ही गृहकलह होगी, तथा परस्पर सम्बन्ध-विच्छेद होने के आसार बढ़ेगे। स्वप्न के समान ही वास्तविक जीवन में भी फल होता देखा गया है।

विमान

देखिये 'वायुयान'।

विश्वकर्मा

देखिये 'देवता'।

विष

देखिये 'जहर'।

विष्णु

देखिये 'देवता'।

विस्कोट

देखिये 'प्रलय'।

विहंग

देखिये 'खग'।

वीणा

देखिये 'वाद्य'।

वृन्दावन

देखिये 'देवस्याम'।

वृक्ष

देखिये 'जला'।

वृद्ध

इसका फल भी बूढ़ा या बुढ़िया के समान होगा।

वृषभ

देखिये 'मवेशी'।

वृश्चिक

स्वप्न में विष्णु का काटना या विष्णु देखना शुभ संकेत माना गया है।

वेदपाठी

देखिये 'पञ्चवेद'।

वेदी

देखिये 'महायज्ञ'।

वेदशाला

शुभ स्वप्न है, शीघ्र ही सफलता मिलेगी।

वेश्या

देखिये 'रंडी'।

वैद्य

शीघ्र ही व्यापार में बढ़ि होगी तथा आर्थिक दृष्टि से सम्पन्नता आयेगी, ऐसा समझें।

व्यभिचारिणी

देखिये 'रंडी'।

व्याह्यान

देखिये 'वक्तृता'।

व्याघ्र

अस्त्यन्त शुभ स्वप्न है, तथा शीघ्र ही मनोरथ सिद्ध होगा, ऐसा समझें।

व्यापार

देखिये 'वैद्य'

व्योमचारी

देखिये 'वायुयान'

शंख

यदि स्वप्न में शंख बजाया जाय या शंख-घोष हो, तो यह अस्त्यन्त श्रेष्ठ है, एवं शुभ भाग्योदयकारक स्वप्न है।

शंभु

देखिये 'देवता'

शठ

मूर्ख व्यक्ति से मिलना या उससे बातचीत करना शुभ नहीं है। यह जीवन में परेशानियों का सूचक है।

शत्रु

शत्रु से जिस प्रकार का व्यवहार स्वप्न में होगा, उसी प्रकार का व्यवहार वास्तविक जीवन में भी होगा।

शरणगृह

शरणस्थल या शरणगृह को देखना शुभ माना गया है। आप जिस समस्या को लेकर परेशान हैं, उस समस्या से शीघ्र ही मुक्ति मिल सकेगी, ऐसा निश्चित समझें।

शरीरान्त

जीवन में शरीरान्त, अकर्मण्यता एवं आलस्य का प्रतीक है। शरीरान्त में शरीरान्त हो जाना शुभ एवं भाग्योदयकारक माना गया है।

शब्दाह

देखिये 'शरीरान्त'

शशक

स्वप्न में स्वरगोष देखना या शशक पालना शुभ माना गया है। शीघ्र ही आपकी गुप्त यात्रा होगी, तथा उससे मनोवाञ्छित सिद्धि प्राप्त कर सकेंगे।

शशि

देखिये 'चन्द्र'

शस्त्र

देखिये 'अस्त्र'

शहद

देखिये 'मधु'

शागिर्द

यदि स्वप्न में जातक शागिर्द बने, या शागिर्द को देखे तो यह शुभ संकेत है, एवं मनोनुकूल कार्यसिद्धि का परिचायक भी।

शामियाना

स्वप्न में शामियाना तानना, या शामियाने के नीचे बैठना शुभ लक्षण है। शीघ्र ही घर में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे, तथा परिवार में प्रसन्नता बढ़ेगी।

शाला

स्वप्न में शाला देखना, परीक्षा में सफलता प्राप्त करने का सूचक है।

शासक

देखिये 'महाराजा'।

शास्त्र

देखिये 'यजुर्वेद'।

शिकार

यदि स्वप्न में जातक शिकार करता है, और उसमें वह सफल हो जाता है, तो यह शुभ स्वप्न है। इसके फलितार्थ के अनुसार वास्तविक जीवन में वह शीघ्र ही सामान्वित होगा।

शिक्षा

स्वप्न में शिक्षा प्राप्त करना या शिक्षा देना परीक्षा-परिणामों की अनुकूलता समझनी चाहिए।

शिलालेख

यदि कोई व्यक्ति स्वप्न में शिलालेख देखता है, या पढ़ता है, तो यह शुभ स्वप्न है। अगले कुछ ही समय में आपके द्वारा कुछ ऐसे कार्य सम्पन्न होंगे, जो आपकी प्रसिद्धि, यथा एवं सम्मान को बढ़ाने में सहायक होंगे।

शिल्पी

देखिये 'काश्तकार'।

शिव

देखिये 'देवता'।

शिष्य

देखिये 'शाशिद'।

शीशमहल

स्वप्न में शीशमहल देखना, या उसमें बैठना अथवा उसमें नृत्य करना शुभ माना गया है, तथा यह भौतिक सुखों में वृद्धि का सूचक है।

शुक्र

यदि स्वप्न में कोई जातक शुक्र तारे को देखे तो निश्चय ही अगले कुछ ही दिनों में उसके प्रणय-सम्बन्ध बनेंगे, एवं वह पूर्ण शारीरिक सुख प्राप्त कर सकेगा।

शूद्र

शूद्र को देखना या उससे मिलना दुर्दिन-प्रारंभ का सूचक है।

शृङ्गार

स्वप्न में यदि स्त्री शृङ्गार करती है, तथा नस-शिख शृङ्गार कर अनिन्य सुन्दरी बनती है, तो यह भौतिक सुखों में वृद्धि की सूचक है। इस स्वप्न से यह स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में स्वप्नद्रष्टा ज्यादा-से-ज्यादा भौतिक सुखों में वृद्धि करेगा।

शेर

देखिये 'ब्याघ्र'।

शैतान

देखिये 'दुष्ट'।

शैल

देखिये 'पर्वत'।

शोक

स्वप्न में शोक मनाना शुभ माना गया है, तथा अनुकूल मायथ का परिचायक है।

इमशान

स्वप्न में इमशान देखना या इमशान में जाना सौमाय का सूचक है।

अभिक

अभिक देखना इस बात का सूचक है कि वास्तविक जीवन में ग्रकर्मण्यता बढ़ती जा रही है, और श्रम के प्रति विमुखता होती जा रही है, जो कि उचित नहीं है।

आदृ

स्वप्न में आदृ करना शुभ है।

ओ

देखिये 'लक्ष्मी' ।

ओहशी

देखिये 'युवती' ।

संकीर्तन

स्वप्न में भजन होना, या संकीर्तन होना शुभ माना गया है ।

संतान

देखिये 'पुत्र' ।

संधि

देखिए 'महर्षि' ।

संन्यासी

देखिये 'युवती' ।

संपत्ति

देखिये 'धन' ।

संबंधी

देखिये 'मेहमान' ।

संसार

संसार की यात्रा अत्यन्त शुभ मानी गई है, तथा यह वास्तविक जीवन में भी यात्रा का ही सूचक स्वप्न है ।

सत्ता

देखिये 'मित्र' ।

सचिव

देखिये 'मंत्री' ।

सती

स्वप्न में सती होते देखना अत्यन्त शुभ एवं माघ्योदय का सूचक माना गया है ।

सहोदर

देखिये 'माई' ।

सत्सग

देखिये 'कीर्तन' ।

सदुपदेश

देखिये 'कीर्तन' ।

सप्तधातु

स्वप्न में सप्तधातु देखना शुभ माना गया है । यह धन-प्राप्ति का तो सूचक है ही, साथ ही सौमाण्य एवं उचित अवसर पाने का मार्ग भी ।

सफेद

स्वप्न में सफेद वस्तु देखना पवित्रता का सूचक है, सज्जनता एवं सौम्यता का भी परिचायक है ।

सभापति

स्वप्न में सभापति बनना हार का चिह्न है । हो सकता है आपको झूठा लांछन सहना पड़े, और अपमान भी । इसलिये वास्तविक जीवन में पग-पग पर सावधानी बरतनी आवश्यक है ।

समाधि

स्वप्न में समाधि देखना, समाधि पर पुष्ट चढ़ाना या समाधि बनाना शुभ माना गया है । यह उन्नति का सूचक है ।

सम्मोहन

यदि स्वप्न में कोई व्यक्ति सम्मोहन-कला बताये, या सम्मोहित करने का प्रयत्न करे, तो यह जीवन की वास्तविकताओं से विमुख होने का संकेत है ।

सरस्वती

देखिये 'लक्ष्मी' ।

सरकस

स्वप्न में सरकस देखना शुभ माना गया है । यह जीवन में आमोद-प्रमोद की वृद्धि एवं शानशौकत का परिचायक है । यह इस बात का साक्षी है कि शीघ्र ही जीवन में भौतिक सुखों की वृद्धि होगी ।

सप

देखिये 'नाग' ।

सहधर्मिणी

यदि स्वप्न में सहधर्मिणी दृष्टिगोचर हो तो यह पारिवारिक जीवन में सुखद बात है। इसका सीधा-सादा तात्पर्य है कि आनेवाले दिनों में आपका गृहस्थ जीवन उत्तरोत्तर उन्नत होगा, तथा जीवन में मधुरता एवं श्रेष्ठता बनी रहेगी।

स्वाँग

देखिये 'नाटक' ।

सागर

यदि स्वप्न में समुद्र नजर आवे तो यह अत्यन्त शुभ है। ऐसा स्वप्न यात्रा प्रशस्त करता है एवं साथ-ही-साथ माघ्योदय भी।

साज

देखिये 'बाढ़' ।

साफा

देखिये 'पगड़ी' ।

सामन्त

देखिये 'मंत्री' ।

सिहासन

देखिये 'राजसिहासन' ।

सिन्दूर

सिंदूर लगाना या उसका उपयोग करना अत्यन्त शुभ माना गया है।

सिंह

देखिये 'व्याघ्र' ।

सिंदू

देखिये 'योगी' ।

सिपाही

देखिये 'पहरा' ।

सिक्का

स्वप्न में सिक्के या सिक्कों का होर देखना अत्यन्त श्रेयस्कर माना गया है। ऐसा स्वप्न लक्ष्मी-प्राप्ति का सूचक है।

सुगंध

यदि स्वप्न में सुगंधित वस्तु दृष्टिगोचर हो, या सुगंध आवे तो यह कल्याणकारी है। ऐसा स्वप्न रोगमुक्ति का सूचक तो है ही, साथ ही लक्ष्मी-साधन में सहायक भी।

सुधार

स्वप्न में सुधार देखना शुभ माना गया है। इसका तात्पर्य है आप चानै:-शानैः अपनी प्रगति की ओर उन्मुख हैं।

सुनार

स्वप्नदशियों के अनुसार सुनार को देखना शुभ नहीं माना गया है। यह परेशानियों को बढ़ाने वाला माना गया है, पर मेरा अनुभव सर्वथा इसके विपरीत है।

स्वर्ण

स्वर्ण का होर देखना या स्वर्ण खरीदना या पहनना शुभ नहीं है।

सुमुखी

देखिये 'युवती' ।

सुलोचनी

देखिये 'सुमुखी' ।

सूप

धान साफ करने का सूप स्वप्न में देखना श्रशुभ है।

सूर्य

देखिये 'दिनकर' ।

सूली

स्वप्न में सूली देखने का फलितार्थ यही है कि व्यक्ति या तो आत्महत्या करने पर उतारू है, या फिर उसके हाथों से कोई ऐसा कार्य होगा, जिससे उसे प्राणदण्ड तक मिल सकता है।

सेज

देखिये 'पलंग'।

सैनिक

देखिये 'सिपाही'।

सुपारी

स्वप्न में सुपारी खाना या सुपारी खरीदना शुम माना गया है।

स्नान

स्वप्न में स्नान करना शुम माना गया है, और यह रोगमुक्ति का सूचक है।

स्वर्ग

यदि कोई जातक स्वप्न में स्वर्ग की यात्रा करे या स्वर्ग में विचरण करे, तो यह सौमाण्यवृद्धि का सूचक है।

स्वेच्छाचारी

स्वप्न में स्वेच्छाचारी या अहंकारी बनकर विचरण करना वास्तविक जीवन की उपेक्षा करना है। यह स्वप्न मम्मान-हानि का सूचक है।

हंस

स्वप्न में हंस देखना जहाँ धनप्राप्ति का सूचक है, वहीं यह सम्मान तथा कीर्ति-वृद्धि का कारक भी। निश्चय ही आपके जीवन में न्याय-मावना प्रबल बनती जा रही है।

हजामत

स्वप्न में हजामत करना या करना शुम नहीं माना गया है।

हज

देखिये 'तीर्थ'।

हड्डियाँ

स्वप्न में हड्डियों को देखना शुम माना गया है।

हड्डताल

हड्डताल में मांग लेना या हड्डताल करना वास्तविक जीवन में

धकमंष्ट्रता का बोध कराता है। यह इस बात का सूचक है कि आप अपने कर्तव्य-पथ से छुत हो रहे हैं।

हरजाई

देखिये 'रंडी'।

हवाई जहाज

देखिये 'वायुयान'।

हाथी

देखिये 'गज'।

हवालात

देखिये 'जेल'।

हीरा

देखिये 'रत्न'।

होम

देखिये 'यज्ञ'।

होता

यह सर्व प्रकार से कल्याणकारी एवं भंगलमय स्वप्न है।

सुबोध पॉकेट बुक्स में

ज्योतिष और हस्तरेखा

हजारों भाल पहले न आज जैसे माइक्रोस्कोप थे
न टेलीस्कोप, न राडार थे न डाइनामाइट, फिर
भी भारतीय ज्योतिषों ने ज्योतिष के सहारे
अन्तरिक्ष से पाताल तक जल, वायु, प्रकाश,
नक्षत्र के सभी रहस्य जान कर मनुष्य को
आजेय, अमर और अविनाशी होने का ज्ञान
विज्ञान प्रदान किया। भूत, भविष्य, वर्तमान
जानने के लिये सुप्रसिद्ध लेखकों की कृतियां पढ़ें।

जन्म कुण्डली-कोश	पं. सुर्यनाशगण व्यास
हस्तरेखा विज्ञान विष्वकोश	डॉ. ज. पौ. सिंह
सुबोध हस्त रेखा	डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली
प्रारम्भिक ज्योतिष	डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली
सुबोध अंक विद्या	डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली
सुबोध स्वप्न ज्योतिष	डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली
सुबोध मुहूर्त ज्योतिष	डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली
तन्त्र शक्ति	पं. के. ए. दुबे पद्मेश
मन्त्र शक्ति	पं. के. ए. दुबे पद्मेश
यन्त्र शक्ति	पं. के. ए. दुबे पद्मेश
रत्न और ज्योतिष	पं. के. ए. दुबे पद्मेश
हस्तरेखा (सैकड़ों चित्र)	पं. के. ए. दुबे पद्मेश
पाँच तले भविष्यज्ञान	पं. भोजराज द्विवेदी
अंगूठे से भविष्यज्ञान	पं. भोजराज द्विवेदी
अंकों का रहस्यमय संसार	पं. भोजराज द्विवेदी
ज्योतिष विष्व-कोश	हरिदत शर्मा
हस्तरेखा विष्व-कोश	हरिदत शर्मा



COLLECTION OF VARIOUS

- HINDUISM SCRIPTURES
- HINDU COMICS
- AYURVEDA
- MAGZINES

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with



By

Avinash/Shashi

I creator of
hinduism
server

स्वप्न, मानव जीवन को हृश्वर का सर्वश्रेष्ठ वरदान है। यह दैवी वरदान चराचर जगत में केवल मानव-जीवन को प्राप्त है।

एक मनुष्य बिना स्वप्नों के जीवित नहीं रह सकता, यदि वह जीवित है, सक्रिय है, तो वह निश्चित ही स्वप्न देखता है। स्वप्न हमारे भूत, वर्तमान और भविष्य की तस्वीरें हैं। यह मस्तिष्क भविष्य की ऐसी सिनेमास्कोपिक पिक्चर है जो पूरे जीवन को साकार कर देती है।

सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
डॉ० नारायणदत्त श्रीमाली

द्वारा प्रस्तुत
एक प्रामाणिक पुस्तक



युवोध पट्टिलकेशन्द्र